जबलपुर
मंगलवार, 18 फरवरी 2025
■ फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष -6
■ वर्ष : 19, अंक : 285
■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 32
न्यून. 14

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

आईसीएसई बोर्ड 10वीं की परीक्षा आज से, जारी हुई गाइडलाइंस

नई दिल्ली। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) की ओर से आईसीएसई यानी कि 10वीं क्लास के बोर्ड एग्जाम की शुरुआत मंगलवार से शुरू हो रही है। आइसीएसई का पहला पेपर अंग्रेजी भाषा (इंग्लिश पेपर-1) का आयोजित किया जायेगा। 18 फरवरी से शुरू होकर 10वीं कक्षा की परीक्षाएं 27 मार्च 2025 तक आयोजित की जाएंगी। एग्जाम में भाग लेने वाले स्टूडेंट्स के लिए बोर्ड की ओर से एग्जाम गाइडलाइंस जारी की जा चुकी हैं। सभी छात्र-छात्राएं किसी भी प्रकार की समस्या से बचने के लिए निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के बारे में उद्योगपति, मप्र एफएमसीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील जैन 501 ने हरिभूमि से कहा

मप्र में औद्योगिक परिदृश्य में बदलने की पूरी क्षमता, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलेगी भोपाल को पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

वर्तमान में भारत दुनिया का सबसे बड़ा वैश्विक क्षमता केंद्र यानी जीसीसी हब बन चुका है। मध्यप्रदेश इस सेक्टर में अपनी भागीदारी को तेजी से बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है। राजधानी में आयोजित दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 से भोपाल की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनेगी। भोपाल आईटी, वित्त, इंजीनियरिंग और बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग जैसे क्षेत्रों में निवेश करने की संपूर्ण क्षमता है और राज्य का औद्योगिक परिदृश्य पूरी तरह से बदलने की क्षमता रखती है। यह बात उद्योगपति,मध्यप्रदेश एफएमसीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष, भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील जैन 501 ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए कही।

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट
24, 25 फरवरी 2025
भोपाल

राजधानी में आयोजित समिट देश के औद्योगिक भविष्य का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में निर्णायक कदम भी साबित होगा

पीएम और सीएम के नेतृत्व में मप्र देश के सबसे उभरते हुए निवेश केन्द्रों में शामिल हो चुका

सुनील जैन 501 ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से मध्यप्रदेश देश के सबसे उभरते हुए निवेश केन्द्रों में शामिल हो चुका है। उनके नेतृत्व में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में जीसीसी के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। स्थानीय स्तर पर निवेश बढ़ने से युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। इससे पलायन में कमी आई है। वैश्विक कंपनियों की भागीदारी से प्रदेश की तकनीकी दक्षता बढ़ेगी, जिससे स्टार्ट-अप्स और एमएसएमई सेक्टर को भी नया संबल मिलेगा।

ये समिट देश के औद्योगिक भविष्य का प्रमुख केंद्र बनेगा

औद्योगीकरण के साथ शहरी क्षेत्रों का विस्तार हुआ और प्रदेश की जीवन गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। भोपाल में 24-25 फरवरी को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित होने जा रही है। यह आयोजन न केवल प्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं को वैश्विक मंच पर स्थापित करेगा, बल्कि राजधानी में आयोजित समिट देश के औद्योगिक भविष्य का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में निर्णायक कदम भी साबित होगा। भोपाल और जबलपुर जैसे शहर तेजी से आईटी और ईएसडीएम हब के रूप में विकसित हो रहे हैं। निवेशकों के लिए किफायती बिजनेस ऑपरेशन, अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी पार्क, विशेष आर्थिक क्षेत्र और सरल नियामकीय प्रक्रियाएं इस नीति को और अधिक प्रभावी बना रही हैं। *इंपैक्ट फीचर*

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

हरिभूमि सहेली
आज के अंक के साथ

खबर संक्षेप

उप नेता प्रतिपक्ष पर हुए केस पर भड़के जयराम

भोपाल। उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे पर ईओडब्ल्यू ने केस दर्ज किया है। इस पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने नाराजगी व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स लिखा एक आरक्षक जिसकी 100 करोड़ से अधिक संपत्ति मिली, इस प्रकरण में अब तक किसी मंत्री-अफसर पर एफआईआर नहीं हुई।

कोयले की अवैध खदान धंसी, दंपती की मौत

शहडोल। जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र के ग्राम धनगंवा में कोयला खदान धंसक गई। रविवार की शाम ओमकार यादव अपनी पत्नी पार्वती यादव के साथ खदान में कोयला खनन कर रहा था, इस दौरान अचानक खदान धंसक गई। जिसमें दबने से दोनों की दर्दनाक मौत हो गई।

स्कूल मान्यता के लिए घूस लेते दो गिरफ्तार

आलीराजपुर। थांदला में लोकायुक्त पुलिस ने सोमवार को विकास खंड के बीआरसी संजय सिकरवार और कार्यालयीन चपरासी श्यामलाल को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। दोनों स्कूल की वार्षिक मान्यता के लिए 11 हजार की रिश्वत ले रहे थे। लोकायुक्त ने रंगे हाथों दोनों को पकड़ लिया।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य के प्राकृतिक आवास में छोड़े 10 घड़ियाल, बोले

वन्य जीव पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनकर उभर रहा मप्र, 'चंबल' देश की प्राकृतिक धरोहर

चंबल नदी में छोड़े गए घड़ियालों को वर्ष 2022 में अंडों के रूप में संरक्षित किया गया था। समुचित देखभाल और अनुकूल वातावरण में इन अंडों से घड़ियाल के बच्चे निकले। घड़ियाल के अंडों को कृत्रिम तापमान देकर इनके लिंग का निर्धारण किया गया।

घड़ियालों के अलावा चंबल नदी में डॉल्फिन के भी पुनर्वास की है प्रबल संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चंबल अभयारण्य हमारे देश की प्राकृतिक संपदा है। यहां दुर्लभ प्रकार की प्रजातियों का संरक्षण किया जा रहा है। बदलते हुए जलवायु के दुष्परिणामों के कारण इन प्रजातियों को नुकसान पहुंच रहा है।

मप्र हमेशा से जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण प्रजातियों के संवर्धन एवं संरक्षण के लिए तत्पर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुरैना स्थित देवरी घड़ियाल केंद्र से चंबल नदी में 10 घड़ियालों (9 मादा और 1 नर) को उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ने के बाद महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मुरैना पहुंचे थे।

दुनियाभर में करीब 3000 घड़ियाल, इनमें से 85% सिर्फ चंबल नदी में

मप्र के वन सभी वन्य जीवों के संरक्षण के लिए सक्षम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र वन्य जीव पर्यटन का एक वैश्विक केंद्र बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि मुरैना क्षेत्र में पर्यटन को विकसित करने के लिए सरकार संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने भविष्य में माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिजर्व का दर्जा दिलाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि हम मप्र के वनों में सभी प्रकार के वन्य जीवों के संरक्षण के लिए सक्षम हैं और इस दिशा में हमारे प्रयास जारी रहेंगे। इस मौके पर उनके साथ बोट पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, खजुराहो सांसद वीडी शर्मा सहित वन विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

2024 की गणना में चंबल अभयारण्य में कुल 2456 घड़ियाल पाए गए

मुरैना वन विभाग के अनुसार चंबल अभयारण्य में प्रति वर्ष जलीय जीवों का सर्वेक्षण माह फरवरी में किया जाता हैं। वर्ष 2024 की गणना में चंबल अभयारण्य में कुल 2456 घड़ियाल पाए गए थे। घड़ियाल पुनर्वास केंद्र पर 2024 बैच के 70,2023 बैच के 95, 2022 बैच के 85, 2021 बैच के 38 इस तरह कुल 288 घड़ियाल थे। इस वर्ष 108 घड़ियाल चंबल में छोड़ने की अनुमति वन विभाग को प्राप्त हुई है। जिनमें से 13 जनवरी 2025 को 4 नर, 21 मादा कुल 25, 19 जनवरी 2025 को 2 नर, 30 मादा कुल 32, 29 जनवरी 2025 को 10 नर, 11 मादा कुल 21, 6 फरवरी 2025 को 12 नर, 8 मादा कुल 20, इस वर्ष अभी तक 98 घड़ियाल रिलीज किए जा चुके हैं। वन्य जीव पर्यटन के शौकीन पर्यटकों के लिए यहां चंबल बोट सफारी की व्यवस्था की गई है, जो अब काफी प्रसिद्ध हो गई है।

मप्र में वन पर्यटन की अनंत संभावनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मप्र में वन पर्यटन की अनंत संभावनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने कहा कि चंबल क्षेत्र सहित संपूर्ण प्रदेश में वन्य जीव पर्यटन को बढ़ावा मिले, इसके लिए सरकार कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर कार्य कर रही है। चंबल अभयारण्य में सिर्फ घड़ियाल ही नहीं, डॉल्फिन के पुनर्वास की प्रबल संभावना है।

दुनिया में सबसे ज्यादा घड़ियाल चंबल नदी में

भारत ही नहीं पूरे विश्व में सर्वाधिक घड़ियाल चंबल नदी में पाए जाते हैं। दुनियाभर में करीब 3000 घड़ियाल हैं। इनमें से 85 प्रतिशत सिर्फ चंबल नदी में हैं। मप्र में वर्ष-1978 में चंबल नदी के इस प्रक्षेत्र को वन्य-जीव अभयारण्य के रूप में मान्यता दी गई थी। राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य मुरैना में सन 1981 से घड़ियाल ग्रो एण्ड रिलीज प्रोग्राम शुरु किया गया था।

सुबह 5:36 बजे 4 तीव्रता का रहा भूकंप

दिल्ली-एनसीआर से बिहार तक कांपी धरती, एक ही झटके से सहमी दिल्ली

पृथ्वी की सतह से सिर्फ 5 किमी नीचे रहा केंद्र, तेज गड़गड़ाहट की आवाज से दहशत में आए लोग

◆ दिल्ली सरकार अलर्ट मोड पर बांग्लादेश और ओडिशा में भी भूकंप

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में सोमवार की सुबह जोरदार भूकंप आया। भूकंप के झटकों ने लोगों को डरा दिया। गहरी नींद में सोए लोगों ने भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और पूरे एनसीआर में आया यह भूकंप काफी जोरदार था। दिल्ली-एनसीआर के बाद बिहार और ओडिशा में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। दिल्ली-एनसीआर में कई सेकंड तक धरती हिलने लगी। अपार्टमेंट्स तक पत्ते की तरह झुलते नजर आए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि दिल्ली में सोमवार सुबह 5:36 बजे 4 तीव्रता का भूकंप आया।

तेज गड़गड़ाहट की आवाज की ये रही वजह

यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप के दौरान, जमीन कंपन करती है, जिससे छोटी अवधि की भूकंपीय तरंग गति पैदा होती है जो हवा तक पहुंचती है और ये ध्वनि तरंग बन जाती है। ये ध्वनि तरंग वायुमंडल में कंपन पैदा कर सकती हैं। भूकंप का केंद्र जितना उथला या कम गहराई में होगा, उतनी ही ज्यादा ऊर्जा सतह तक पहुंच सकती है। उच्च आवृत्ति वाली भूकंपीय तरंगे जमीन से होकर गुजरती हैं, इसकी वजह से ही भूकंप के दौरान गड़गड़ाहट की आवाज सुनाई देती है। दिल्ली में आए भूकंप का केंद्र जमीन के भीतर महज पांच किलोमीटर अंदर ही था, जिसके कारण लोगों को तेज आवाज सुनाई दी।

पीएम ने की शांति की अपील

दिल्ली एनसीआर में तेज भूकंप के झटकों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से शांत रहने और सुरक्षा सावधानियों का पालन करने की अपील की। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली और आस-पास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। सभी से शांत रहने और सुरक्षा सावधानियों का पालन करने और संभावित झटकों के लिए सतर्क रहने की अपील। अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

महापौर सम्मेलन में मंत्री विजयवर्गीय ने वर्चुअली कहा

जांच कराएंगे तो निगम कठघरे में होंगे आप और कांग्रेस बोली किसने रोका?

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर

इंदौर में ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर्स की मध्यप्रदेश इकाई का सम्मेलन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल से और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय जयपुर से वर्चुअली जुड़े। इस मौके पर मंत्री विजयवर्गीय ने पारदर्शिता के साथ काम करने और आय के साधन बढ़ाने का मशविरा देते हुए कहा कि लीकेज भी खत्म करें। अगर हम जांच करेंगे तो हमारी नगर निगम कठघरे में खड़ी होगी।

जांच सभी की होना चाहिए-बोली कांग्रेस, आप

ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर्स के सम्मेलन में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान के बाद प्रदेश के अन्य शहरों के महापौर ने विरोध दर्ज करवाया। रीवा से कांग्रेस के महापौर अजय मिश्रा ने नाराजगी जाहिर करते हुए मीडिया से चर्चा में बताया कि प्रदेश की सभी नगरीय निकायों की जांच होना चाहिए।

बांकेबिहारी मंदिर में उमड़ी भीड़

भीड़ में दबकर पांच महिला हुई बेहोश, एक का टूटा पैर

एजेंसी ⏭ मथुरा

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में रविवार को श्रद्धालुओं का दबाव बढ़ने से हालात बेकाबू हो गए। भीड़ के बीच दबकर एक महिला श्रद्धालु का पैर फ्रैक्चर हो गया। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं पांच अन्य महिला श्रद्धालुओं की भी हालत बिगड़ गई। मंदिर पर मौजूद चिकित्सकों की टीम ने सभी को उपचार दिया।

मप्र में दो स्थानों पर कुंभ श्रद्धालु हुए हादसे का शिकार

सीधी में 14 फीट नीचे खाई में गिरी बोलेरो चार श्रद्धालुओं की मौके पर मौत, चार गंभीर

करीब तीन घंटे तक मौके पर पड़े-पड़े तड़पते रहे घायल श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीधी

जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में प्रयागराज महाकुंभ में जा रहे चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि, चार श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा रविवार देर रात करीब दो बजे जिले के मूड़ा पहाड़ क्षेत्र में हुआ। जानकारी के अनुसार, सिंगरौली जिले के जयंत से प्रयागराज जा रहे श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो जिले के मूड़ा पहाड़ में अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई।

प्रयागराज से लौट रही ट्रेनी डॉक्टर की मौत, 4 गंभीर

छतरपुर। यहां सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में ट्रेनी डॉक्टर की मौत हो गई, जबकि उनके परिवार के चार अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के सागर-कानपुर-महोबा रोड पर महतो पेट्रोल पंप के पास हुआ। प्रयागराज से लौट रही कार के ड्राइवर को नींद की झपकी आने के कारण गाड़ी सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई।

भाजपा ने की पित्रोदा के बयान की निंदा

पित्रोदा ने कहा भारत का दृष्टिकोण चीन से टकरावपूर्ण कांग्रेस ने किया किनारा, कहा-यह पार्टी के विचार नहीं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अक्सर विवादों में रहने वाले भारतीय ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा एक बार फिर से विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि चीन से खतरे को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है और भारत का दृष्टिकोण हमेशा टकरावपूर्ण रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि देशों को एक-दूसरे से सहयोग करना चाहिए, न कि टकराव। हमें इस मानसिकता को बदलने की जरूरत है और यह मानना

बंद करना होगा कि चीन पहले दिन से ही दुश्मन है। वहीं भाजपा के हमले के बाद कांग्रेस पार्टी ने खुद को सैम पित्रोदा के बयान अलग कर लिया है। इस मामले में कांग्रेस नेता और महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि, सैम पित्रोदा का बयान पार्टी के विचार नहीं हैं।

भारत की संप्रभुता और कूटनीति के खिलाफ

सैम पित्रोदा के इस बयान को लेकर भाजपा ने आपत्ति जताई है। भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सैम पित्रोदा की बात भारत की संप्रभुता और कूटनीति के खिलाफ है। कांग्रेस के चीन के साथ हुए करार का इजहार हो गया है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सैम पित्रोदा ने कांग्रेस पार्टी के चीन के साथ समझौते की खुलकर पोल खोल दी है। गंभीर बात ये है कि सैम पित्रोदा ने जिस तरह की बात कही है, वो भारत की अस्मिता, कूटनीति और संप्रभुता पर बहुत गहरा आघात है।

सालाना आय के मामले में राम मंदिर ने स्वर्ण मंदिर, वैष्णो देवी और श्री साई मंदिर को पीछे छोड़ा

राम मंदिर में रोजाना चार लाख श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं

700 करोड़ हुई राम मंदिर की सालाना आय एक महीने में 15 करोड़ रुपए का आया चंदा

◆ मंदिर ट्रस्ट कार्यालय के अनुसार ट्रस्ट के 10 दान काउंटर पर रोजाना 10 लाख रुपए से ज्यादा दान चढ़ रहा है

अयोध्या। रामनगरी पर्यटक और श्रद्धालु के लिए देश में पहले पसंद बन रही है। रोज नए-नए कीर्तिमान बना रही है। राम मंदिर की सालाना आय के मामले में देश का तीसरा सबसे बड़ा मंदिर बन चुका है। रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब तक अयोध्या में 13 करोड़ से अधिक श्रद्धालु व पर्यटक पहुंच चुके हैं। मंदिर की सालाना आय 700 करोड़ से ज्यादा पहुंच चुकी है। सालाना आय के मामले में राम मंदिर ने स्वर्ण मंदिर, वैष्णो देवी और श्री साई मंदिर को पीछे छोड़ दिया है। यह आंकड़े जनवरी 2024 से जनवरी 2025 के बीच है। रामनगरी में आ रही श्रद्धालुओं की भीड़ से दान के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। महाकुंभ में डुबकी लगाने के बाद लाखों श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। राम मंदिर में रोजाना चार लाख श्रद्धालु दर्शन पूजन कर रहे हैं। ये सिलसिला मकर संक्रांति से ही चल रहा है। मंदिर ट्रस्ट कार्यालय के अनुसार ट्रस्ट के 10 दान काउंटर पर रोजाना 10 लाख रुपए रुपए से ज्यादा दान चढ़ रहा है।

एक महीने में आया 15 करोड़ दान

एक अनुमान के मुताबिक महाकुंभ में एक माह में लगभग 15 करोड़ से ज्यादा धन जमा हुआ है। इसमें रामलाल के सामने रखे 6 दानपात्र में दी गयी धनराशि भी शामिल है। महाकुंभ के पलट प्रवाह के दौरान लोगों की भारी भीड़ अयोध्या, काशी और मथुरा जैसे तीर्थ स्थलों पर पहुंच रही है और दिल खोलकर भगवान पर चढ़ावा चढ़ा रही है। अयोध्या में भक्तों की संख्या में भी बहुत ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई है। राम मंदिर ट्रस्ट ने भक्तों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए हुए हैं।

प्रमुख मंदिरों की सालाना आय

- तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर आंध्र प्रदेश 1500 से लेकर 1650 करोड़
- पदनाभस्वामी स्वामी मंदिर केरल 750 से 800 करोड़
- स्वर्ण मंदिर 650 करोड़
- वैष्णो देवी मंदिर जम्मू एंड कश्मीर 600 करोड़
- शिरडी साईं मंदिर महाराष्ट्र 500 करोड़
- जगन्नाथ मंदिर पुरी उड़ीसा 400 करोड़
- अक्षरधाम मंदिर नई दिल्ली 200 से 250 करोड़
- सोमनाथ मंदिर गुजरात 150 से 200 करोड़

भूमि संसाधन विभाग
Department of Land Resources
Ministry of Rural Development
Government of India
सत्यमेव जयते

मध्यप्रदेश शासन

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

नक्शा
NAtional geospatial Knowledge-based land Survey of urban HAbitations
शहरी भूमि की सही पहचान

सिटी सर्वे प्रोग्राम का राष्ट्रीय शुभारंभ

विशेषताएं

- डिजिटल भूमि रिकॉर्ड
- हवाई सर्वेक्षण और नई तकनीक
- वेब जीआईएस प्लेटफॉर्म
- भू-स्थानिक डेटा
- ट्रांसपेरेंट सिस्टम

लाभ

- मालिकाना हक की स्पष्टता
- शहरी विकास में तेजी
- क्रेडिट और लोन की आसानी
- संपत्ति कर वसूली में सुधार
- आपदा प्रबंधन में सहायक

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

मुख्य अतिथि
शिवराज सिंह चौहान
केन्द्रीय मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण
तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय

विशिष्ट अतिथि
डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी
केन्द्रीय राज्य मंत्री, ग्रामीण विकास तथा संचार मंत्रालय

18 फरवरी, 2025 | पूर्वाह्न - 11:00 बजे | रायसेन, मध्यप्रदेश

D-111/84/24

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने किया स्नान, अब तक 54.04 करोड़ लोग संगम में लगा चुके डुबकी, संगम स्टेशन 26 फरवरी तक बंद, वाहनों की एंट्री पर फिर से रोक, पास रद्द

एजेंसी ▶▶ महाकुंभनगर (प्रयागराज)

महाकुंभ का सोमवार को 36वां दिन था। संगम में सुबह से जबरदस्त भीड़ रही। शाम 4 बजे तक 1.08 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया। 13 जनवरी से अब तक 54.04 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। प्रयागराज के सभी 7 एंट्री पॉइंट जाम हो गए हैं। भीड़ के चलते दारागंज स्थित संगम स्टेशन को 26 फरवरी तक बंद कर दिया गया है। महाकुंभ में तैनात अफसरों की ड्यूटी 27 फरवरी तक बढ़ा दी गई है। मेला क्षेत्र में वाहनों की एंट्री फिर से रोक दी गई है। सभी तरह के पास रद्द कर दिए हैं।

प्रयागराज से गुजरने वाली 19 ट्रेनों का रूट बदला गया है। सोमवार को बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन भी संगम से 10-12 किमी पहले बनाई गई पार्किंग में रोके गए। यहां से शटल बस की व्यवस्था की गई है। पार्किंग और स्टेशन से करीब 10 से 15 किमी की दूरी लोगों का पैदल तय करनी पड़ रही है। वीवीआईपी पास भी रद्द कर दिए गए हैं। जगह-जगह इसी तरह वॉच टावर बनाए गए हैं। जिससे पुलिस भीड़ संभाल रही। काशी तमिल संगमम में काशी आए तमिलनाडु के मेहमान सोमवार को महाकुंभ पहुंचे। सभी ने एक साथ संगम में स्नान किया। तमिल संगमम में आए युवाओं के पहले दल का मेला और जिला प्रशासन ने स्वागत किया। सेक्टर-22 स्थित टेंट सिटी में उनका स्वागत हुआ। प्रतिनिधि संगम में स्नान करने के बाद अयोध्या के लिए रवाना हो गए। महाकुंभ में देश-विदेश से आए लोग संगम स्नान के बाद लौट रहे हैं। गंगा पंडाल में 8 घंटे में करीब 10 हजार लोगों ने हैंड प्रिंटिंग का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। प्रयागराज में लगातार भीड़ और जाम की समस्या को देखते हुए जिलाधिकारी के 12वीं तक के स्कूलों में छुट्टी बढ़ाकर 20 फरवरी तक कर दी है। इस दौरान ऑनलाइन कक्षाएं चलेंगी।

- संगम से 10-12 किमी पहले रोके गए वाहन
- शटल बस व्यवस्था से संगम तक पहुंचे श्रद्धालु
- 12वीं तक के स्कूल अब 20 फरवरी तक बंद
- अफसरों की ड्यूटी 27 फरवरी तक बढ़ी

सोमवार को बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन भी संगम से 10-12 किमी पहले बनाई गई पार्किंग में रोके गए। यहां से शटल बस की व्यवस्था की गई है। पार्किंग और स्टेशन से करीब 10 से 15 किमी की दूरी लोगों का पैदल तय करनी पड़ रही है। वीवीआईपी पास भी रद्द कर दिए गए हैं। जगह-जगह इसी तरह वॉच टावर बनाए गए हैं, जिससे पुलिस भीड़ संभाल रही

महाकुंभ में 36वें दिन भी जबरदस्त भीड़

हिंदू समिति की प्रदर्शनी युवाओं को पसंद आई

हिंदू धर्म पर हो रहे विविध आघात, हिंदू राष्ट्र की संकल्पना, धर्मशिक्षा और हिंदू राष्ट्र स्थापना के लिए हिंदू जनजागृति समिति द्वारा प्रारंभ किए गए कार्य के विषय में महाकुंभ पर्व में समिति की ग्रंथ और फ्लेक्स फलक प्रदर्शनी युवाओं को काफी प्रभावित किया। कुंभ क्षेत्र के सेक्टर 6 में कैलासपुरी-भारद्वाज मार्ग चौराहे पर स्थित इस प्रदर्शनी का अब तक हजारों युवाओं ने दौरा कर हिंदू जनजागृति समिति के कार्य को समझा। इनमें से कई युवाओं ने समिति के धर्मकार्य में सक्रिय भाग लेने की इच्छा भी प्रकट की। युवाओं ने अपने मोबाइल फोन में फ्लेक्स फलकों की तस्वीरें खींचीं।

आध्यात्मिक विवि की प्रदर्शनी को सराहा

महर्षि आध्यात्मिक विश्वविद्यालय द्वारा कुंभ क्षेत्र के सेक्टर 7 में लगाई गई प्रदर्शनी को 10,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने देख चुके हैं। साधु-संतों के साथ-साथ चिकित्सा, शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन आदि क्षेत्रों में कार्यरत उच्च पदस्थ विशिष्ट व्यक्तियों ने महर्षि आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के कार्य की सराहना की।

सेक्टर-8 में फिर लगी आग, कोई जनहानि नहीं

प्रयागराज महाकुंभ मेला परिसर में सोमवार दोपहर एक बार फिर आग लग गई है। सेक्टर-8 में लगी आग पर दमकल कर्मियों ने काबू पा लिया है। श्री कपि मानस मंडल और उपभोक्ता संरक्षण समिति के शिविर में आग लगी थी। दोनों शिविर में दो-दो तंबू जले हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रशांत सिंह राणा ने कहा- लगभग 3 बजे हमें टेंट में आग लगने की सूचना मिली। जिसके तुरंत बाद हमारी गाड़ियां यहां पहुंची और हमने आग पर काबू पा लिया है। खाली टेंट था, कोई जनहानि नहीं हुई है। आगे की जांच चल रही है।

श्रद्धालु बेहोश हुआ तो डीआईजी ने मदद की

महाकुंभ में एक श्रद्धालु अचानक से बेहोश होकर गिर गया। उधर से डीआईजी अजय पाल शर्मा पुलिस टीम के साथ निकल रहे थे, उन्होंने तुरंत टीम को रोककर पीड़ित व्यक्ति की मदद करने के लिए कहा। उसके बाद सभी ने पीड़ित श्रद्धालु के हाथ पैर मलने शुरू किया। फिर उसे होश आया और हॉस्पिटल ले जाया गया।

नई दिल्ली हादसे से लिया सबक

अब सभी स्पेशल ट्रेन प्लेटफॉर्म 16 से चलेंगी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात को मची भगदड़ के बाद रेलवे ने अहम फैसला लिया है। रेलवे प्रयागराज महाकुंभ के लिए दिल्ली से जाने वाली सभी स्पेशल ट्रेनों को नई दिल्ली के स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 16 से चलाने का फैसला लिया है। यात्रियों को प्लेटफॉर्म नंबर 16 पर आने जाने के लिए स्टेशन के अजमेरी गेट साइड का उपयोग करने की सलाह दी गई है। वहीं, नियमित ट्रेनें पहले की तरह सभी प्लेटफॉर्म से चलाई जाएंगी। सोमवार को पांच ट्रेनें प्रयाग के लिए चलाई गईं।

26 तक प्लेटफॉर्म टिकट बिक्री बंद

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पर प्लेटफॉर्म टिकटों की काउंटर से बिक्री बंद कर दी गई है। रेलवे स्टेशन प्रशासन ने बताया कि अगले एक सप्ताह के लिए शाम 4 बजे से रात 11 बजे तक प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री नहीं की जाएगी। यह कदम स्टेशन पर बढ़ती भीड़ के मद्देनजर लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, 26 फरवरी तक प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर रोक रहेगी।

अर्धसैनिक बलों की आठ कंपनियां तैनात

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की सुरक्षा में अर्धसैनिक बलों की आठ कंपनियां तैनात की गई हैं। इसके अलावा, मेट्रो पुलिस की 80 जवानों की कंपनी, तीन इंस्पेक्टर और एक एसीपी मेट्रो भी तैनात किए गए हैं। रेलवे पुलिस और जीआरपी के अलग-अलग जवानों को भी सुरक्षा के लिए तैनात किया गया है। जिनके पास बुकिंग टिकट होगा वही सिर्फ स्टेशन पर प्रवेश कर पाएंगे।

खबर संक्षेप

रैना की अपील खारिज आज थाने आना ही होगा

मुंबई। महाराष्ट्र साइबर सेल ने यूट्यूबर समय रैना की एक अपील को खारिज कर दिया है। रैना ने पुलिस से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बयान दर्ज कराने की अनुमति मांगी थी, लेकिन इंडियाज गॉट लेटेंट विवाद में उनकी इस अपील को मंजूरी नहीं मिली है। रैना को 18 को थाने आकर बयान दर्ज कराने होंगे।

बोर्ड पेपर लीक की खबरें अफवाहः सीबीएसई

नई दिल्ली। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के सोशल मीडिया पर पेपर लीक की अफवाहों को बेबुनियाद कहा है। बोर्ड की ओर से ऐसी किसी भी घटना से इंकार कर दिया गया है। कहा पेपर लीक जैसी कोई घटना नहीं हुई है। अफवाहें फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पानी की लाइन में लीकेज, 50 घर डूबे

जयपुर। राजस्थान के जैसलमेर जिले के रामदेवरा में दोपहर पोकरण-फलसूंड-सिवाना पेयजल परियोजना की 60 इंच की लाइन फट जाने से निचले इलाकों के कुछ घरों में पानी भर गया। जैसलमेर के अधीक्षण अभियंता राजेश अग्रवाल ने बताया कि इंदिरागांधी नहर परियोजना से नाचना की ओर से चार शहर में लीकेज आ गई।

संत सेवालाल का जीवन गरीबों को समर्पितःपीएम

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने पूज्य संत सेवालाल महाराज की जयंती पर नमन करते हुए एक्स पर लिखा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन गरीबों और वंचितों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। पूरी क्षमता के साथ उन्होंने निरंतर सामाजिक अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी। सेवा में समर्पित समाज के निर्माण के लिए सदैव मार्गदर्शन देते रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में पूजा स्थल कानून से जुड़ी 7 याचिकाओं पर सुनवाई टली

सीजेआई बोले- अभी दो जज मौजूद यह मामला किसी और दिन देखेंगे

ओवैसी ने याचिका में 1991 के प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट लागू करने की मांग की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सीजेआई ने पूजा स्थल कानून पर दाखिल इंटरवेंशन एप्लिकेशंस पर कहा कि आज हम ऐसी कोई याचिका नहीं स्वीकार करेंगे। इनकी भी एक सीमा होती है। सुप्रीम कोर्ट को एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की याचिका पर भी सुनवाई करनी थी। उनकी याचिका को पहले से पेंडिंग 6 याचिकाओं के साथ जोड़ा गया है

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूजा स्थल कानून से जुड़ी 7 याचिकाओं पर सुनवाई टाल दी। दरअसल इस केस की सुनवाई 2 जजों की बेंच में होनी थी। सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा कि आज सिर्फ 2 जजों की बेंच बैठी है।

यह मामला किसी और दिन देखेंगे। सीजेआई ने इस मामले पर दाखिल इंटरवेंशन एप्लिकेशंस पर कहा कि आज हम ऐसी कोई याचिका नहीं स्वीकार करेंगे। इनकी भी एक सीमा होती है। सुप्रीम कोर्ट को एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की याचिका पर भी सुनवाई करनी थी। उनकी याचिका को पहले से पेंडिंग 6 याचिकाओं के साथ जोड़ा गया है। ओवैसी ने याचिका में 1991 के प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट (पूजा स्थल कानून) को लागू करने की मांग है। कानून के मुताबिक, 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता।

आखिरी बार 12 दिसंबर 2024 को हुई थी सुनवाई

प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट (विशेष प्रावधानों) 1991 की 6 धाराओं की वैधता पर दाखिल याचिकाओं पर चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने आखिरी बार 12 दिसंबर 2024 को सुनवाई की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हम इस कानून के दायरे, उसकी शक्तियों और ढांचे को जांच रहे हैं। ऐसे में यही उचित होगा कि बाकी सभी अदालतें अपने हाथ रोक लें। सीजेआई ने कहा था कि हमारे सामने दो मामले हैं, मथुरा की शाही ईदगाह और वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद। तभी अदालत को बताया गया कि देश में ऐसे 18 से ज्यादा मामले लंबित हैं। इनमें से 10 मस्जिदों से जुड़े हैं। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से याचिकाओं पर 4 हफ्ते में अपना पक्ष रखने को कहा। सीजेआई ने कहा- जब तक केंद्र जवाब नहीं दाखिल करता है हम सुनवाई नहीं कर सकते।

जनहित याचिका स्वीकार की

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। घटना को लेकर कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। जनहित याचिका पेशे से वकील विशाल तिवारी ने दाखिल की है। मांग की गई है कि कोर्ट केंद्र और दिल्ली सरकार मिलकर इस मामले की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाएं। जो भीड़ नियंत्रण और भगदड़ रोकने के लिए गाइडलाइन तैयार करे।

उस अफसर को पेश करो, जिसने हमारा आदेश नहीं माना

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस उज्जल भुयान की पीठ में छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के एक मामले की सुनवाई हो रही थी, जिसमें अदालत ने पिछली सुनवाई यानी 2 जनवरी को याचिकाकर्ता को गिरफ्तारी से छूट दी थी लेकिन कोर्ट के आदेश को दरकिनार कर एसडीओ ने यूएपीए लगाकर आरोपी को हिरासत में ले लिया था। सुप्रीम कोर्ट इस बात पर भड़क गया और उस अधिकारी को पेश करने का आदेश दिया है, जिसने यूएपीए लगाया था। दरअसल, याचिकाकर्ता मनीष राठौर पर भारतीय दंड संहिता की धारा 506 (बी) के तहत आरोप दर्ज किए गए थे, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को गिरफ्तारी से छूट दी थी लेकिन जिला प्रशासन ने उस पर गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ लगाया जाने वाला एक्ट (यूएपीए) लगाकर उसे गिरफ्तार कर लिया था। मनीष राठौर बनाम छत्तीसगढ़ राज्य के मामले में सोमवार को याचिकाकर्ता की तरफ से पेश वकील ने अदालत से गुहार लगाई कि उसके मुवक्किल को न सिर्फ गिरफ्तार किया गया बल्कि पूरे शहर में घुमाया भी गया। वकील ने कहा कि उसके पास इस घटना की तस्वीरें भी हैं। इस पर जस्टिस ओका राज्य सरकार पर भड़क गए। उन्होंने कहा, यह मामला तो आईपीसी की धारा 506 से जुड़ा है तो फिर एक अफसर ने इसमें यूएपीए कैसे लगा दिया?

गांधी के ग्राम स्वराज के विचार को खत्म करें

कोच्चि। केरल हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस मुहम्मद मुस्ताक ने सोमवार को कहा कि आज शासन में चुनौतियां ज्यादा हैं, इसलिए महात्मा गांधी द्वारा दिए गए विचार और परिकल्पित ग्राम स्वराज या पंचायती राज व्यवस्था के विचार को अब खत्म कर देना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने शासन और सत्ता के विभिन्न स्वरूपों का केंद्रीकरण करने का सुझाव दिया है। जस्टिस मुहम्मद मुस्ताक ने यह सुझाव खुली अदालत में दिया और कहा कि यह उनके निजी विचार हैं।

गोगोई की पत्नी का पाक कनेक्शन

अली तौकीर के खिलाफ असम में एफआईआर दर्ज

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम पुलिस ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई कनेक्शन विवाद मामले में पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। अली पाकिस्तान के योजना आयोग के स्थायी सलाहकार हैं। असम कैबिनेट ने 16 फरवरी को डीजीपी को पाकिस्तानी अली तौकीर शेख पर एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था। उन पर अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट (यूएपीए) के तहत भारत के आंतरिक मामलों और संसदीय मामलों पर भी कथित टिप्पणी का आरोप है। हालांकि, असम कैबिनेट ने कांग्रेस सांसद और उनकी ब्रिटिश पत्नी के खिलाफ केस दर्ज नहीं करने का फैसला किया था। सरमा ने 13 फरवरी को गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने के आरोप लगाए थे।

सांसद बोले- जांच के लिए तैयार

पाकिस्तानी अली तौकीर पर एफआईआर होने के बाद लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गोगोई ने कहा कि असम सरकार उनकी पत्नी के कथित आईएसआई संबंधों के मुद्दे पर कोई भी जांच कर सकती है। वे और उनकी पार्टी सभी जांच के लिए तैयार हैं। गोगोई ने कहा कि उन्होंने भाजपा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए कांग्रेस नेताओं के साथ चर्चा की है और जल्द ही कानूनी सहायता लेंगे। इससे पहले उन्होंने आरोपों को फर्जी बताया था। उन्होंने कहा था कि मेरी पत्नी पर आईएसआई एजेंट होने का आरोप है, तो मुझे रॉ एजेंट भी कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है इसलिए ऐसे निराधार आरोप लगा रही है।

सीएम आवास में आने-जाने की आजादी

अली तौकीर शेख ने पाकिस्तान सरकार द्वारा गठित समितियों में कई पदों पर काम किया है। शेख, एलिजाबेथ गोगोई के संपर्क में था, जो एक ब्रिटिश नागरिक और असम के सांसद गौरव गोगोई की पत्नी हैं। अली शेख गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ गोगोई का बॉस रह चुका है। जब एलिजाबेथ की शादी असम के तत्कालीन सीएम तरुण गोगोई के बेटे गौरव गोगोई से होने वाली थी, तो शेख को सीएम आवास में आने-जाने की पूरी आजादी थी। कहीं पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने उस समय मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएम) में घुसपैठ करने की कोशिश तो नहीं की थी, जब गौरव गोगोई के पिता दिवंगत तरुण गोगोई राज्य के सीएम थे।

रामलीला मैदान में समारोह की तैयारी जारी

20 फरवरी को लेंगे शपथ 1.5 लाख लोग होंगे शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के नए सीएम का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में होगा। शपथ ग्रहण समारोह के लिए तैयारियां की जा रही हैं। 19 फरवरी को विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें विधायक दल का नेता चुना जाएगा। इसके बाद भाजपा सरकार बनाने का दावा पेश करेगी। 20 फरवरी को शाम 4.30 बजे दिल्ली के नए सीएम का शपथ ग्रहण समारोह रामलीला मैदान में होगा। समारोह को लेकर रामलीला मैदान में तैयारी की जा रही है। टेंट लगाए जा रहे हैं।

30 हजार कुर्सियां लगेंगी

शपथ ग्रहण समारोह के लिए कुल तीन मंच बनाए जाएंगे, जिसमें एक मंच 40 गुणा 24 और दो मंच 34 गुणा 40 के होंगे। मंच पर करीब 150 कुर्सियां लगाई जाएंगी। वहीं, आम लोगों के बैठने के लिए 30 हजार कुर्सियां लगाई जाने की संभावना है। 1.5 लाख लोगों के आने की व्यवस्था का इंतजाम किया गया है। पूर्व महापौर जयप्रकाश तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे।

'परीक्षा पे चर्चा' में मैरी कॉम, सुहास और अवनि ने दिए टिप्स

कामयाबी का कोई शॉर्टकट नहीं, फेल्योर सफलता का बड़ा हिस्सा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

'परीक्षा पे चर्चा' के 8वें संस्करण में मैरी कॉम, सुहास यतिराज और अवनि लेखरा जैसी दिग्गज खेल हस्तियों ने छात्रों के साथ संवाद किया और उनसे अहम टिप्स भी साझा किए। परीक्षा में छात्रों की बेस्ट परफॉरमेंस को समर्पित इस मंच की शुरुआत देश के पीएम नरेंद्र मोदी ने की है। तीनों ने बच्चों को टिप्स दिए कि कामयाबी का कोई शॉर्टकट नहीं होता। फेल्योर सफलता का सबसे बड़ा हिस्सा है। आपके विचार आपकी किस्मत बनाते हैं। खुश रहें, पर संतुष्ट कभी न हों। किसी भी चुनौती से लड़ने के लिए खुद से लड़ना सीखें। अच्छी चीजें आसानी से नहीं मिलतीं। उसके लिए मेहनत करें। सोना बहुत जरूरी है क्योंकि मानसिक रूप से फिट रहेंगे, तभी शारीरिक रूप से फिट होंगे।

कोई अच्छी चीज आसानी से नहीं मिलती, मेहनत करें

दूसरों से खुद की तुलना किए बिना अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान दें

डर छोड़ देंगे तो अपना बेस्ट देंगे

आईएएस अधिकारी और पैरा शटलर सुहास यतिराज ने कहा कि आपका दिमाग आपका सबसे बड़ा दोस्त और सबसे बड़ा दुश्मन दोनों हो सकता है। जब आप कोई भी परीक्षा देने जाते हैं तो नर्वस होते ही हैं। पैरालंपिक खेलों में पदक जीतकर देश का नाम रोशन करने वाले सुहास ने बताया कि जब आप डर छोड़ देंगे तो अपना बेस्ट देंगे।

विफलता के बिना सफलता नहीं मिलती

टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक खेलों में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल हासिल करके इतिहास रचने वाली युवा पैरा शूटर युवा अवनि लेखरा ने कहा कि विफलता से न घबराएं। विफलता के बिना सफलता नहीं मिलती है। साथ ही दूसरों से खुद की तुलना किए बिना अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर फोकस करें।

दोगुनी-तिगुनी मेहनत करनी होगी

कई बार विश्व चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम करने वाली ओलंपिक में बॉक्सिंग में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज मैरी कॉम ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करना आसान नहीं है। इसके लिए शॉर्टकट नहीं है। आपको दोगुनी-तिगुनी मेहनत करनी होगी। शुरुआती दौर में मैंने बहुत चुनौतियों का सामना किया। बॉक्सिंग को महिलाओं का खेल नहीं माना जाता था। मैं खुद को साबित करने के अलावा देश की हर महिला के लिए भी इसे करना चाहती थी। इसके बाद मैंने चैंपियन तक का सफर तय किया। ये सब आप भी कर सकते हैं।

हरिभूमि
जबलपुर, मंगलवार
18 फरवरी 2025

सहेली

अपने आपको अंडर-एस्टिमेट करना या कहें कमतर आंकने का मतलब है, आपमें सेल्फ-एस्टीम की कमी है। इसका असर आपकी पर्सनल लाइफ में आपके रिश्तों पर, प्रोफेशनल लाइफ में आपकी प्रोग्रेस पर और मेंटल हेल्थ पर भी पड़ता है। मेंटल हेल्थ बिगड़ने से तो जीवन में दूसरी बहुत-सी रुकावटें, समस्याएं जन्म लेती हैं। आप कैसे पहचानें कि लो सेल्फ एस्टीम की शिकार हैं, इससे कैसे जल्द से जल्द उबर कर आप अपना स्वस्थ, सफल और सुखी जीवन जिएं। आपके लिए बहुत ही जरूरी सलाह।

कहीं आप सेल्फ-एस्टीम की कमी के शिकार तो नहीं

कवर स्टोरी
ललिता गोयल

क्या आप खुद को नापसंद करती हैं, दूसरों से कम समझती हैं, हमेशा किसी न किसी बात के लिए खुद को कोसती रहती हैं, अपने आप पर विश्वास नहीं करतीं, खुलकर अपनी तारीफ स्वीकार नहीं कर पातीं, हर गलत बात के लिए अपने आपको दोषी ठहराती हैं, आपको कोई भी काम ठीक से न कर पाने की चिंता सताती रहती है? अगर ऐसा है तो ये बातें यह दर्शाती हैं कि आप खुद को कम समझती हैं, आपमें सेल्फ-एस्टीम यानी आत्म-सम्मान की कमी है।

क्या है सेल्फ-एस्टीम

सेल्फ-एस्टीम या आत्म-सम्मान ऐसी भावना है, जो किसी भी व्यक्ति को उसकी अहमियत का अहसास कराती है। जब हम खुद को समझते हैं, अपनी खूबियों को पहचानते हैं, तब हम खुद को वैल्यू देते हैं। खुद को समझकर और वैल्यू देकर जीवन की चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर पाते हैं। एक कामयाब इंसान बनते हैं।

जीवन में सेल्फ-एस्टीम का होता है बहुत महत्व

किसी भी व्यक्ति में सेल्फ-एस्टीम का होना या न होना, उसकी मेंटल हेल्थ, रिलेशनशिप और प्रोफेशनल ग्रोथ पर गहरा असर डालता है। जिन लोगों में लो सेल्फ-एस्टीम होता है, वे अपनी असफलताओं पर अधिक ध्यान देते हैं और अपनी सफलताओं को नजर-अंदाज करते हैं। इससे उनमें डिप्रेशन और एंग्जाइटी की प्रॉब्लम हो सकती है। सेल्फ-एस्टीम मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाती है। तनाव दूर करती है। जिन लोगों में सेल्फ-एस्टीम होता है, वे किसी से बात करने और उनकी मदद लेने में सहज होते हैं। लो सेल्फ-एस्टीम होने पर वे समाज से कट सकते हैं, जबकि बेहतर सेल्फ-एस्टीम की वजह से वे खुलकर अपनी बात कहते हुए मजबूत रिश्ते बना सकते हैं।

लो सेल्फ-एस्टीम के नुकसान

सेल्फ-एस्टीम की कमी होने के कारण व्यक्ति अपने किसी भी काम को लेकर कॉन्फिडेंट नहीं होता है। उसके लिए अपनी जिंदगी के बड़े फैसले लेने में मुश्किलें आती हैं। ऐसे लोग खुद को किसी लायक नहीं मानते, इसी कारण अपनी स्किल्स पर भी काम नहीं कर पाते हैं। कई बार तो कुछ लोगों को यह पता ही नहीं चल पाता कि उनमें सेल्फ-एस्टीम की कमी हो रही है।

सेल्फ-एस्टीम की कमी के लक्षण

सेल्फ-एस्टीम के लाभ और लो सेल्फ-एस्टीम के नुकसान को जानने के बाद यह जानना भी जरूरी है कि सेल्फ-एस्टीम की कमी होने पर कौन-कौन से लक्षण दिखाई देते हैं।

खुद को लेकर नेगेटिव रहना: जिन लोगों में सेल्फ-एस्टीम की कमी होती है, ऐसे लोग ज्यादातर

खुद को लेकर नेगेटिव ही रहते हैं। ऐसे लोग खुद को हमेशा किसी न किसी चीज के लिए कोसते रहते हैं। इन्हें हमेशा लग रहा होता है कि इनकी लाइफ में कुछ भी बेहतर नहीं होता है। ऐसे व्यक्ति अपनी जिंदगी को ज्यादा मुश्किल बना लेते हैं, अपना कॉन्फिडेंस खोने लगते हैं।

कॉन्फिडेंस की कमी होना: सेल्फ-एस्टीम की कमी के कारण लोग अपना आत्म-सम्मान खोने लगते हैं। उनके लिए अपने जीवन के छोटे-बड़े फैसले कर पाना काफी मुश्किल होता है। ऐसे व्यक्ति दूसरों पर निर्भर रहने लगते हैं और कोई भी काम खुद

करने की कोशिश नहीं करते हैं।

तारीफ स्वीकार न कर पाना: सेल्फ-एस्टीम की कमी वाले लोग हमेशा खुद को दूसरों से कम ही समझते हैं। ऐसे में अगर कोई उनकी तारीफ भी करता है, तो उन्हें लगता है कि तारीफ करने वाला उनकी चापलूसी कर रहा है, वे उस तरह के लायक नहीं है और उनके लिए अपनी तारीफ स्वीकार कर पाना काफी मुश्किल हो जाता है।

दूसरों को इंप्रेस करते रहना: दूसरों की किसी क्वालिटी या काम की तारीफ करना अच्छी बात है। लेकिन दूसरों को इंप्रेस करने की कोशिश में सामने वाले की हर बात की तारीफ करना भी सेल्फ-एस्टीम की कमी की ओर इशारा करता है। ऐसे में व्यक्ति दूसरों को खुद से बेहतर दिखा रहा होता है और न चाहते हुए भी खुद को दूसरों से कम मानने लगता है। ऐसे में व्यक्ति अपनी तुलना हमेशा दूसरों से करता रहता है, जो उसका कॉन्फिडेंस कम होने का कारण भी बन सकता है। सेल्फ-एस्टीम की कमी होने से मानसिक स्वास्थ्य और आपसी रिश्तों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। धीरे-धीरे आप अपने सेल्फ-एस्टीम को बढ़ा सकती हैं। छोटे-छोटे बदलाव और कुछ आसान कदमों से आप फिर से सेल्फ-एस्टीम की भावना महसूस कर सकती हैं।

सेल्फ-एस्टीम बढ़ाने के उपाय

लंबे समय तक लो सेल्फ-एस्टीम का शिकार होना मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है, इससे जल्द से जल्द उबरना चाहिए। अपना सेल्फ-एस्टीम बढ़ाने के लिए क्या उपाय अपनाएं, जानें-

खुद को दें शाबाशी: अपनी हर छोटी और बड़ी कामयाबी के लिए खुद को शाबाशी दें, क्योंकि जब तक आप अपनी वैल्यू नहीं करेंगी तब तक दूसरे भी आपको वैल्यू नहीं कर पाएंगे।

निर्धारित करें अपनी सीमाएं: अपनी सीमाएं जरूर निर्धारित करके रखें क्योंकि अगर आपकी अपनी कोई सीमा नहीं होगी, तो लोग आपका फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

खुद को बेहतर बनाएं: अपनी स्किल्स पर काम करना शुरू करें और खुद को बेहतर बनाएं। इससे आपमें कॉन्फिडेंस और आत्म-सम्मान की भावना बढ़ेगी। हर रोज थोड़ा-थोड़ा खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करें, यह चीज आपको आत्म-सम्मान बढ़ाने में मदद कर सकती है। इसलिए खुद पर काम करना शुरू करें।

खुद को कभी कमतर न आंकें: खुद से यह कभी न कहें कि मैं कुछ नहीं कर सकती हूं। ऐसा करके आप अपने रास्ते में खुद ही रुकावट डालेंगी। आप खुद को जितना कमतर समझेंगी, आगे बढ़ने में आपको उतनी ही मुश्किल होगी।

स्वास्थ्य का रखें ध्यान: अगर आप खुद को महत्वपूर्ण समझती हैं, तो अपने स्वास्थ्य का भी ख्याल रखें। हेल्दी डाइट लें, सही नींद और मानसिक शांति आपके आत्म- सम्मान को बढ़ाती है। इसके लिए रेग्युलर मेडिटेशन और एक्सरसाइज करें।

अपनी छोटी-छोटी सफलताओं को दें महत्व: अपनी छोटी-छोटी सफलताओं पर ध्यान दें, जैसे, अपने जिम रूटीन को पूरा करना या किसी मुश्किल प्रोजेक्ट को समय पर खत्म करना।

निरंतर सीखते रहें: यह जरूरी नहीं कि आपको सब कुछ परफेक्ट या सही तरीके से करना आता हो। इसलिए किसी भी चीज को सीखना सबसे महत्वपूर्ण है, फिर चाहे वह आपकी नौकरी से संबंधित हो या आपके शौक से जुड़ा हुआ कुछ हो।

छोटे और साधारण लक्ष्य बनाएं: बड़ी उम्मीद पालने की बजाय छोटे और साधारण लक्ष्य बनाएं। हर छोटे लक्ष्य की सफलता आपको आत्म-विश्वास और ऊर्जा देगी। a

जब करवाएं बच्चे की एग्जाम प्रिपरेशन

बच्चों के एग्जाम की तैयारी करवाना पैरेंट्स के लिए भी कम स्ट्रेसफुल नहीं होता है। लेकिन ऐसे में आपको ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए, जिससे बच्चे की टेंशन और बढ़े। एग्जाम की तैयारी करवाते समय किन बातों का ध्यान पैरेंट्स रखें, आपके लिए बहुत जरूरी सलाह।

एडवाइस
शिखर चंद जैन

मीनल अपने नौ वर्षीय बेटे अंशुल को बुरी तरह डांट रही थी। तभी वहां आई पड़ोस में रहने वाली उसकी सहेली आभा ने पूछा, 'क्या हुआ मीनल, इसने कोई शैतानी की है क्या?'

मीनल ने कहा, 'नहीं आभा, मैं तो इसके पढ़ने के तरीके से परेशान हूं। एग्जाम नजदीक हैं, सब बच्चे बोल-बोलकर पढ़ते हैं, याद करते हैं। एक यह है कि पता नहीं चुपचाप क्या करता रहता है? कभी बोलकर पढ़ता ही नहीं।'

इस पर आभा ने समझाते हुए कहा, 'मीनल हर बच्चे का पढ़ने और याद करने का अपना तरीका होता है। इसे डांटो मत। वह चुपचाप इंपॉर्टेंट प्वाइंट्स को अपनी सुविधा के लिए अंडरलाइन कर रहा होगा और कॉपी में समरी के रूप में बुलेट प्वाइंट बनाता होगा।' तब मीनल को अपनी गलती का अहसास हुआ।

बिना वजह डांटने से बचें: एग्जाम नजदीक आते ही पैरेंट्स अपने बच्चों को उसकी तैयारी करवाने के लिए कमर कसकर जुट जाते हैं। इस प्रेशर में कई पैरेंट्स अपने बच्चों पर न सिर्फ अनावश्यक पाबंदियां लगा देते हैं बल्कि उन्हें बेमतलब डांटते-फटकारते भी हैं। इससे बच्चा टेंशन में आ जाता है। नतीजतन पढ़ाई में उसका मन नहीं लगता। पैरेंट्स को यह समझना बहुत जरूरी है कि उनके बच्चे का लर्निंग स्टाइल क्या है, उसके अनुसार ही उसे गाइडेंस दें।

टाइम मैनेजमेंट में हेल्प करें: अपने बच्चे को परीक्षा की तैयारी में मदद करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप उसे टाइम टेबल बनाने के लिए एनकरेज करें। इससे न केवल उसके पास अपने सभी विषयों को पूरी तरह से कवर करने का समय होगा, बल्कि इससे उसका मन भी एकाग्रता से पढ़ने के लिए तैयार रहेगा।

समझें बच्चे का लर्निंग स्टाइल: हर बच्चे का चीजों को सीखने, नई जानकारियां हासिल करने और याद करने का अपना ढंग होता है। अगर बच्चा विजुअल लर्नर है तो वह सब्जेक्ट पढ़ते समय प्रमुख बिंदुओं और पंक्तियों को हाईलाइट करेगा, अलग-अलग कलर से प्वाइंट्स बनाएगा और बीच-बीच में नोटबुक में अपनी सुविधा के मुताबिक डायग्राम, ग्राफिक्स या बुलेट प्वाइंट लिखेगा। उसे एजुकेशनल वीडियो देखना भी पसंद हो सकता है। वहीं ऑडिटरी लर्नर बच्चे, विषय को बोल-बोलकर पढ़ते हैं। वे दूसरे बच्चों से डिस्कस करते हैं और एक-दूसरे को विषय सुनाते और समझते भी हैं। कुछ बच्चे हर 15-20 मिनट या आधे घंटे के अंतराल पर उठकर पानी पीते हैं और खिड़की की तरफ झांकने लगते हैं। कुछ बच्चे लगातार दो से तीन घंटे एक ही सिटिंग में पढ़ना पसंद करते हैं। इसलिए बच्चे की लर्निंग स्टाइल पर उसे न टोकें।

इमोशनल सपोर्ट दें: बच्चों के लिए एग्जाम टाइम स्ट्रेसफुल होता है। इस दौरान उनके लिए इमोशनल सपोर्ट बहुत महत्वपूर्ण होता है। अपने बच्चे की समस्याओं, चिंताओं को सुनने और एनकरेज करते रहें।

रिविजन के लिए प्रेरित करें: एग्जाम्स की अच्छी तैयारी के लिए सबसे महत्वपूर्ण कदम है रेग्युलर रिवीजन। इससे बच्चा जो याद करेगा, उसे कभी नहीं भूलेगा।

रेस्ट करने के लिए भी कहें: बच्चे एग्जाम की तैयारी के दौरान कई बार मानसिक रूप से थक जाते हैं। उन्हें आराम की जरूरत होती है। नियमित ब्रेक लेने से तनाव को दूर करने में मदद मिल सकती है। a

बालों के लिए फायदेमंद है मुलेठी

हेयर केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

बढ़ते पॉल्यूशन और अव्यवस्थित लाइफस्टाइल की वजह से अधिकतर महिलाएं किसी न किसी हेयर प्रॉब्लम से परेशान रहती हैं। बालों का असमय सफेद होना, कम उम्र में बालों का झड़ना, कमजोर और पतले बाल जैसी समस्याएं अब बहुत कॉमन हो चुकी हैं। धूल, मिट्टी और पोषण की कमी की वजह से बाल पतले, डल और बेजान होने लगते हैं। आंवला, भृंगराज के साथ-साथ मुलेठी का उपयोग बालों को कोमल चमकदार और जड़ों से मजबूत बनाने में काफी सहायक हो सकता है।

डेंड्रफ प्रॉब्लम होगी दूर: अगर आप बालों में रूसी यानी डेंड्रफ की समस्या से परेशान हैं तो मुलेठी का इस्तेमाल कारगर हो सकता है। मुलेठी को पीसकर पावडर बना लें। अब कांच के बाउल में एक चम्मच नीबू का रस, एक चम्मच शहद मिला लें और जब यह अच्छे से मिल जाए तो एक चम्मच मुलेठी पावडर को मिलाकर पेस्ट बना लें। मुलेठी में एंटी बैक्टीरियल गुण मौजूद होने की वजह से इस हेयर पैक को बालों और सिर पर लगाने से डेंड्रफ की समस्या से निजात मिलेगी। इसे आप हफ्ते में दो बार इस्तेमाल कर सकती हैं।

रोकता है हेयर फॉलिंग: हेयर फॉलिंग और गंजेपन की समस्या से निपटने में भी मुलेठी का हेयर पैक काफी कारगर साबित होता है। इसे बनाने के लिए कांच के बाउल में एक चम्मच मुलेठी पावडर और कुछ केसर के धागे अच्छी तरह मिलाने के बाद इसमें 1 कप दूध डालकर बने मिश्रण को रात के समय अपने बालों पर लगाएं और शॉवर कैप से बालों को कवर करके सो जाएं। सुबह इसे माइल्ड शैंपू से धो डालें।

काले बालों के लिए: अगर आपके बाल असमय सफेद हो रहे हैं तो दही और मुलेठी का पेस्ट कारगर साबित हो सकता है। इसके

लिए दही और मुलेठी पावडर को बराबर मात्रा में मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें और इस पेस्ट को बालों पर लगाकर सूखने के बाद माइल्ड शैंपू से धो डालें। इस पेस्ट को आप हफ्ते में एक बार इस्तेमाल कर सकती हैं।

मुलेठी का हेयर मास्क: हेयर मास्क बनाने के लिए कांच के बाउल में आधा केला, 2 चम्मच मेहंदी पावडर और 1 चम्मच मुलेठी पावडर को अच्छे से मिलाकर एक समान गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को बालों पर 45 मिनट तक लगाने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। a

लापरवाही से बढ़ सकती है एंडोमेट्रियोसिस की प्रॉब्लम

मेडिकल एडवाइस
डॉ. अंशुमाला शुक्ला कुलकर्णी
हेड-मिनिमली इंवेसिव गायनेकोलॉजी, गायनेकोलॉजी लेप्रोस्कोपिक-रोबोटिक सर्जरी कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

महिलाओं से जुड़ी ऐसी बहुत सी बीमारियां हैं, जिनके बारे में उन्हें मालूम नहीं होता और धीरे-धीरे वह बीमारी बड़ा रूप ले लेती है। एंडोमेट्रियोसिस ऐसी ही एक बीमारी है। इस बीमारी के कारण, लक्षण और ट्रीटमेंट के बारे में बता रहे हैं आपको।

कई आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में 10 से 15 प्रतिशत महिलाएं एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित हैं। एंडोमेट्रियोसिस एक लंबे समय तक बनी रहने वाली बीमारी है, फिर भी जागरूकता की कमी और इसके लक्षण बहुत ही सामान्य होने की वजह से अकसर इसका ट्रीटमेंट समय पर नहीं हो पाता है।

कैसे होती है यह प्रॉब्लम: जब यूटेरस के लेयर की तरह एक टिश्यू, यूटेरस कैविटी के बाहर बढ़ने लगता है तो यह ओवरी, फैलोपियन ट्यूब और पेल्विक लिगामेंट को प्रभावित करने लगता है। इस एब्नॉर्मल टिश्यू ग्रोथ की वजह से स्वेलिंग आ जाती है और टिश्यू चिपक जाता है। उसके निशान पड़ जाते हैं, जिससे दर्द होता है और प्रेग्नेंसी में प्रॉब्लम जैसे अलग-अलग लक्षण दिखाई देते हैं। इसे ही एंडोमेट्रियोसिस कहते हैं। यह स्थिति महिलाओं में 25 साल की उम्र में शुरू हो सकती है और लगभग 50 साल की उम्र तक जारी रह सकती है। ज्यादातर महिलाएं इस बीमारी से अनजान रहती हैं।

एंडोमेट्रियोसिस के प्रमुख लक्षण: पेल्विक एरिया में क्रॉनिक पेन, जो पीरियड्स के दौरान बढ़ता है।

- पीरियड्स की अनियमितता, उन दिनों में बहुत ज्यादा दर्द होना, ज्यादा मात्रा में ब्लीडिंग होना। सेक्स के दौरान दर्द होना।
- शौच या पेशाब करते हुए बहुत दर्द होना।
- पीरियड्स के दौरान थकान, सूजन और वॉमिट फील होना।
- एंडोमेट्रियोसिस की वजह से प्रजनन अंगों को नुकसान होता है और गर्भधारण करने में परेशानी होती है।

हार्मफुल होती है लापरवाही : एंडोमेट्रियोसिस के लक्षण हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं। कभी-कभी बहुत हल्के या कम फील हो सकते हैं। कुछ महिलाओं में जब तक उन्हें गर्भधारण करने में कठिनाई न हो, तब तक इसके लक्षण महसूस नहीं होते हैं। इसलिए जब तक गर्भधारण करने में परेशानी न हो तब तक महिलाएं अपनी इन समस्या के लिए डॉक्टर से कंसल्ट नहीं करती हैं। जागरूकता की कमी की वजह से एंडोमेट्रियोसिस का निदान में देरी हो जाती है।

डायग्नोसिस-ट्रीटमेंट: एंडोमेट्रियोसिस का ट्रीटमेंट तभी शुरू हो सकता है, जब कंडीशन पूरी तरह डायग्नोस कर ली जाती है। ट्रांसवेजाइनल अल्ट्रासोनोग्राफी, एमआरआई और मिनिमली इंवेसिव लैप्रोस्कोपिक कुछ ऐसी डायग्नोस्टिक तकनीकें हैं, जिनका उपयोग सटीक निदान के लिए किया जाता है। रोबोट असिस्टेड सर्जरी जैसी उन्नत सर्जिकल मैथड्स ने एंडोमेट्रियोसिस सर्जरी के परिणामों में काफी इंप्रूवमेंट किया है। सर्जरी के लिए कई बार कोलोरेक्टल सर्जन और यूरोलॉजिस्ट के साथ मल्टी-डिसिप्लिनरी डायग्नोसिस की भी जरूरत पड़ सकती है। इसके अलावा, डायग्नोस्टिक स्टेप्स में लक्षणों की जांच के साथ-साथ पूरी मेडिकल हिस्ट्री भी ली जाती है। एंडोमेट्रियोसिस के प्रॉपर ट्रीटमेंट के लिए मल्टी-डिसिप्लिनरी एंगल से डायग्नोसिस पर ध्यान देना जरूरी है। ऐसे हॉस्पिटल्स जहां गायनेकोलॉजिस्ट्स, रेडियोलॉजिस्ट, पेन स्पेशलिस्ट्स और फर्टिलिटी एक्सपर्ट एक साथ पेशेंट की कंडीशन पर कंसल्ट कर सकते हैं। इससे पेशेंट को उनके लक्षणों, बीमारी के चरण और प्रेग्नेंसी इश्यूज के अनुसार इलाज मिलता है। ट्रीटमेंट में आमतौर पर दर्द के लिए दवा, बीमारी की प्रगति को धीमा करने वाली हार्मोनल थेरेपी और गंभीर मामलों में स्कार टिश्यू और एंडोमेट्रियल ग्रोथ को हटाने के लिए सर्जरी की जाती है। a **प्रस्तुतिः सहेली फीचर्स**

जांच में जुटा जिला प्रशासन

आखिर कहां गई 6 लाख क्विंटल धान...

गड़बड़ी करने वालों पर होगी सख्त कार्यवाही

हरिभूमि, जबलपुर।

जिले में 23 जनवरी को धान की खरीदी समाप्त हो गई है। प्रशासन द्वारा 3.81 लाख मीट्रिक धान की खरीदी की गई है। जबकि अभी तक कुल 3.75 लाख मीट्रिक टन को वेयरहाउसों में रखा गया है या मिलरों द्वारा उठाया गया है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर 6 हजार मीट्रिक टन (लगभग 6 लाख क्विंटल) धान कहां गायब हो गई। जब इस धान को तलाशने जिला प्रशासन के आला अधिकारी मैदान में उतर गये हैं। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने स्पष्ट कहा है कि गड़बड़ी करने वालों से वसूली कर किसानों की पाई-पाई का भुगतान किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि जिले में 3 लाख 81 हजार मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। इसके एवज में 3 लाख 75 हजार मीट्रिक टन का उठाव किया गया है, जबकि 6 हजार मीट्रिक टन धान बाकी है, जो कि न तो खरीदी केंद्रों में है और न ही वेयर हाउसों में रखी गई है। यहां कि अनेक खरीदी केंद्र ऐसे हैं जहां पर फर्जी धान खरीद की गई है। जिसमें मझौली में 63 सौ क्विंटल, कटंगी में 58 सौ क्विंटल, व कालाडूमर में 71 सौ क्विंटल शामिल है।

गड़बड़ी करने वालों से वसूली कर दिया जाएगा किसान का पाई-पाई : कलेक्टर

किसानों के साथ धोखा-

मझौली की सेवा सहकारी समिति खांड़ द्वारा मॉ रेवा वेयर हाउस सहित 6-8 वेयर हाउस है जहां पर धान की कमी पाई गई है, मॉ रेवा वेयर हाउस में 63 सौ क्विंटल धान का फर्जीवाड़ा किया गया है। इस पूरे प्रकरण में वेयर हाउस संचालक नीलेश पटेल, समिति प्रबंधक विजय राय, समिति प्रभारी दिनेश रावत के साथ ऑपरेटर श्री राम की भूमिका भी संदिग्ध नजर आ रही है, यहां पर एक दूसरे पर दोषारोपण किया जा रहा है।

किसानों का भुगतान प्राथमिकता-कलेक्टर

कलेक्टर दीपक सक्सेना का कहना है कि हमारी प्राथमिकता है कि पहले किसानों का भुगतान करा दिया जाए। जिले में 876 करोड़ की धान खरीदी गई थी, जिसके एवज में 852 करोड़ का भुगतान किसानों का कर दिया गया है, अभी 22-23 करोड़ रूपये की राशि का भुगतान होना बाकी है, जो हमारी प्राथमिकता है, जल्द ही हम किसानों को भुगतान करा देंगे। कुछ समितियां हैं जहां पर इरादतन फर्जी धान की खरीदी की गई है, इसकी जांच की जा रही है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के पात्र 95 फीसदी किसानों की ई-केवायसी पूर्ण

जबलपुर। जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के पात्र किसानों में से 95 फीसदी किसानों की ई-केवायसी का कार्य पूर्ण हो चुका है। ई-केवायसी के साथ ही जिले के 95.57 फीसदी किसानों के बैंक खातो को आधार से लिंक कर दिया गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र किसानों की ई-केवायसी होना अनिवार्य है। इस योजना का लाभ उन्ही पात्र किसानों को मिलेगा जिनकी ई-केवायसी पूर्ण हो चुकी है। कलेक्टर दीपक सक्सेना के निर्देशों पर जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के पात्र किसानों की ई-केवायसी एवं किसानों के बैंक खातों को आधार से लिंक करने का कार्य पर विशेष जोर दिया जा रहा है। ऐसे पात्र किसानों से जिन्होंने अभी तक ई-केवायसी नहीं कराई है प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए शीघ्र ई-केवायसी करा लेने का बार-बार आग्रह किया जा रहा है ताकि उन्हें इस योजना का लाभ प्राप्त करने में रूकावट न आये।

कलेक्टर कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा के अनुसार जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के पात्र 1 लाख 58 हजार 196 किसानों में से अभी तक 1 लाख 50 हजार 526 किसानों की ई-केवायसी पूर्ण की जा चुकी है। इसी प्रकार 1 लाख 48 हजार 223 किसानों में से 1 लाख 41 हजार 651 किसानों के बैंक खातों को आधार से लिंक कर दिया गया है। किसानों की फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में भी पिछले कुछ दिनों में तेजी आई है और अभी तक 1 लाख 65 हजार 270 के लक्ष्य के विरूद्ध 70 हजार 496 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण हो चुका है। उपार्जन के लिए पंजीयन तथा पीएम किसान सम्मान निधि जैसी कृषि संबंधी योजनाओं का भविष्य में लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का होना अनिवार्य होगा।

राज्य अल्पसंख्यक आयोग का गठन करने की मांग

जबलपुर।

विगत कई वर्षों से राज्य सरकार द्वारा मप्र अल्पसंख्यक आयोग का गठन नहीं किये जाने पर क्षुब्ध होकर मप्र मुस्लिम विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष एड. मो. माहिर खान के आह्वान पर मप्र के संपूर्ण जिलों के मुख्यालय में ज्ञापन दिए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में सोमवार को परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी के नेतृत्व में डिप्टी कलेक्टर नदीमा शीरी को मप्र के राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम आयोग गठन किये जाने की मांग वाला एक ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन में कहा गया कि कई वर्षों से मप्र में अल्पसंख्यक आयोग का गठन नहीं किया गया है, जिस कारण अल्पसंख्यक वर्ग को अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है औऱ उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल रहा है।

ज्ञापन देते समय मुस्लिम विकास परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी, हाजी मुईन खान, शेख निजामी, अकबर उस्मानी, ताहिर खोकर, फैजान क़ुरैशी, अलीम मंसूरी, साजिद काजी, इरफान क़ुरैशी, बब्लू क़ुरैशी, अहमद रज़ा, एड.निसार अंसारी, गुलाम किबरिया, अशफाक आरिफ, डॉ. निसार अंसारी, मामूर गुड्डू, अब्दुल बाकी खान, हाशिम राजा, अशरफ शिराजी, मो. जावेद, मुख्तार अंसारी, मुज्जफर कुरैशी, इस्तियाक अंसारी आदि उपस्थिति की उल्लेखनीय रही।

जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के कैलेंडर का विमोचन

जबलपुर। शहर के प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थलों के सुंदर छायाचित्र के साथ नगर के प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रमों की महीनेवार जानकारी अब एक साथ देखने मिलेगी। जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (जेएटीसीसी) के वर्ष 2025 कैलेंडर का विमोचन सोमवार को कलेक्ट्रट में अपर कलेक्टर सुमिशा सिंह, नाथूराम गौंड, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक गहलोत, सीईओ जेएटीसीसी हेमंत कुमार सिंह, एसडीएम जबलपुर अभिषेक सिंह ठाकुर, जिला कोषालय अधिकारी सुविनायका लकरा ने किया। जेएटीसीसी सीईओ सिंह ने बताया कि कैलेंडर में शासन की ओर से होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों और उनसे संबंधति छायाचित्र हैं। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड (एमपीटीबी) और जेएटीसीसी के सहयोग से बनाए गए कैलेंडर में पर्यटन विकास के लिए आयोजित कार्यक्रमों- नर्मदा महोत्सव, पर्यटन क्विज, ओशो महोत्सव की जानकारी तथा पर्यटन-धार्मिक स्थलों का संक्षिप्त विवरण देखने मिलेगा।

विकास के साथ विरासत को संजोने का कार्य करेंगेः डॉ. अभिलाष पांडे

हनुमानताल जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण, कार्य का भूमिपूजन

जबलपुर।

हनुमानताल तालाब का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य का भूमिपूजन विधायक डॉ अभिलाष पांडे एवं महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के द्वारा सोमवार को दीनानाथ क्रासिंग हनुमानताल में संपन्न हुआ, कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर प्रमुख रूप से उपस्थित थे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ अभिलाष पांडे ने कहा कि आज उत्तर मध्य विधानसभा के लिए बड़ी प्रसन्नता का विषय है, जिस 5S (शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सेवा और संस्कार)को लेकर हम कार्य कर रहे हैं इस सारे विषयों को लेकर पहले हमने अपने घोषणापत्र में कहा था कि हनुमानताल तालाब का उन्नयन करेंगे, 22 सालों के पश्चात हनुमानताल तालाब का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण का कार्य हो रहा है. तालाब को नियमानुसार खाली करके साफ किया जायेगा एवं इसकी सिल्ट निकालने का कार्य किया जाएगा तालाब को चारों ओर से हम फेंसिंग भी कर रहे हैं इसमें एरियटर्स भी लगा रहे हैं ताकि पानी साफ रहे. साथ ही रिटर्निंग वॉल के लिए भी हम काम करने वाले हैं। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा कि हमारे जनप्रतिनिधियों के द्वारा की कई कोई भी घोषणा और वादा पूरा करना हमारा प्राथमिक कर्त्तव्य है जिसके लिए नगर निगम और पूरी एम आई सी प्राथमिकता से इसके लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान एम आई सी सदस्य राम सोनकर, सुभाष तिवारी,दामोदर सोनी, क्षेत्रीय पार्षद कविता रैकवार, मंडल अध्यक्ष राहुल रजक,जागृति शुक्ला,सपन यादव,पुष्पराज पांडे, आदि पदाधिकारी,कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीयजन उपस्थित थे।

प्लेसमेंट का सुनहरा अवसर, प्रदेश स्तरीय विशेष भर्ती अभियान

जबलपुर। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, उच्च शिक्षा अंतर्गत पूरे मध्यप्रदेश में प्रदेश स्तरीय ओपन विशेष भर्ती अभियान का आयोजन किया जा रहा है।जबलपुर जिले में आज शासकीय एम.एच. होमसाइंस महाविद्यालय, जबलपुर, केवल छात्राओं के लिये एवं कल प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी महाविद्यालय जबलपुर में छात्र/छात्राओं में सुबह 11 बजे से 03 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पास आउट युवाओ के लिए प्लेसमेंट का सुनहरा अवसर है उक्त ड्राइव में लगभग 30 कंपनियाँ प्लेसमेंट हेतु उपस्थित रहेगी। जिसमें जबलपुर जिले के अधिक से अधिक विद्यार्थी सम्मिलित होकर लाभांवित हो। प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय नोडल अधिकारी, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना ने बताया कि रिक्रूटमेंट ड्राइव में हेतु प्रातः 10 बजे से पंजीयन प्रारंभ हो जायेगा। प्लेसमेंट में सम्मिलित होने हेतु इच्छुक विद्यार्थी अपना बायोडाटा, आधार कार्ड, 2 पासपोर्ट साइज फोटो एवं समस्त शैक्षणिक दस्तोवजों की प्रति लेकर प्लेसमेंट प्रकिया में सम्मिलित हो।

कल जबलपुर आ रहे मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रशासनिक तैयारियां तेज, गौशाला का भूमिपूजन व रांझी स्टेडियम का लोकार्पण करेंगे

जबलपुर।

आगामी 19 फरवरी को उमरिया में गौशाला के भूमिपूजन के सिलसिले में मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के प्रस्तावित नगर आगमन को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं.

अपर कलेक्टर मिशा सिंह ने समय सीमा बैठक में मुख्य मंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रमों को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा की. बैठक में बताया गया कि 19 फरवरी बुधवार को जबलपुर आएंगे. इस दौरान में उमरिया गौशाला के भूमिपूजन और रांझी स्टेडियम के लोकार्पण करेंगे. उन्होंने अधिकारियों को सौंपे गये दायित्वों पर गंभीरता से काम करने और कार्यक्रम को भव्य व गरिमामय

बनाने के निर्देश दिये.

उन्होंने अधिकारियों से कहा की कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें.

अपर कलेक्टर सुश्री मिशा सिंह ने समय सीमा बैठक में सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों की समीक्षा कर सख्त निर्देश दिये की कोई भी प्रकरण बिना अटेंड किये, फोर्सली क्लोज न किया जाए.

उन्होंने कहा कि 50 दिन से अधिक के प्रकरणों को गंभीरता से लेकर निराकरण करें और जिले की रैंकिंग सुधारें। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

सनातन की अलख जगाने युवाओं को आगे आना होगा : नरसिंह देवाचार्य

जबलपुर। नरसिंह पीठ निरंतर आध्यात्मिक चेतना का जागरण करती हैं। सनातन संस्कृति को समृद्ध बनाने संत महात्माओं और सामाजिक जनों को जन जागरण करना चाहिए। युवा वर्ग को सनातन संस्कृति से जोड़ने से आने वाले समय में संपूर्ण विश्व में भारत सिरमौर बनेगा उक्त उद्गार श्री रामरंगी व्दाराचार्य जगतगुरु नरसिंह पीठाधीश्वर डॉक्टर स्वामी नरसिंह दास जी महाराज ने नरसिंह मंदिर में कहे। जबलपुर संस्कारधानी की ओर से सांसद आशीष दुबे, रामजी अग्रवाल, शैलेश शर्मा, योगेश बिलोहा, विध्येश भापaकर, संकल्प पाठक, लिविश पटेल, प्रियांशु शास्त्री सहित श्रृद्धालुओं की उपस्थिति रही। महाराज जी को शाल श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

जिले में 54% बच्चों को जोड़ा गया

4 लाख 26 हजार छात्रों को मिलेगा अपार आईडी का लाभ

हरिभूमि, जबलपुर।

केंद्र सरकार की वन नेशन वन स्टूडेंट योजना के अंतर्गत अपार आईडी का लाभ जिले में 4 लाख 26 हजार छात्रों को मिलेगा। अभी तक कुल 54 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है। दरअसल केन्द्र सरकार की अपार आईडी योजना का लाभ छात्र प्रदेश के साथ देश के अन्य राज्यों में भी उठा सकते हैं, उनको अब अपने साथ मार्कशीट या अन्य दस्तावेज साथ लेकर चलने की जरूरत नहीं रहेगी। उनका एक आइडेंटिफिकेशन नंबर रहेगा जिससे वह देश के किसी भी हिस्से में अपने दस्तावेज प्राप्त कर सकेगें।

केंद्र सरकार ने एक अच्छी पहल करते हुए छात्रों को वन नेशन वन स्टूडेंट योजना के तहत अपार आईडी योजना लांच की है। अपार आईडी (ऑटोमेटिक परमानेंट एकेडमी अकाउंट) रजिस्टर कहलाता है, इसमें प्रत्येक बच्चे का एक आइडेंटिफिकेशन नंबर बनेगा जो उसमें जो उसकी लाइफ टाइम चलेगा। इस नंबर से बच्चों की जो दसवीं बारहवीं पांचवी आठवीं जितने भी परीक्षाएं हैं उनकी अंकसूची डिजिटल हो जाएंगी।

डिजीलॉकर जैसी सुविधा-

जिला शिक्षा केंद्र समन्वयक योगेश शर्मा का कहना है कि जिस प्रकार हमारे मोबाइल में एक डिजिलॉकर ऐप होता है, जिसमें हम आरटीओ का लाइसेंस अपना दसवीं की मार्कशीट ग्रेजुएशन की मार्कशीट सुरक्षित कर लेते हैं और डॉक्यूमेंट पेपरलेस हो जाता है ऐसे ही एमपी का बच्चा किसी दूसरे स्टेट में जाएगा दूसरे कॉलेज में एडमिशन लगा तो वहां उसका अपार नंबर रहेगा डॉक्युमेंट सर्च हो जाएगा। वहीं पता भी चल जाएगा कि बच्चा 10वीं, 12वीं पास है। यह बच्चे और पेरेंट्स के लिए बहुत लाभकारी है।

पहले 10 से 12 वीं तक के बच्चे-

योगेश शर्मा ने बताया कि जबलपुर जिले में भी इसका काम चल रहा है। अपार आईडी नर्सरी से लेकर के 12 तक के बच्चों की बनाई जाएगी। जिले में कुल 4 लाख 26 हजार का लक्ष्य है। हम अभी 54% काम पूरा कर चुके हैं। आधार नंबर के द्वारा अपार आईडी क्रिएट हो जाती है। अपार आईडी को केंद्र सरकार ने कंपलसरी कर दिया है, खास तौर से जीईई मेंस व नीट जैंसी परीक्षाओं के लिए अपार के बिना परीक्षा देना संभव नहीं होगा। योगेश शर्मा ने कहा कि पहले हमार लक्ष्य 10th और 12th के जो बच्चे हैं कॉलेज लेवल के जो बच्चे हैं उनको हमको प्राथमिकता से हंड्रेड परसेंट करना है फिर छोटी क्लास में धीरे-धीरे हम उनको हंड्रेड परसेंट तक ले जाएगें।

ये हो रही परेशानी-

बताया जाता है कि अभी कुछ परेशानियां हो रही हैं। जिसमें मुख्यतः आधार में नाम की समस्या हो रही है। इसके लिए बीआरसी कार्यालय एवं लोक सेवा केंद्र के माध्यम से शिविर लगाए जा रहे हैं, जहां पर अभिभावकों की अनुमति से अधार और स्कूल के नाम एक किए जा रहैं, इनको पूर्ण होते ही अपार आईडी के कार्य में गति प्रदान हो जाएगी।

प्राथमिक शिक्षक भर्ती-2020 का मामला, हाई कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

ओबीसी के होल्ड किए गए पदों को अनहोल्ड क्यों नहीं किया जा रहा

हरिभूमि जबलपुर।

हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने प्राथमिक शिक्षक भर्ती-2020 के मामले में राज्य शासन से पूछा है कि जब कानून पर रोक नहीं है तो ओबीसी के होल्ड किए गए पदों को अनहोल्ड क्यों नहीं किया जा रहा। इस सिलसिले में राज्य शासन, स्कूल शिक्षा विभाग व अन्य को नोटिस जारी किए गए हैं।

याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी रंजीत पटेल, कटनी निवासी बनमाला रजक, नीतू पटेल, बुरहानपुर की योगिनी परिवाले, धार निवासी निर्मला पाटीदार, खंडवा निवासी हिमानी राजपाली व अन्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर, विनायक प्रसाद शाह, पुष्पेंद्र कुमार शाह व रूप सिंह मरावी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि राज्य सरकार जिस याचिका के आधार पर ओबीसी वर्ग के होल्ड किए गए पदों पर नियुक्तियां नहीं दे रही है, वे निरस्त हो चुकी हैं। याचिका निरस्त होने के कारण उस पर दिया गया स्थगन भी स्वतः ही समाप्त हो जाता है। यह दलील भी दी गई कि किसी भी मामले में कानून पर स्थगन नहीं दिया गया है, इसलिए पद होल्ड करना अनुचित है।

अंतरिम आदेश के कारण नियुक्ति नहीं दी जा सकती : महाधिवक्ता कार्यालय

महाधिवक्ता कार्यालय द्वारा कोर्ट को अवगत कराया गया कि एक अन्य याचिका में चार मई, 2020 को पारित अंतरिम आदेश के कारण नियुक्ति नहीं दी जा सकती है। महाधिवक्ता ने कोर्ट को यह भी बताया कि उक्त याचिका सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर हो चुकी है। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि सरकार पूर्व के आदेश की अवहेलना करते हुए वर्तमान में की जा रही समस्त भर्तियों में ओबीसी के 13 प्रतिशत आरक्षण को छोड़कर 60 प्रतिशत आरक्षण लागू कर रही है। यह भी कहा कि उक्त याचिका सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर हो जाने के कारण उसमें पारित अंतरिम आदेश निष्प्रभावी हो गया है।

अंतरक्षेत्रीय विद्युत सांस्कृतिक स्पर्धा में केन्द्रीय कार्यालय का उत्कृष्ट प्रदर्शन

जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड की केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल द्वारा आयोजित 46 वीं अंतरक्षेत्रीय विद्युत सांस्कृतिक प्रतियोगिता में केन्द्रीय कार्यालय जबलपुर के चार प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए दो स्पर्धा में प्रथम और एक.एक स्पर्धा में क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल किया। निरंजनपुरी गोस्वामी ने शास्त्रीय स्वर वाद्य वादन स्पर्धा में बांसुरी वादन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। सुगम गायन में शेख गुलाम ने उत्कृष्ट गायन की प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान हासिल किया। काव्य पाठ स्पर्धा में दीपाली श्रेया दुबे ने स्वरचित कविता का पाठ करते हुए द्वितीय स्थान और महेश कुमार नुन्हारिया ने शास्त्रीय गायन में तृतीय स्थान प्राप्त किया। केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव राजीव गुप्ता ने हर्ष व्यक्त करते हुए विजयी प्रतिभागियों को बधाई दी।

मझगवां के लमकना में हुआ मूर्ति अनावरण समारोह

संत रविदास ने सामाजिक समरसता की गंगा प्रवाहित की

सिहोरा। संत रविदास सामाजिक समरसता के महान संत थे उन्होंने देश में जाति पात ऊंच नीच का भेदभाव मिटाने का संदेश देकर समाज में सामाजिक समरसता की गंगा प्रवाहित की यह बात अखिल भारतीय ओबीसी महासभा एससी एसटी संयुक्त मोर्चा जिला अध्यक्ष एवं कार्यक्रम आयोजक छोटे पटेल ने ग्राम मझगवां लमकना में संत रविदास की मूर्ति अनावरण समारोह में कही। संत जी की मूर्ति का अनावरण आचार्य संत श्री रामदयाल शास्त्री, संत श्री कन्हैया दास, श्री लालधर शास्त्री के सानिध्य में उत्साह के साथ किया गया। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललित गौर के मुख्य आतिथ्य,कुशवाहा समाज महासभा प्रदेश अध्यक्ष बैजनाथ कुशवाहा की अध्यक्षता एंव महासभा प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट इंद्र कुमार पटेल, एडवोकेट रामेश्वर ठाकुर, नारायण सिंह, विवेक पटेल, प्रदीप पटेल,तहसीलदार रीवा भगवानदास चौधरी, टी आई हरिलाल चौधरी, सुप्रिया अहिरवार, रामरतन यादव, बबीता गोटिया, भारतीय किसान यूनियन जिला अध्यक्ष रमेश पटेल, आदि उपस्थित थे।

जिले में अभी तक 11 किसान जैविक पंजीयन प्रमाणीकरण प्राप्त भी कर चुके हैं

जिले में लगातार बढ़ रहा जैविक प्रमाणीकरण का क्षेत्र

जबलपुर। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के अधिकारियों द्वारा जैविक खेती अपनाने के लिये प्रोत्साहित किये जाने के फलस्वरूप जिले में जैविक प्रमाणीकृत क्षेत्र में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विकास विभाग के अनुसार जिले में अभी तक 11 किसान जैविक पंजीयन प्रमाणीकरण प्राप्त भी कर चुके हैं।

इसी सिलसिले में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के अधिकारियों ने जिले के शहपुरा विकासखण्ड के ग्राम धरती कछार के कृषक रवि कथूरिया के अमृता जैविक फार्म का प्रथम वर्ष के जैविक पंजीयन प्रमाणीकरण के लिये आज सोमवार को निरीक्षण किया। इन अधिकारियों में उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम तथा जिले की जैविक निरीक्षक एवं

अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी शामिल थे। पिछले कुछ वर्षों से नर्मदा नदी के किनारे अपनी करीब चार एकड़ कृषि भूमि पर जैविक खेती कर रहे रवि कथूरिया ने जैविक प्रमाणीकरण के लिये मध्यप्रदेश राज्य जैविक प्रमाणीकरण संस्था को आवेदन किया है। उपसंचालक कृषि डॉ एस के निगम ने बताया कि कृषक रवि कथूरिया द्वारा अपनी कृषि भूमि पर प्राकृतिक पद्धतियों को अपनाते हुए जहाँ एक ओर गेंहू, चना, हल्दी और विभिन्न प्रकार के फलदार पौधे लगाये गये हैं, वहीं दूसरी ओर पर्यावरण को स्वच्छ बनाने और जैव विविधता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मियावाकी विधि से खेत के छोटे से हिस्से में सघन वन भी तैयार किया जा रहा है। डॉ निगम के मुताबिक जैविक विधि से खेती कर रहे इस कृषक ने तीन फिट का गड्ढा बनाकर पहले एक परत गोबर की खाद फिर धान का भूसा फिर ऊपर की मिट्टी इस तरह से तैयार करके पौधा लगाया है तथा एक पौधे से दूसरे पौधे की दूरी लगभग 2 फुट और कहीं-कहीं 3 फुट रखी है।

स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर का आयोजन

जबलपुर। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के प्रथम समाधि दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महिला परिषद आदिनाथ शाखा एवं चेलना संभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल स्वास्थ्य एवं रक्त दान शिविर का आयोजन लाखा भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला संयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ, मुक्ति फाउंडेशन के डॉ विवेक जैन, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉ अश्विनी कुमार त्रिवेदी एवं डॉ संजय मिश्रा का विशेष सहयोग रहा। विशिष्ट अतिथि के रूप में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे,विधायक अभिलाष पांडे, महापौर अन्नू सिंह, मनीष जैन कल्लू, मनीष जैन नेता चंद्र कुमार जैन की विशेष की उपस्थिति रही। इस शिविर का संचालन श्रीमती रश्मि पारस द्वारा किया गया एवं दीप प्रज्ज्वलन डॉ विवेक जैन, डॉ अश्विनी त्रिवेदी और मंगलाचरण मनीषा जैन द्वारा किया गया।विशेष सहयोग संभाग अध्यक्ष सविता जैन ओर अध्यक्ष प्राची जैन का रहा। मंचासीन अतिथि डॉ विमला, डॉ कुसुम, अर्चना मलैया, इंदिरा जैन,मधु जैन, लता जैन, विजय लक्ष्मी रहीं।

गौ-शाला का रकबा लगभग 90 से 95 एकड़

अत्याधुनिक गौ-शाला के निर्माण कार्य का भूमिपूजन करेंगे मुख्यमंत्री : महापौर

हरिभूमि जबलपुर।

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा, 19 फरवरी 2025 शहर के नागरिकों के लिए बहुत बड़ी सौगात एवं विकास का दिन है। इस दिन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 10 करोड़ रूपये की लागत के अत्याधुनिक गौ-शाला के निर्माण कार्य का नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत उमरिया में भूमिपूजन कर नागरिकों को बहुत बड़ी अत्याधुनिक सर्वसुविधायुक्त सौगात देगें।

इस बड़ी सौगात से एक ओर सड़कों पर आवारा पशुओं के चलन से राहत मिलेगी वहीं नागरिक सुरक्षित तरीके से आवागमन कर सकेगें। महापौर भूमिपूजन कार्यक्रम की तैयारियों को जायजा लेने पहुंचे. यहां उन्होंने कल होने वाले कार्यक्रम का जायजा लिया और अधिकारियों को दिशा निर्देश दिये. इस दौरान निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव, एम.आई.सी. सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, दामोदर सोनी, विवेकराम सोनकर, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, पार्षद श्रीमती रजनी सुरेन्द्र साहू, अपर कलेक्टर, सी.ई.ओ. जिला पंचायत, एडीशनल एस.पी., एस.डी.एम., अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री, स्वास्थ्य अधिकारी, कार्यालय अधीक्षक, फायर अधीक्षक, संभागीय अधिकारी, एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

महापौर इस अत्याधुनिक गौ-शाला में प्रथम चरण में 3 हजार गौवंशों का संरक्षण एवं संवर्धन उत्तम ढंग से किया जायेगा. इसके साथ साथ आगे 1 हजार गौवंशों तक की प्लानिंग की जा रही है। यह गौशाला लगभग 53 एकड़ में विकसित हो रही है। कुल गौ-शाला का रकबा लगभग 90 से 95 एकड़ की है।

सर्वगौड़ ब्राह्मण महासभा के वनभोज में बिखरे संस्कृति के रंग

स्वस्थ समाज के लिए स्वच्छता आवश्यक : डॉ. पचौरी

जबलपुर। स्वस्थ समाज के लिए स्वच्छता आवश्यक है अतः आज हम सभी माँ नर्मदा के तट पर यह संकल्प लें कि न सिर्फ अपने आस-पास का वातावरण स्वच्छ रखेंगे बल्कि परिवार, समाज और महासभा के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उक्ताशय के संरक्षक डॉ. गिरीश पचौरी ने सर्वगौड़ ब्राह्मण महासभा के वार्षिक स्नेह मिलन सह वनभोज में व्यक्त किए। पारिवारिक समन्वय, परस्पर सहयोग की पावन भावना से ओतप्रोत परिवार मिलन समारोह में महासभा के समस्त सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। माँ नर्मदा के आंचल में बसे नारायणपुर तिलवारा स्थित शुक्ला फॉर्म हाउस में आयोजित उक्त कार्यक्रम आनंद के कई अमिट स्मृति चित्र अंकित कर गया।

आयोजन के पूर्व सभी परिवारजनों ने माँ नर्मदा के दर्शन-आचमन कर उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। इसके बाद सबसे पहले सांस्कृति कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें बेबी तृषिका शर्मा, शांभवी शर्मा, कुमुद शर्मा ने आपने भावपूर्व नृत्यों से सभी का मन मोह लिया। तृप्ति शर्मा और गौरी शर्मा का एकल नृत्य कार्यक्रम की शोभा बढ़ा गया। एडवोकेट नरेंद्र शर्मा ने राजस्थानी परिवेश में नृत्य प्रस्तुति और कांता सीठा की हसगुल्ले ने सबको गुदगुदाया। ऋतुराज बसंत की पावन बेला में बासंती परिवेश में सजी-धजी मातृ-शक्ति आयोजन की शोभा बढ़ा रहीं थीं। उनकी सक्रियता और सांस्कृति प्रस्तुतियों ने सबको बांधे रखा। सामाजिक जागरूकता एवं स्वच्छ भारत कार्यक्रम के प्रति समर्पित उक्त आयोजन का संचालन डॉ आरके चतुर्वेदी, सर्वेश्वर शर्मा ने किया। क्विक-10, कपल गेम, तंबोला का सभी ने भरपूर आनंद लिया। मंत्री डॉ. राजेश शर्मा ने महासभा की गतिविधियों की जानकारी दी। एड सुनीत शर्मा, रजनी शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राज्य अल्पसंख्यक आयोग का गठन करने मुस्लिम विकास परिषद ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को दिया ज्ञापन

जबलपुर। विगत कई वर्षों से राज्य सरकार द्वारा मप्र अल्पसंख्यक आयोग का गठन नहीं किये जाने पर क्षुब्ध होकर मप्र मुस्लिम विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष एड. मो. माहिर खान के आह्वान पर मप्र के संपूर्ण जिलों के मुख्यालय में ज्ञापन दिए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में सोमवार को परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी के नेतृत्व में डिप्टी कलेक्टर नदीमा शीरी को मप्र के राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम आयोग गठन किये जाने की मांग वाला एक ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन में कहा गया कि कई वर्षों से मप्र में अल्पसंख्यक आयोग का गठन नहीं किया गया है, जिस कारण अल्पसंख्यक वर्ग को अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल रहा है।

ज्ञापन देते समय मुस्लिम विकास परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी, हाजी मुईन खान, शेख निजामी, अकबर उस्मानी, ताहिर खोकर, फैजान क़ुरैशी, अलीम मंसूरी, साजिद काजी, इरफान क़ुरैशी, बब्लू क़ुरैशी, अहमद रजा, एड.निसार अंसारी, गुलाम किबरिया, अशफाक आरिफ, डॉ. निसार अंसारी, मामूर गुड्डू, अब्दुल बाकी खान, हाशिम राजा, अशरफ शिराजी, मो. जावेद, मुख्तार अंसारी, मुज्जफर कुरैशी, इस्तियाक अंसारी आदि उपस्थिति की उल्लेखनीय रही।

क्राइम वॉच

रिपेयरिंग दुकान की शटर उखाड़कर 6 मोबाइल चोरी

जबलपुर। सिहोरा थाना अतंर्गत ग्राम दर्शनी में हनुमानजी मंदिर के बाजू मेन रोड पर स्थित एक दुकान की शटर उखाड़कर अज्ञात चोर 6 मोबाइल चोरी कर ले गए। सिहोरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार दर्शनी सिहोरा निवासी 22 वर्षीय सत्यम चौरसिया की ग्राम दर्शनी मे हनुमान जी मंदिर के बाजू से मेन रोड़ पर स्वाती मोबाइल एण्ड कम्प्यूटर रिपेयरिंग की दुकान है। गत रात लगभग 10 बजे वह अपनी मोबाइल दुकान बंद करके घर आ गया था। दूसरे दिन सुबह लगभग 6 बजे दुकान आया तो उसकी दुकान का शटर उखड़ा हुआ था। अंदर जाकर देखा तो दुकान में रखे पोक्को, रेडमी नोट, सेमसंग , रियलमी कम्पनी के 6 मोबाइल अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305(ए) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

पति पर बल्ला, पत्नी पर डंडे से हमला

जबलपुर। संजीवनी नगर थाना अतंर्गत कोरी मोहल्ला में एक आटो चालक ने बाईक में जा रहे एक दंपत्ति को रास्ते में रोका और फिर शराब पीने के लिए रुपए की मांग कर पति पर क्रिकेट के बल्ले से और पत्नी पर डंडे से हमला कर जान से मारने की धमकी दी। संजीवनीनगर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार कोरी मोहल्ला संजीवनीनगर निवासी 43 वर्षीय संतोष कोरी गत दिवस वह अपनी पत्नी के साथ मेडिजोन हास्पिटल विजयनगर अपनी मोटर सायकल से जा रहा था जैसे ही शाम लगभग 7.30 बजे घर के थोड़े दूर पहुंचे, तभी उसकी मोटर सायकल के सामने एक ने आटो लाकर अड़ा दी। आटो से मोहल्ले के छुट्टू कोरी और बड्डू कोरी उतरे और हम यहां के गुण्डे हैं यहां से निकलने के लिए शराब पीने के लिये एक हजार रूपये देने होंगे। उसने कहा कि उसका बच्चा अस्पताल में भर्ती है वहीं से आ रहा हूं कहा तो दोनों उसे एवं उसकी पत्नी के साथ गाली गलोज करने लगे, उसने रूपये देने से मना किया तो छुट्टू कोरी ने क्रिकेट का बल्ला से सिर पर हमला कर दिया, उसकी पत्नी बीच बचाव करने लगी तो बड्डू कोरी ने पत्नी के सिर पर डंडे से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 126(2), 296, 119(1), 118(1), 115(2), 351(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

मोबाइल वापस मांगने पर किया चाकू से प्राणघातक हमला

जबलपुर। अधारताल थाना अतंर्गत खजरी में मोबाइल वापस मांगने की बात पर एक बदमाश ने एक युवक पर प्राणघातक हमला कर घायल कर दिया। वहीं बीच बचाव करने आए युवक के दोस्त पर भी चाकू से हमला कर दिया। घायलों को उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल ले जाया गया, जहां से मेडीकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। अधारताल थाना प्रभारी राजकुमार खटीक ने बताया कि गाजीनगर गोहलपुर निवासी 19 वर्षीय फैसल अंसारी गत रात सोनू के साथ गाजीनगर में खड़ा था तभी सोनू के भाई का फोन आया जिसने फोन पर बताया कि खजरी निवासी रामा ने उसका मोबाइल रख लिया और वापस नहीं दे रहा है। तो फैसल बाईक से सोनू के साथ खजरी पहुंचे जहां फैसल ने खजरी निवासी राजा से मोबाइल वापस मांगा तो, राजा गालीगलौज करते हुए चाकू से फैसल के पेट पर हमला कर दिया। सोनू बीच बचाव करने आया तो उस पर भी चाकू से हमला कर चोट पहुंचा दी और जान से मारने की धमकी दी। दोनों घायलों को उपचार के लिए मेडीकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 109 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

वृद्ध पर रॉड से हमला

जबलपुर। पनागर थाना अतंर्गत तालाब के पास टपरिया पर ग्राम नुनिया खुर्द में मछली नहीं मारने के एवज में पैसे की मांग करने वाले दो बदमाश ने एक वृद्ध पर रॉड से हमला कर घायल कर दिया। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मुड़िया निवासी 57 वर्षीय मल्लू बर्मन गत रात लगभग 7 बजे ग्राम नुनिया खुर्द में अपने तालाब के पास टपरिया में गया था जहां मुकेश केवट आया, जिससे उसने कहा कि तालाब के पास मत जाना वहां पर मछली हैं तो मुकेश केवट ने कहा कि मछली मैं मारुंगा, इसी बात को लेकर मुकेश गालीगलौज करने लगा। उसने गाली देने से मना किया तो मुकेश मछली न मारने के लिए पैसे की मांग करने लगा, मना करने पर मुकेश ने मल्लू का हाथ पकड़ लिया और धीर केवट ने रॉड से मल्लू के सिर व घुटने पर हमला कर घायल कर जान से मारने की धमीक दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 119(1), 351(3), 3(5), भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

श्रीमती लक्ष्मीदेवी रावत- सैनिक सोसायटी निवासी श्रीमती लक्ष्मी देवी रावत पति स्वर्गीय जीएस रावत का 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। वे अशोक रावत, अनिल रावत व अरुण रावत (गुड्डू) की माताजी थीं। अंतिम यात्रा 18 फरवरी को पूर्वान्ह 11 बजे निवास स्थान से गौरी घाट मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी।

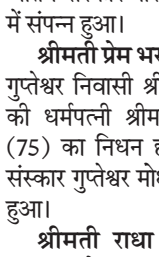

श्री कानाई सान्याल- जयप्रकाश नगर आधारताल निवासी श्रीमती मधुमिता व सुष्मिता के पिता श्री कानाई सान्याल (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती प्रेम भसीन- हाथीताल गुप्तेश्वर निवासी श्री सुभाष भसीन की धर्मपत्नी श्रीमती प्रेम भसीन (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राधा बाई यादव- उडिय़ा मोहल्ला छोटी ओमती निवासी श्री विश्वजीत यादव की धर्मपत्नी श्रीमती राधा बाई यादव (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कुसुम सैलट- एपी कॉलोनी पचपेढ़ी रोड निवासी श्री वीएस सैलट की धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम सैलट (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुखवती बाई कोरी- भोला नगर पश्चिमी करियापाथर निवासी श्री दशरथ कोरी की धर्मपत्नी श्रीमती सुखवती बाई कोरी (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री केएल ठाकुर- आकाशवाणी के सामने पाटन रोड निवासी श्री राम सिंह ठाकुर के पुत्र श्री केएल ठाकुर (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री संदीप चक्रवर्ती- बंबा देवी शीतलामाई निवासी श्री सोनी लाल चक्रवर्ती के पुत्र श्री संदीप चक्रवर्ती (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती ललिता देवी प्रसाद- न्यू रामनगर अधारताल निवासी श्री सुदर्शन राम प्रसाद की धर्मपत्नी श्रीमती ललिता देवी प्रसाद (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री योगेश झारिया- प्रेमनगर पोस्ट आफिस के पास मदनमहल निवासी श्री दिनेश झारिया के पुत्र श्री योगेश झारिया (22) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सुशीला देवी- संजय गांधी नगर टीवी टावर के पास केंट निवासी श्री गजानंद की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला देवी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री लखवीर सिंह- तिघरा निवासी श्री लखवीर सिंह (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री राज नारायण पाण्डेय- अधारताल निवासी श्री राज नारायण पाण्डेय (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती योजना तिवारी- छोटा फुहारा मिलौनीगंज निवासी श्री दीपक तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती योजना तिवारी (49) का

निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री घसीटा प्रसाद गुप्ता- जीके हसैन कम्पाउंड सदर निवासी श्री घसीटा प्रसाद गुप्ता (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कृष्णा गुप्ता- पंचशील कॉलोनी नर्मदा रोड निवासी श्री हेमराज गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा गुप्ता (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जगन्नाथ चौधरी- वल्दी कोरी की दफाई सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री जगन्नाथ चौधरी (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री बादल सोंधिया- आमनपुर कालीमठ मदनमहल निवासी श्री विजय सोंधिया के पुत्र श्री बादल सोंधिया (21) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कुंज बिहारी साहू- दरहाई कोतवाली रोड निवासी श्री कुंज बिहारी साहू (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुवर्शा झारिया- जेपी नगर अधारताल निवासी श्री विजय झारिया की धर्मपत्नी श्रीमती सुवर्शा झारिया (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अरूण स्वामी- गोविंद भवन कॉलोनी साउथ सिविल लाइन निवासी श्री अरूण स्वामी (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

खबर संक्षेप

ग्लेनमार्क ने अमेरिका से वापस मंगाए उत्पाद

नई दिल्ली। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) ने कहा है कि दवा कंपनियां ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स और एफडीसी लिमिटेड विनिर्माण संबंधी कुछ समस्याओं के कारण अमेरिकी बाजार में अपने उत्पादों को वापस मंगा रही हैं। अमेरिकी बाजार में एक निश्चित संख्या में जेनेरिक उच्च रक्तचाप की दवा को वापस मंगा रही है।

लॉकहीड मार्टिन के साथ विमान विनिर्माण पर चर्चा

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी रक्षा कंपनी लॉकहीड मार्टिन के अधिकारियों के साथ भारत में विमान विनिर्माण के अवसरों पर सोमवार को चर्चा की। उन्होंने लॉकहीड मार्टिन इंटरनेशनल के अध्यक्ष माइकल विलियमसन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की।

अजाक्स इंजीनियरिंग की बाजार में खराब शुरुआत

नई दिल्ली। केदारा कैपिटल समर्थित कंक्रीट उपकरण विनिर्माता अजाक्स इंजीनियरिंग का शेयर अपने निर्गम मूल्य 629 रुपये से आठ प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 5.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 593 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 10.17 प्रतिशत फिसलकर 565 रुपये पर आ गया।

सेल 11 अधिकारियों को सेवानिवृत्त करेगा

नई दिल्ली। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने संयंत्रों/इकाइयों में विभिन्न स्थायी समितियों की सिफारिशों पर गौर करने के बाद 11 अधिकारियों को सेवानिवृत्त करने का निर्णय लिया है। सेल की 50 वर्ष से अधिक आयु के अधिकारियों की सत्यनिष्ठा और प्रभावोत्पादकता का आकलन करने की नीति है।

देश का निर्यात जनवरी में 2.38 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। देश का वस्तुओं का निर्यात जनवरी में 2.38 प्रतिशत घटकर 36.43 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। जनवरी, 2024 में यह 37.32 अरब डॉलर था। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी मिली। वहीं आयात जनवरी, 2024 के 53.88 अरब डॉलर की तुलना में पिछले महीने 10.28 प्रतिशत बढ़कर 59.42 अरब डॉलर हो गया।

सिंह बने स्टैंडर्ड चार्टर्ड के भारत के लिए सीईओ

नई दिल्ली। स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने सोमवार को कहा कि पीडी सिंह एक अप्रैल, 2025 से भारत के लिए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पदभार संभालेंगे। वह जरीन दारूवाला का स्थान लेंगे, जो 31 मार्च, 2025 को सेवानिवृत्त होंगी। एक बयान में, स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने कहा कि सिंह के पास बैंकिंग और वित्त में करीब तीन दशक का अनुभव है, जिसमें यूरोपीय और अमेरिकी बैंकों में नेतृत्व और कवरेज की भूमिकाएं शामिल हैं।

फ्यूचरब्रांड इंडेक्स की वैश्विक रैंकिंग में रिलायंस दूसरे पायदान पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय कंपनी ने एप्पल, नाइकी जैसे नामी ब्रांड को पीछे छोड़ा

देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज फ्यूचरब्रांड इंडेक्स की 2024 की वैश्विक सूची में दूसरे स्थान पर है। कंपनी ने इस मामले में एप्पल और नाइकी जैसे बड़े ब्रांड को पीछे छोड़ते हुए यह स्थान हासिल किया है।

- रिलायंस ने 11 स्थानों की छलांग लगाई पिछले साल 13वें स्थान पर थी

यह रैंकिंग उन ब्रांड को सामने लाती है जो बाजार में हो रहे बदलाव से आगे रहते हुए, ब्रांड उद्देश्य और अनुभव दोनों को पूरा करने के लिए लगातार रणनीति तैयार करते हैं और उसे अमल में लाते हैं। रिलायंस ने 11 स्थानों की लंबी छलांग लगाई है। पिछले साल कंपनी 13वें स्थान पर थी।

रैंकिंग में दुनियाभर के पेशेवर शामिल होते हैं

फ्यूचरब्रांड पहली 100 कंपनियों की रैंकिंग करता है। रैंकिंग में दुनियाभर के पेशेवर शामिल होते हैं। पारंपरिक रैंकिंग का आधार वित्तीय प्रदर्शन पर केंद्रित होता है। इसके उलट, फ्यूचरब्रांड सूचकांक इस बात पर गहराई से विचार करता है कि दुनियाभर के पेशेवर ब्रांड को कैसे देखते हैं। रैंकिंग में वे ब्रांड आगे हैं जो लक्ष्यों को पूरा करने के लिए लगातार रणनीति विकसित करते रहते हैं, और बाजार में होने वाले बदलावों में दूसरी कंपनियों से आगे रहते हैं।

भविष्य के ब्रांड समय अनुकूल बदलते हैं

फ्यूचरब्रांड इंडेक्स 2024 की रिपोर्ट में कहा गया, ''भविष्य का ब्रांड आने वाले समय की सफलता के लिए तैयार ब्रांड है। भविष्य के ब्रांड अपनी मूल पहचान को खोए बिना बदलती उपभोक्ता अपेक्षाओं, तकनीकी प्रगति और बाजार की गतिशीलता को पहचान कर उसके अनुकूल बदलते हैं। उन्हें इस बात का पता होता है कि वे कौन हैं और क्या कर रहे हैं।''

सूची में कोरिया की सैमसंग पहले स्थान पर

रैंकिंग में रिलायंस अब एप्पल, नाइकी, वॉल्ट डिजनी, नेटफ्लिक्स, माइक्रोसॉफ्ट, इंटेल और टोयोटा जैसे जाने-माने वैश्विक ब्रांड से आगे है। सूची में दक्षिण कोरिया की कंपनी सैमसंग पहले स्थान पर है। रिलायंस एकमात्र भारतीय ब्रांड है, जिसे सूची में जगह मिली है।

पहले दस में सात अमेरिका के ब्रांड थे

रिपोर्ट में कहा गया, ''समय के साथ स्थिति बदली हैं। 2014 में, शीर्ष दस ब्रांड में से सात अमेरिका के थे। लेकिन 2024 में इसमें चार अमेरिकी ब्रांड और पांच एशिया प्रशांत (एपीएसी) और एक पश्चिम एशिया से हैं...।''

एफआईआई की बिकवाली को लेकर चिंता की दूर

मुनाफा काटने के लिए विदेशी निवेशक बेच रहे हैं भारतीय शेयर : सीतारमण

एजेंसी ▶▶| मुंबई

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली को लेकर चिंता को दूर करते हुए कहा कि भारत में निवेश करने वालों को अच्छा रिटर्न (प्रतिफल) मिल रहा है और इससे वे मुनाफावसूली कर रहे हैं।

- भारत में निवेश करने वालों को अच्छा रिटर्न मिल रहा
- अच्छे रिटर्न पर विदेशी निवेशक मुनाफावसूली कर रहे
- एफआईआई तब बाहर जाते हैं जब वे मुनाफावसूली करने में सक्षम होते हैं

सीतारमण ने बातचीत में कहा कि भारत एक ऐसी अर्थव्यवस्था है जहां निवेशकों को बेहतर रिटर्न मिल रहा है, जिससे मुनाफावसूली होती है। उन्होंने कहा, ''एफआईआई भी तब बाहर जाते हैं जब वे मुनाफावसूली करने में सक्षम होते हैं। आज भारतीय बाजार में ऐसा माहौल है कि निवेश पर अच्छा रिटर्न भी मिल रहा है और मुनाफावसूली भी हो रही है।''

अक्टूबर से 1.56 लाख करोड़ रुपए के शेयर बेचे

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफआईआई ने पिछले साल अक्टूबर से 1.56 लाख करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की कुल पूंजी निकासी इस साल अबतक 99,299 करोड़ रुपये पहुंच गयी है। इससे बाजार में गिरावट आई है और निवेशकों को नुकसान हुआ।

भारतीय बाजार मजबूत है: पांडेय

वित्त सचिव तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि एफआईआई एक उभरते बाजार से दूसरे बाजार में नहीं जा रहे हैं। वैश्विक अस्थिरता के समय में एफआईआई अपने मूल देश वापस चले जाते हैं जो ज्यादातर अमेरिकी है। यही स्थिति अभी देखने को मिल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय बाजार मजबूत है और ये बदलाव अस्थायी हो सकते हैं।

भारत ने सीमा शुल्क दरों में किया सुधार : सीतारमण ने शुल्क दर को लेकर अमेरिका के रुख पर एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत अधिक निवेशक अनुकूल बनने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने हाल में पेश बजट में सीमा शुल्क दरों में सुधार का जिक्र किया।

शेयर बाजार केवल सरकारी नीतियों पर काम नहीं करता

सेठ ने कहा कि शेयर बाजार केवल सरकारी नीतियों पर काम नहीं करता है। विदेशी निवेशक अनिश्चितताओं के दौर में विकसित या बड़े बाजारों में जाते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के कुछ हिस्सों में वैश्विक घटनाक्रमों के बीच भारत ने मजबूती दिखायी है।

बाजार में हस्तक्षेप की किसी भी संभावना से इंकार

पांडेय ने कहा, ''हमने पूर्व में वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना किया है और आगे भी उनका सामना करते रहेंगे। लेकिन मुझे लगता है कि भारत इसे संभालने के लिए मजबूत स्थिति में है। आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ ने भारी बिकवाली के कारण बाजार में सरकारी हस्तक्षेप के किसी भी संभावना को खारिज करते हुए कहा कि ऐसा कदम केवल तभी उठाया जा सकता है जब बाजार की विफलता का कोई सबूत हो। वर्तमान में ऐसा कोई मामला नहीं है।

बजट में वृद्धि को गति देने के कई उपाय

पांडेय ने कहा कि मांग-आपूर्ति के मुद्दों के अलावा, वृद्धि की संभावनाएं भी निवेशकों के व्यवहार को प्रभावित करती हैं। भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है और हाल ही में घोषित बजट में वृद्धि को गति देने वाले कई कई उपाय हैं।

एसबीआई एमएफ ने 250 रु. का एसआईपी किया शुरू

एजेंसी ▶▶| मुंबई

संपत्ति प्रबंधन कंपनी एसबीआई म्यूचुअल फंड ने सोमवार को एक व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) शुरू की, जिसका उद्देश्य उत्पाद तक पहुंच को और 'लोकतांत्रिक' बनाना है।

जननिवेश एसआईपी योजना के तहत निवेशक प्रति लेनदेन 250 रुपये तक कम कम राशि का निवेश कर सकते हैं। इस योजना को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच की मौजूदगी में शुरू किया गया। निवेशक आमतौर पर एसआईपी में 500 रुपये लगाते हैं, जो उस योजना के आधार पर 100 रुपये तक कम हो सकता है जिसमें पैसा लगाया जा रहा है। एमएफ की पहुंच को गहरा करने के उद्देश्य से कम राशि यानी 250 रुपये के एसआईपी पर विचार किया गया, जो उपभोक्ता सामान कंपनियों द्वारा प्रभावी रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले 'सैचेटाइजेशन' के विचार के समान है। एसबीआई म्यूचुअल फंड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी नंद किशोर ने कहा, ''प्रवेश बाधाओं को कम करके और डिजिटल मंच का लाभ उठाकर, हमारा लक्ष्य पहली बार निवेश करने वाले निवेशकों, छोटे बचतकर्ताओं और असंगठित क्षेत्र के लोगों को आकर्षित करना है, जिसमें एसआईपी सिर्फ 250 रुपये से शुरू हो।''

- उद्देश्य उत्पाद तक पहुंच को और लोकतांत्रिक बनाना
- योजना सेबी प्रमुख बुच की मौजूदगी में शुरू की गई

वित्तीय समावेशन के नए चरण में प्रवेश

एसबीआई के चेयरमैन सी एस सेट्टी ने इस पेशकश के मौके पर कहा, ''जब हम वित्तीय समावेशन के नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं, तो नवाचार और समावेशन बहुत जरूरी है। हमारा ध्यान ऐसे उत्पादों, प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों को विकसित करने पर है, जो समावेशन को सहज और प्रभावी बनाते हैं।''

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स 58 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में शेयर बाजार में पिछले आठ कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर सोमवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स में 58 अंक की तेजी आई। एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे शेयरों में लिवाली से बाजार बढ़त में रहा।

- आठ दिन से जारी गिरावट थमी

कारोबार के अंतिम घंटे में लिवाली से तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 57.65 अंक यानी 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75,996.86 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 644.45 अंक तक लुढ़क गया था। निफ्टी भी 30.25 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,959.50 अंक पर बंद हुआ। विश्लेषकों के अनुसार, ऐसी रिपोर्ट है कि अमेरिका और भारत शुल्क दर कम करने के लिए व्यापार समझौते की व्यापक रूपरेखा पर निर्णय लेने के लिए जल्द ही बैठक करेंगे। इससे धातु, औषधि और वित्तीय शेयरों में खरीदारी को समर्थन मिला। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 4,294.69 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

अंतिम घंटे में आई खरीदारी

मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, ''भारी उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में अंतिम घंटे में लिवाली से बाजार हल्की बढ़त में रहा। इसके साथ पिछले आठ कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर विराम लगा।''

इन शेयरों में रही लाभ- हानि

सेंसेक्स के तीस शेयरों में से बजाज फिनसर्व, पावरग्रिड, इंडसइंड बैंक, अदाणी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, जोमैटो और टाटा मोटर्स प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और आईटीसी शामिल हैं।

भारत ने समुद्री मार्ग से ऑस्ट्रेलिया भेजा अनार ..

नई दिल्ली। भारत ने समुद्री मार्ग से ऑस्ट्रेलिया को अनार की पहली वाणिज्यिक प्रायोगिक खेप भेजी है। सोमवार को एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गई। मौजूदा समय में, कम मात्रा और अलग-अलग पकने की अवधि के कारण अनार का निर्यात मुख्य रूप से हवाई मार्ग से किया जाता है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को भारतीय अनार के निर्यात के लिए बाजार पहुंच मिलने के बाद फरवरी, 2024 में निर्यात के लिए एक कार्ययोजना और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पर हस्ताक्षर किए गए। पहली हवाई खेप जुलाई, 2024 में हुई। हवाई खेप से बाजार की मांग का आकलन करने में मदद मिली, जिससे लागत दक्षता को अनुकूल बनाने के लिए समुद्री खेप का रास्ता चुना गया। इसमें कहा गया, 'पहली समुद्री माल खेप छह दिसंबर, 2024 को भारत से रवाना हुई और महाराष्ट्र के सोलापुर क्षेत्र से प्राप्त 5.7 टन अनार के साथ 13 जनवरी को सिडनी पहुंची।'

खादिम को विभाजन मार्च तक पूरा होने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

जूते-चप्पल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी खादिम इंडिया लिमिटेड को मार्च 2025 तक अपने वितरण कारोबार को अलग करने और मई तक नई इकाई के शेयर बाजारों में सूचीबद्ध करने की उम्मीद है।

खादिम के मुख्य वित्तीय अधिकारी इंद्रजीत चौधरी ने कहा, '' विभाजन राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष लंबित है। इस महीने के अंत या मार्च तक आदेश आने की उम्मीद है। अब तक, विभाजन की नियोजित प्रभावी तारीख एक अप्रैल है। अलग हुई इकाई (केएसआर) मई के भीतर सूचीबद्ध होगी। कोलकाता स्थित ने मुनाफे तथा मूल्यांकन में सुधार के लिए अपने वितरण कारोबार और विनिर्माण गतिविधियों को केएसआर फुटवियर लिमिटेड (केएफएल) में विभाजित करने के निर्णय की कुछ समय पहले घोषणा की थी।

खादिम ब्रांड के तहत 890 स्टोर शामिल : इस रणनीतिक कदम से इसके मुख्य खुदरा कारोबार के लिए पर्याप्त मूल्य मिलने की उम्मीद है, जिसमें खादिम ब्रांड के तहत करीब 890 स्टोर शामिल हैं जिनकी कुल राजस्व में करीब 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

- नई इकाई मई तक होगी बाजार में सूचीबद्ध
- विभाजन एनसीएल के

कर मांग के कारण फॉक्सवैगन की खेप नहीं रोकी जाएगी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

सीमा शुल्क विभाग ने बंबई उच्च न्यायालय को बताया है कि 1.4 अरब अमेरिकी डॉलर की कर मांग के कारण स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया की किसी भी खेप को न तो रोका गया है और न ही रोका जाएगा।

सीमा शुल्क विभाग ने सोमवार को अदालत को बताया कि जर्मनी की कंपनी को सितंबर, 2024 में 1.4 अरब अमेरिकी डॉलर का कर नोटिस भेजने के कारण उसकी किसी भी खेप को नहीं रोका गया है और न ही रोका जाएगा। कंपनी ने पिछले महीने अदालत में एक याचिका दायर कर नोटिस को चुनौती दी थी और इसे ''मनमाना और अवैध'' करार दिया था। कर अधिकारियों ने इस कंपनी पर लगभग 1.4 अरब डॉलर की कथित सीमा शुल्क धोखाधड़ी के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सीमा शुल्क धोखाधड़ी उन कारों पर लागू होती है, जिन्हें सीकेडी इकाई के तौर पर देश में लाया जाता है।

- सीमा शुल्क विभाग ने अदालत से कहा

क्या होगा यदि कंपनी सभी कलपुर्जे आयात करती है

न्यायमूर्ति बी पी कोलाबावाला और न्यायमूर्ति फिरदौस पूनीवाला की खंडपीठ ने सोमवार को मामले की विस्तृत सुनवाई की और कहा कि वह 20 फरवरी को सुनवाई जारी रखेंगे। पीठ ने सवाल किया कि क्या होगा यदि कंपनी एक कलपुर्जे को छोड़कर कार के सभी कलपुर्जों को आयात करती है और फिर कहती है कि वे केवल कलपुर्जे हैं और सीकेडी इकाई नहीं हैं।

बजाज कंज्यूमर केयर करेगी विशाल पर्सनल केयर का अधिग्रहण

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दैनिक उपभोग का सामान बनाने वाली कंपनी बजाज कंज्यूमर केयर लिमिटेड दक्षिण भारतीय बाजार में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए प्रतिद्वंद्वी विशाल पर्सनल केयर का 108.3 करोड़ रुपये के उपक्रम मूल्य पर अधिग्रहण करेगी। विशाल पर्सनल केयर के पास बालों एवं त्वचा देखभाल ब्रांड 'बंजारा' का स्वामित्व है।

बजाज कंज्यूमर केयर लिमिटेड (बीसीसीएल) के निदेशक मंडल ने पिछले शुक्रवार को हुई बैठक में दो चरणों में विशाल पर्सनल केयर में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी। पहले चरण में 49 प्रतिशत और दूसरे चरण में शेष 51 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की जाएगी। बजाज कंज्यूमर केयर लिमिटेड के पास बजाज आलमंड ड्रॉप्स ब्रांड का स्वामित्व है।

बीसीसीएल ने बयान में कहा, '' अनुमानित लेनदेन मूल्य 120 करोड़ रुपये है, जिसमें उपक्रम मूल्य करीब 108.3 करोड़ रुपये बैठता है।'' इसमें कहा गया, यह कदम बीसीसीएल के भारतीय बाजारों में उपस्थिति बढ़ाने के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो प्राकृतिक तथा आयुर्वेदिक व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों की बढ़ती मांग का लाभ उठाएगा।

- कंपनी दक्षिण भारतीय बाजार में बनाएगी पैठ
- उपक्रम के अधिग्रहण पर 108 करोड़ रुपए करेगी खर्च

उपभोक्ताओं की सेवा करने की क्षमता बढ़ेगी

बीसीसीएल के प्रबंध निदेशक जयदीप नंदी ने कहा, '' विशाल पर्सनल केयर प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण पांच दक्षिणी बाजारों में बीसीसीएल की उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है।

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक का घोटाला सामने आने के बाद आया प्रस्ताव

जमा बीमा की सीमा पांच लाख से बढ़ाने पर विचार

एजेंसी ▶▶| मुंबई

वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने सोमवार को कहा कि सरकार जमा बीमा की सीमा को मौजूदा के पांच लाख रुपये से बढ़ाने पर सक्रियता से विचार कर रही है। न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक का कथित घोटाला सामने आने के कुछ दिन बाद नागराजू ने कहा कि इस तरह के प्रस्ताव पर काम जारी है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की मौजूदगी में संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा, '' मुद्दा बीमा सीमा बढ़ाने का है... इसपर सक्रियता से विचार किया जा रहा है। जैसे ही सरकार मंजूरी देगी, हम इसकी अधिसूचना जारी कर देंगे। हालांकि, नागराजू ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के संकट पर कुछ भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि इस मामले को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देख रहा है।

वित्त मंत्री ने कहा, मुद्दा बीमा सीमा बढ़ाने का है

लोगों को पूरे क्षेत्र पर संदेह नहीं करना चाहिए

सेठ ने कहा कि किसी एक इकाई में संकट आने से किसी को भी पूरे क्षेत्र पर संदेह नहीं करना चाहिए। दोषी इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई करना नियामक का काम है। खबरों के अनुसार, न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के 1.3 लाख जमाकर्ताओं में से 90 प्रतिशत की पूरी रकम डीआईसीजीसी के अंतर्गत आएगी।

डीआईसीजीसी दावों का भुगतान करता रहा

जमा बीमा दावा तब शुरू होता है जब कोई ऋणदाता डूब जाता है। पिछले कुछ वर्षों में निक्षेप बीमा व प्रत्यय गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) ऐसे दावों का भुगतान करता रहा है। यह निकाय अपने द्वारा प्रदान किए जाने वाले 'कवर' के लिए बैंकों से प्रीमियम एकत्र करता है और अधिकतर दावे सहकारी ऋणदाताओं के मामले में किए गए हैं।

गबन की राशि का हिस्सा बिल्डर को दिया गया

बैंक में घोटाले का पता भौतिक जांच में चला, जिसमें सामने आया कि बही-खाते में दर्शाई गई 122 करोड़ रुपये की नकदी गायब है। जांच में पता चला कि बैंक के महाप्रबंधक-वित्त हितेश मेहता ने कथित तौर पर गबन की गई राशि का एक बड़ा हिस्सा एक स्थानीय बिल्डर को दे दिया है।

डीआईसीजीसी की सीमा पांच लाख की गई थी : पीएमसी बैंक घोटाले के बाद डीआईसीजीसी बीमा सीमा 2020 में एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दी गई थी। आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने कहा कि सहकारी बैंकिंग क्षेत्र आरबीआई की निगरानी में अच्छी तरह विनियमित है। उन्होंने क्षेत्र की समग्र स्थिति को मजबूत करार दिया।

ट्राई के नए नियमों से सीओएआई नाखुश

नई दिल्ली। अवांछित कॉल और संदेशों से निपटने के लिए ट्राई के नए मानदंडों ने दूरसंचार कंपनियों के लिए जुर्माने में काफी वृद्धि की है। दूरसंचार कंपनियों के संगठन सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने सोमवार को चिंता जताते हुए यह बात कही। सीओएआई ने यह भी कहा कि ओटीटी संचार सेवाओं के लिए कोई विनियमन नहीं होने से स्पैम की बाढ़ आ गई है।

चिंतन

बढ़ता व्यापार घाटा चिंता का सबब, निर्यात पर हो जोर

विश्लेषण
योगेश कुमार गोयल

आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल व मेक इन इंडिया कार्यक्रम के दौर में भारत का बढ़ता व्यापार घाटा चिंता का सबब है। देश से वस्तुओं का निर्यात जनवरी में 2.38 प्रतिशत घटकर 36.43 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। जनवरी, 2024 में यह 37.32 अरब डॉलर था। वहीं आयात जनवरी, 2024 के 53.88 अरब डॉलर की तुलना में पिछले महीने 10.28 प्रतिशत बढ़कर 59.42 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन महीने में व्यापार घाटा (आयात व निर्यात के बीच का अंतर) 22.99 अरब डॉलर रहा। अभी भारत को अमेरिका के साथ व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए दबाव का सामना करना पड़ रहा है और भारत पर रेसिप्रोकल टैरिफ आयद करने की चेतावनी दी गई है, जबकि भारत खुद चीन समेत कई देशों के साथ व्यापार घाटे का सामना कर रहा है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले 10 माह यानी अप्रैल-जनवरी के दौरान निर्यात 1.39 प्रतिशत बढ़कर 358.91 अरब डॉलर और आयात 7.43 प्रतिशत बढ़कर 601.9 अरब डॉलर रहा है। आंकड़े बता रहे हैं कि भारत निर्यात का दोगुना आयात कर रहा है। किसी भी अर्थव्यवस्था का आयात पर निर्भरता बढ़ना उचित नहीं है। भारत को अधिक से अधिक चीजों के उत्पादन पर ध्यान देना होगा, आयात समाधान नहीं है। अपने उद्योगों के लिए कच्चेमाल की आपूर्ति के लिए चीन पर निर्भरता कम करनी होगी। जब कोई देश निर्यात की तुलना में आयात अधिक करता है तो उसे व्यापार घाटा की स्थिति कहते हैं। इसके विपरीत जब कोई देश आयात की तुलना में निर्यात अधिक करता है तो उसे ट्रेड सरप्लस की स्थिति कहते हैं। चीन, स्विट्ज़रलैंड, सऊदी अरब, इराक, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, नाइजीरिया, कतर, रूस, जापान और जर्मनी के साथ भारत का व्यापार घाटा अधिक है। अमेरिका, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, हॉन्गकॉन्ग, नीदरलैंड्स, वियतनाम और श्रीलंका के साथ भारत का ट्रेड सरप्लस है। व्यापार घाटे का सीधा असर देश की आर्थिक स्थिति विशेषकर चालू खाते, रोज़गार सृजन, विकास दर और मुद्रा के मूल्य पर पड़ता है। यदि किसी देश का व्यापार घाटा लंबे समय तक बना रहता है तो उस देश की जीडीपी दर, नए रोज़गार, और मुद्रा के मूल्य पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। दरअसल, चालू खाते में एक बड़ा हिस्सा व्यापार संतुलन का होता है तथा जब व्यापार घाटा बढ़ता है तो चालू खाते का घाटा भी बढ़ जाता है। चालू खाता घाटा विदेशी मुद्रा के देश में आने और बाहर जाने के अंतर को दर्शाता है। निर्यात के ज़रिये विदेशी मुद्रा अर्जित होती है, जबकि आयात से विदेशी मुद्रा बाहर जाती है। इसलिए आयात को हतोत्साहित करने की आवश्यकता है। अधिक आयात का मतलब विदेशी मुद्रा भंडार पर अधिक बोझ। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भी भारत के शुल्क ढांचे के खिलाफ ईयू, चीन, जापान, कनाडा, रूस समेत कई देशों ने शिकायत की थी। शिकायत में भारत द्वारा निर्यातकों को सब्सिडी देने की योजना को डब्ल्यूटीओ के नियमों का उल्लंघन माना है। इस बीच अमेरिकी दबाव बढ़ा है, ऐसे में भारत के लिए आयात कम करके निर्यात बढ़ाना एक बड़ी चुनौती होगी। हमें अपनी घरेलू बाजार क्षमता का दोहन करना चाहिए व हमें निर्यात बढ़ाने के उपाय करने चाहिए, जीएसटी रिफंड की कठिनाई दूर करनी चाहिए। निर्यात प्राथमिकता वाले क्षेत्र में हो। ग्लोबल ट्रेड मंच व एफटीए का विस्तार हो। अफ्रीकन, सार्क, आसियान, ब्रिक्स देशों में निर्यात बढ़ाने के अवसर हैं। हाईटेक निर्यात बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।

भूकंप बड़े संकट की आहट तो नहीं

कुछ भूगर्भ वैज्ञानिकों का मानना है कि अक्सर कई छोटे भूकंप बड़ी तबाही का संकेत होते हैं। दिल्ली-एनसीआर को लेकर खतरा इसलिए भी जताया जाता रहा है क्योंकि पिछले कुछ दशकों में दिल्ली-एनसीआर की आबादी काफी बढ़ी है और ऐसे में यदि यहां 6 से अधिक तीव्रता का भूकंप आता है तो वह भारी तबाही मचा सकता है। एनसीएस के वैज्ञानिकों के मुताबिक दिल्ली को हिमालयी बेल्ट से काफी खतरा है, जहां 8 की तीव्रता वाले भूकंप आने की भी क्षमता है। दिल्ली से करीब दो सौ किलोमीटर दूर हिमालय क्षेत्र में अगर 7 या इससे अधिक तीव्रता का भूकंप आता है तो दिल्ली के लिए बड़ा खतरा है। ऐसे में सवाल है कि भूकंप से बचाव के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है?

दिल्ली-एनसीआर में 17 फरवरी की सुबह 5 बजकर 36 मिनट पर भूकंप के तेज झटकों ने अचानक लोगों की नींद उड़ा दी और दहशत में लोग अपने घरों से बाहर निकल गए। झटके इतने तेज थे कि इमारतें हिलने लगी और ऐसा लगा मानो कोई बम ब्लास्ट हुआ हो। हालांकि नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक, नई दिल्ली में आया भूकंप रिक्टर स्केल पर 4.0 तीव्रता वाला ही था लेकिन इसका केंद्र नई दिल्ली में जमीन से केवल पांच किलोमीटर की गहराई पर ही था, इसीलिए इसकी गहराई कम होने और केंद्र दिल्ली में होने के कारण ही दिल्ली-एनसीआर में इसे ज्यादा महसूस किया गया। झटके इतने तेज थे कि इमारतें हिलने लगी, पेड़ों पर बैठे पक्षी भी तेज आवाज के साथ इधर-उधर उड़ने लगे और लोग खौफ के साये में अपने घरों से बाहर निकल गए। राष्ट्रीय भूकंप केंद्र (एनसीएस) के मुताबिक, कई वर्षों के बाद भूकंप का केंद्र दिल्ली रहा और इसी कारण यहां लोगों को भूकंप के झटके काफी देर तक महसूस हुए। भूकंप का केंद्र नई दिल्ली के धौला कुआं में दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन के पास था। राहत की बात यही है कि भूकंप के झटकों से जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ लेकिन लोगों के मन में सवाल यही है कि कहीं दिल्ली एनसीआर सहित उत्तर भारत में हल्के और मध्यम भूकंप के झटके हिमालय क्षेत्र में किसी बड़े भूकंप की आशंका को तो नहीं बढ़ा रहे।

दरअसल कुछ भूगर्भ वैज्ञानिकों का मानना है कि अक्सर कई छोटे भूकंप बड़ी तबाही का संकेत होते हैं। दिल्ली-एनसीआर को लेकर खतरा इसलिए भी जताया जाता रहा है क्योंकि पिछले कुछ दशकों में दिल्ली-एनसीआर की आबादी काफी बढ़ी है और ऐसे में यदि यहां 6 से अधिक तीव्रता का भूकंप आता है तो वह भारी तबाही मचा सकता है। एनसीएस के वैज्ञानिकों के मुताबिक दिल्ली को हिमालयी बेल्ट से काफी खतरा है, जहां 8 की तीव्रता वाले भूकंप आने की भी क्षमता है। दिल्ली से करीब दो सौ किलोमीटर दूर हिमालय क्षेत्र में अगर 7 या इससे अधिक तीव्रता का भूकंप आता है तो दिल्ली के लिए बड़ा खतरा है। हालांकि ऐसा भीषण भूकंप कब आएगा, इस बारे में वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका कोई सटीक अनुमान लगाना संभव नहीं है। दरअसल भूकंप के पूर्वानुमान का न तो कोई उपकरण है और न ही कोई मैकेनिज्म। दिल्ली में बड़े भूकंप के खतरे को देखते हुए भारतीय मौसम विभाग के भूकंप रिस्क असेसमेंट सेंटर द्वारा कुछ समय पहले दिल्ली-एनसीआर में इमारतों के मानक में शीघ्रातिशीघ्र बदलाव किए जाने का परामर्श दिया गया था। राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) के वैज्ञानिकों के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में आ रहे भूकंपों को लेकर अध्ययन चल रहा है। उनका कहना है कि इसके कारणों में भू-जल का गिरता स्तर भी एक प्रमुख वजह सामने आ रही है, इसके अलावा अन्य कारण भी तलाशे जा रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या दिल्ली की ऊंची-ऊंची आलीशान इमारतें और अपार्टमेंट किसी बड़े भूकंप को झेलने की स्थिति में हैं?

विशेषज्ञों के अनुसार दिल्ली में बार-बार आ रहे भूकंप के झटकों से पता चलता है कि दिल्ली-एनसीआर के फॉल्ट इस समय सक्रिय हैं और इन फॉल्ट में बड़े भूकंप की

तीव्रता 6.5 तक रह सकती है। इसीलिए विशेषज्ञ कहते रहे हैं कि बार-बार लग रहे भूकंप के इन झटकों को बड़े खतरे की आहट मानते हुए दिल्ली को नुकसान से बचने की तैयारियां कर लेनी चाहिएं। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में निरन्तर लग रहे झटकों को देखते हुए दिल्ली हाईकोर्ट भी कई बार कड़ा रूख अपना चुका है। हाईकोर्ट ने कुछ समय पहले दिल्ली सरकार, डीडीए, एमसीडी, दिल्ली छावनी परिषद, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद को नोटिस जारी करते हुए पूछा था कि तेज भूकंप आने पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं? अदालत द्वारा चिंता जताते हुए कहा गया था कि सरकार और अन्य निकाय हमेशा की भांति भूकंप के झटकों को हल्के में ले रहे हैं जबकि उन्हें इस दिशा में गंभीरता दिखाने की जरूरत है। अदालत का कहना था कि भूकंप जैसी विपदा से निपटने के लिए ठोस योजना बनाने की जरूरत है क्योंकि भूकंप से लाखों लोगों की जान जा सकती है। दिल्ली सरकार तथा एमसीडी द्वारा दाखिल किए गए जवाब पर सख्त टिप्पणी करते हुए अदालत यहां तक कह चुकी है कि भूकंप से शहर को सुरक्षित रखने को लेकर उठाए गए कदम या प्रस्ताव केवल कागजी शेर हैं और ऐसा नहीं दिख रहा कि एजेंसियों ने भूकंप के संबंध में अदालत द्वारा पूर्व में दिए गए आदेश का अनुपालन किया हो। दिल्ली-एनसीआर भूकंप के लिहाज से काफी संवेदनशील है, जो दूसरे नंबर के सबसे खतरनाक सिस्मिक जोन-4 में आता है। इसीलिए अदालत को कहना पड़ा था कि केवल कागजी कार्रवाई से काम नहीं चलेगा बल्कि सरकार द्वारा जमीनी स्तर पर ठोस काम करने की जरूरत है। वास्तविकता यह है कि पिछले कई वर्षों में भूकंप से निपटने की तैयारियों के नाम पर केवल खानापूर्ति ही हुई है।

दिल्ली-एनसीआर में पिछले कुछ समय में आए भूकंप के ज्यादातर झटके भले ही रिक्टर पैमाने पर कम तीव्रता वाले रहे हों और 17 फरवरी को आया भूकंप भी रिक्टर पैमाने पर 4.0 तीव्रता का ही रहा हो किन्तु इस भूंकप के जोरदार झटकों ने जिस कदर लोगों को खौफजदा कर दिया, ऐसे में भूकंप पर शोध करने वाले ऐसे झटकों को बड़े खतरे की आहट मान रहे हैं। इसीलिए अधिकांश भूकंप विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली एनसीआर की इमारतों को भूकंप के लिए तैयार करना शुरू कर देना चाहिए ताकि बड़े भूकंप के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके। एक अध्ययन के मुताबिक दिल्ली में करीब 90 फीसदी मकान क्रंकीट और सरिये से बने हैं, जिनमें से 90 फीसदी इमारतें रिक्टर स्केल पर छह तीव्रता से तेज भूकंप को झेलने में समर्थ नहीं हैं। एनसीएस के अध्ययन के अनुसार दिल्ली का करीब 30 फीसदी हिस्सा जोन-5 में आता है, जो भूकंप की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक रिपोर्ट में भी कहा गया है कि दिल्ली में बनी नई इमारतें 6 से 6.6 तीव्रता के भूकंप को झेल सकती हैं जबकि पुरानी इमारतें 5 से 5.5 तीव्रता का भूकंप ही सह सकती हैं। विशेषज्ञ बड़ा भूकंप आने पर दिल्ली में जान-माल का ज्यादा नुकसान होने का अनुमान इसलिए भी लगा रहे हैं क्योंकि करीब 2.25 करोड़ आबादी वाली दिल्ली में प्रतिवर्ग किलोमीटर दस हजार लोग रहते हैं और कोई बड़ा भूकंप 300-400 किलोमीटर की रेंज तक असर दिखाता है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक भूकंप की तीव्रता की अधिकतम सीमा तय नहीं की गई है। हालांकि रिक्टर स्केल पर 7 या उससे अधिक तीव्रता वाले भूकंप को अधिक खतरनाक माना जाता है। रिक्टर स्केल पर 2 या उससे अधिक तीव्रता वाला भूकंप 'सूक्ष्म भूकंप' कहलाता है, जिसके झटके सामान्यतः महसूस नहीं होते। 4.5 की तीव्रता वाले भूकंप घरों को क्षतिग्रस्त कर सकते हैं। बहरहाल, यहां सवाल यह है कि निरन्तर आ रहे भूकंप को रोका कैसे जाए और इसके लिए क्या कदम उठाए जाएं?

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

आस्था
प्रो. महेश चंद गुप्ता

महाकुंभ के दौरान साठ करोड़ ने संगम में क्यों लगाई डुबकी

प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान संगम में माघ पूर्णिमा के दिन जब मैं डुबकी लगा रहा था तो मेरे इर्द-गिर्द हजारों, लाखों नहीं, बल्कि करोड़ों लोग स्नान कर अपने को पुण्यभागी मान रहे थे। अब तक कुल मिलाकर करीब साठ करोड़ लोग महाकुंभ स्नान कर चुके हैं। दो दिन तक प्रयागराज प्रवास और फिर लौटते हुए यही प्रश्न मन-मस्तिष्क में कौंध रहा है कि देश की आधी आबादी महाकुंभ में क्यों पहुंच गई है। आखिर साठ करोड़ लोगों ने कुंभ में डुबकी क्यों लगाई है? अपने आपसे यह प्रश्न पूछ रहा हूं और इसका जवाब हासिल करने की कोशिश कर रहा हूं। जीवन के सत्तर बरसों में आज तक बहुत कम ऐसे प्रश्न खड़े हुए हैं, जिनका समुचित उत्तर पाने के लिए इतना सोचना पड़ रहा हो। कई बार अर्ध कुंभ एवं कुंभ दर्शन किए हैं पर 144 साल बाद आया महाकुंभ तो हैरत में डाल रहा है। सोच रहा हूं क्या महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन है? अपने ही अन्तर्मन से जवाब मिलता है-नहीं...नहीं... यह तो सनातन संस्कृति की अक्षुण्ण धारा, आस्था की शक्ति और मोक्ष की ओर बढऩे का अद्भुत साधन है। यह हमारी उन परंपराओं का प्रतीक और प्रमाण है, जो सदियों की गुलामी और समय के थपेड़ों के बावजूद आज भी जीवित हैं। संसार में कई सभ्यताएं मिट गईं लेकिन भारतीय संस्कृति का अस्तित्व अपनी मूल आत्मा के साथ आज भी बरकरार है। यह महाकुंभ न केवल धार्मिक जागरूकता का प्रतीक है बल्कि भारतीय समाज की एकता, समरसता और आध्यात्मिक शक्ति का जीवंत उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। मैंने प्रयागराज में संगम पर विभिन्न प्रांतों से पधारे देशवासियों से चर्चा की। निष्कर्ष यह निकला कि उनके लिए महाकुंभ में स्नान केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मशुद्धि और मोक्ष की यात्रा का एक महत्वपूर्ण चरण भी है। मेरे आसपास जैसे ही श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के महासंगम में डुबकी लगाई, उनके चेहरे के भावों से ऐसा लगा-जैसे उन्हें जीवन का सर्वोच्च आनंद प्राप्त हो गया हो। मैंने केरल, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना, गुजरात और तमाम राज्यों से आए श्रद्धालओं को अपनी तकलीफें और जीवन की परेशानियां भूलकर एक नई ऊर्जा से भरते हुए देखा। मैंने उन्हें देख यह महसूस किया कि यही सनातन धर्म की शक्ति है जहां आस्था और विश्वास से हर कठिनाई छोटी लगने लगती है।

क्या महाकुंभ केवल एक उत्सव है, कुछ श्रद्धालुओं से पूछा तो वह बोले- महाकुंभ हमें आत्मचिंतन और आत्मबोध की प्रेरणा भी देता है। हम इसे मात्र तीर्थयात्रा नहीं मानते बल्कि इसे जीवन को बदलने वाली आध्यात्मिक यात्रा के रूप में अनुभव करते हैं। मुझे प्रयागराज में ऐसे संतों के दर्शन हुए जिन्हें कुछ भी नहीं चाहिए था और ऐसे सांसारिक लोग भी मिले जिन्हें बहुत कुछ पाने की चाह थी। कई लोग जीवन की आपाधापी से परेशान होकर मानसिक शांति की तलाश में आए थे तो कुछ लोग यात्रा के तमाम कष्ट उठा कर केवल इस दिव्य तीर्थ अनुभव का हिस्सा बनने के लिए पहुंचे हैं। हर तरफ अपार जन ज्वार देखकर एक बात समझ में आई कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति की जीवंतता, इसकी गहराई और व्यापकता का सबसे बड़ा प्रमाण है। महाकुंभ प्रेम, अपनत्व और 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को साकार करता है। प्रयागराज में हर कोई जाति, धर्म, वर्ग और सामाजिक स्थिति से ऊपर उठकर केवल श्रद्धालु बनकर ही आया है। महाकुंभ पर्व ने बता दिया है कि भारतीय संस्कृति की जड़ें कितनी गहरी और मजबूत हैं जो सफलता से खड़ी हैं।

महाकुंभ राष्ट्र की मजबूती का प्रतीक भी बनकर उभरा है। इसमें समाज के हर वर्ग के लोग शामिल हुए हैं। एक आम श्रद्धालु से लेकर प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति तक। महाकुंभ में न जाति का भेद दिखता है, न ऊंच-नीच का अंतर। हर व्यक्ति चाहे वह किसी भी धर्म, समाज या वर्ग से हो, समान भाव से महासंगम में स्नान कर रहा है। इस प्रकार महाकुंभ ने हमारे समाज की एकता और भाईचारे का सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसमें देश के व्यावसायियों, उद्योगपतियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने केन्द्र व राज्य सरकार, संतों और अखाड़ों के साथ कदम से कदम मिलाकर सुविधाओं का विस्तार करके नए आयाम स्थापित किए हैं। यूपी सरकार के अनुसार इस महा आयोजन से रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं और लगभग तीन लाख करोड़ का राजस्व उत्पन्न होने का अनुमान है। बड़े-बड़े उद्योगपतियों ने अपनी श्रद्धा से करोड़ों रुपये खर्च कर भंडारे और सेवा शिविर लगाएं हैं, जिससे लाखों लोगों को भोजन और आवश्यक सुविधाएं मिली हैं।

(लेखक चिंतक, शिक्षाविद् व वक्ता हैं। डीयू में 44 वर्ष तक प्रोफेसर रहे हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संकलित
दर्शन

व्यक्ति को निरंतर रूप से निखारती है आत्म-प्रतिस्पर्धा

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में रहते हुए वह अनेक छोटे-बड़े लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहता है। समाज का अंग होते हुए, समाज में अपनी पहचान बनाना भी प्रत्येक व्यक्ति का एक उद्देश्य जैसा ही प्रतीत होता है। इन उद्देश्यों, लक्ष्यों व उपलब्धियों की प्राप्ति के लिए चल रहे अनवरत प्रयत्नों के फलस्वरूप एक सामाजिक प्रक्रिया जन्म लेती है। इस सामाजिक प्रक्रिया का नाम है-प्रतिस्पर्धा। यदि सरल शब्दों में कहा जाए तो बेहतर प्रदर्शन करने की तीव्र लालसा। यह लालसा एक अबोध शिशु से लेकर एक वृद्ध तक सभी में विद्यमान रहती है। वस्तुतः जब आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर्याप्त नहीं होती, तो प्रतिस्पर्धा स्वतः ही जन्म ले लेती है। प्रतिस्पर्धा में कदाचित विरोध व ईर्ष्या की भावनाएं भी अंतर्निहित होती हैं, किंतु ऐसी प्रतिस्पर्धा स्वस्थ नहीं कही जाती। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा वास्तव में उत्कृष्टता का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतिस्पर्धा की यही विशेषता इसे संघर्ष से अलग करती है। एक अन्य विशेष बात यह है कि प्रतिस्पर्धा किसी तंत्र विशेष तक ही सीमित रहती है। एक विशेष तरह की प्रतिस्पर्धा एक विशेष तंत्र में ही दृष्टिगोचर होती है। किसी व्यक्ति के साथ आपकी प्रतिस्पर्धा केवल तभी तक रहती है, जब तक आप उसके साथ किसी तंत्र को साझा करते हैं। किसी व्यक्ति द्वारा वह तंत्र छोड़ते ही प्रतिस्पर्धा स्वतः समाप्त हो जाती है। यह आवश्यक नहीं कि प्रतिस्पर्धा सदैव दूसरे व्यक्ति के साथ ही हो।

संकलित
प्रेरणा

मैं समुद्र के जल को समाप्त कर दूंगी

अगस्त्य नाम के ऋषि थे वे समुद्र के किनारे कठोर व्रत कर रहे थे, वहां से कुछ दूरी पर एक पक्षी अपने अंडों को से रहा था। उसी समय समुद्र में तूफान सी लहरे उठने लगी पानी चढ़ने लगा और पानी अपने साथ अंडो को बहा ले गया, पक्षी बहुत दुःखी हुआ और उसने प्रतिज्ञा की कि मैं समुद्र के जल को समाप्त कर दूंगी और अपने चोंच में सागर के जल को भर भर कर फेंकने लगी ऐसा करते करते उसे काफी समय बित गया समुद्र का जल घटा ही नही। वह दुःखी मन से अगस्त्य मुनि के पास गई और अपनी व्यथा सुना समुद्र को सुखाने की प्रार्थना की। अगस्त्य मुनि ने ध्यान से पक्षी की व्यथा सुनी और चिंता व्यक्त की। ऋषि विचार करने लगे की मैं कैसे इस पक्षी की सहायता कर सकता हूं। उन्हें चिंता होने लगी की मैं कैसे समुद्र के जल को पी कर सुखा सकूंगा। विचार करते हुए अगस्त्य मुनि ने गणेश जी का स्मरण किया और संकट चतुर्थी व्रत को पूरा किया। तीन मास व्रत करने से गणेश जी प्रसन्न हो गए। गणेशजी ने मुनि का मार्ग प्रशस्त किया चौथ व्रत की कृपा से अगस्त्य मुनि ने प्रेम से समुद्र को पी कर सुखा दिया और पक्षी की प्रतिज्ञा को पूरा किया। प्रतिज्ञा पूरी होने से पक्षी भी खुश हुआ।

सटाका

आज की पाती

ट्रंप-मोदी ने तैयार किया एआई विकास का रोडमैप

अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच जिस गर्मजोशी के साथ मुलाकात हुई, उसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। अपेक्षा के अनुरूप प्रधानमंत्री मोदी ने अमरीका के साथ अपने कारोबारी, कूटनीतिक एवं तकनीकी विकास से संबंधित हितों की जोरदार पैरवी की। एफ-35 लड़ाकू विमान पर डील और मुंबई आतंकी हमले से संबंधित कुख्यात आतंकी तहव्वुर राणा को प्रत्यपित करने का फैसला इस बैठक की बड़ी कामयाबी मानी जा सकती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में साथ मिलकर प्रगति करने को लेकर जो सहमति बनी है, वह निश्चय ही सराहनीय और भविष्य की कई उम्मीदें जगाने वाली है।

- विकास गुप्ता, रायगढ़

ट्रेंड

गांव की आर्थिकी मजबूत हों

किसी गांव या गांवों के समूह में एक ऐसी व्यवस्था बननी चाहिए, जहां खेतों में सूक्ष्म उद्योग हों और जो कृषि उपज में मूल्य जोड़ते हों, जो पशुधन और उत्पादित दूध में मूल्य जोड़ते हों। इससे एक स्थायी समाज विकसित करने में मदद मिलेगी। सूक्ष्म उद्योगों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो।

-जगदीप धनखड़, उपराष्ट्रपति

एक आदर्श राजनेता कर्पूरी

देश में जब भी सामाजिक न्याय और पिछड़े व वंचित वर्गों के अधिकारों की बात होती है, तो बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री 'भारत रत्न' कर्पूरी ठाकुर जी का नाम सदैव सम्मान के साथ लिया जाता है। वे एक आदर्श राजनेता रहे।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

कर्पूरी को विनम्र श्रद्धांजलि

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, सामाजिक न्याय के पुरोधा, 'जननायक' कर्पूरी ठाकुर जी वंचित वर्ग के अधिकारों के लिए आजीवन प्रतिबद्ध रहे। सामाजिक समता के लिए उनका संघर्ष और लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति उनका समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा।

-योगी आदित्यनाथ, सीएम यूपी

कार्यकर्ता निराश न हों

दिल्ली चुनाव भी दो पार्टियों के बीच ज्यादातर 'राजनीतिक द्वेष व चुनावी छलावा' ही बनकर रह गया। बसपा कार्यकर्ता दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणामों से निराश न हों और पूरे जोर-शोर से आंबेडकरवादी संघर्ष जारी रखें।

-मायावती, बसपा प्रमुख

करंट अफेयर

द. कोरिया ने डीपसीक के एआई ऐप पर लगाई रोक

चीन के कृत्रिम मेधा स्टार्टअप 'डीपसीक' के चैटबॉट ऐप को डाउनलोड करने पर दक्षिण कोरिया में अस्थाई तौर पर रोक लगा दी गई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। चीन के कृत्रिम मेधा स्टार्टअप 'डीपसीक' को लेकर चिंताएं हैं कि यह बेहद संवेदनशील जानकारी एकत्र कर रहा है। दक्षिण कोरिया के व्यक्तिगत सूचना संरक्षण आयोग ने कहा कि 'डीपसीक' के ऐप को शनिवार शाम को 'एप्पल' के ऐप स्टोर और 'गूगल प्ले' के स्थानीय संस्करणों से हटा दिया गया है। आयोग ने कहा कि कंपनी ने ऐप को पुनः लॉन्च करने से पहले गोपनीयता सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए एजेंसी के साथ काम करने पर सहमति व्यक्त की है। यह कार्रवाई उन उपयोगकर्ताओं को प्रभावित नहीं करेगी जिन्होंने पहले से ही अपने फोन पर 'डीकसीक' डाउनलोड कर लिया है या जो इसे निजी कंप्यूटर पर इस्तेमाल करते हैं। दक्षिण कोरियाई आयोग के जांच प्रभाग के निदेशक नैम सेओक ने देश में डीपसीक के उपयोगकर्ताओं को सलाह दी है कि वे अपने मोबाइल से ऐप को हटा दें या जब तक समस्या का समाधान नहीं हो जाता, तब तक उन उपकरणों में व्यक्तिगत जानकारी दर्ज करने से बचें जिसमें इन्हें डाउनलोड किया गया है।

ऑफ बीट

पालतू जानवरों को प्रभावित करेगा जलवायु परिवर्तन

तापमान का रिकार्ड दर्ज करने की शुरूआत के बाद से पृथ्वी ने अपने सबसे गर्म महीने का अनुभव किया है और ऑस्ट्रेलिया अब अल नीनो से प्रेरित गर्मियों का सामना करने की तैयारी कर रहा है। अत्यधिक गर्मी न केवल मनुष्यों के लिए चुनौतीपूर्ण है - यह हमारे प्यारे पालतू जानवरों के लिए भी कष्टप्रद होती है। जिस शोध में मैं शामिल था उसमें इस बात की जांच की गई कि जलवायु परिवर्तन पालतू जानवरों सहित सभी जानवरों को कैसे प्रभावित करता है। यह पालतू जानवरों पर ही नहीं बल्कि जंगली और पालतू जानवरों दोनों पर लागू होता है। मछलियाँ 'एक्टोथर्म्स' होती हैं - यानी, वे अपने शरीर के तापमान को नियंत्रित करने के लिए गर्मी के बाहरी स्रोतों का उपयोग करती हैं। इसलिए पालतू मछलियाँ आपके घर के एक्वेरियम के पानी के तापमान में बदलाव के प्रति संवेदनशील होती हैं, जो गर्मी के दौरान हो सकता है। पानी का अत्यधिक तापमान मछलियों को शारीरिक नुकसान पहुंचा सकता है। उदाहरण के लिए, यह मछली की चयापचय दर को बढ़ा सकता है - जिसका अर्थ है कि उसे सांस लेने के लिए अधिक ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। यह धीमी वृद्धि और कम भोजन जैसे परिवर्तन भी पैदा कर सकता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

सफल रहा पनडुब्बी का परीक्षण

मत्स्य-6000: देश की चौथी पीढ़ी की गहरे समुद्र में चलने वाली पनडुब्बी का परीक्षण हुआ पूरा, इस साल के अंत तक 500 मीटर का ट्रायल होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की चौथी पीढ़ी की गहरे समुद्र में चलने वाली मानव वैज्ञानिक पनडुब्बी मत्स्य-6000 ने कट्टपल्ली पोर्ट पर वेट टेस्टिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली है, जो डीप ओशन मिशन के तहत देश की समुद्रयान परियोजना में एक महत्वपूर्ण कदम है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत गहरे समुद्र मिशन पहलों के तहत राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा विकसित इस अत्याधुनिक पनडुब्बी को इसके कॉम्पैक्ट 2.1 मीटर व्यास वाले गोलाकार पतवार के भीतर तीन मनुष्यों को ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है और 2025 के अंत तक 500 मीटर की गहराई पर इसका परीक्षण किया जाएगा।

खास बातें

- 2025 के अंत तक 500 मीटर की गहराई पर परीक्षण किया जाएगा
- पानी के भीतर प्रकाश के लिए कैमरों के विशेष व्यवस्था
- सभी उप-प्रणालियों को स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किया गया है।

मत्स्य-6000 पनडुब्बी की खासियत

मत्स्य-6000 पनडुब्बी का डिजाइन पूरा होने के पश्चात इसकी कार्यक्षमता के लिए महत्वपूर्ण विभिन्न उप-प्रणालियों की पहचान की गई और उन्हें विकसित किया गया। पनडुब्बी में घटकों की एक व्यापक श्रृंखला है: जिसमें गोताखोरी के लिए एक बेलेस्ट सिस्टम तीनों दिशाओं में गति के लिए थ्रस्टर्स, बिजली की आपूर्ति के लिए एक बैटरी बैंक और पानी की सतह पर आने के लिए सिंटैक्टिक फोम शामिल है। इसमें एक परिष्कृत बिजली वितरण नेटवर्क, अत्याधुनिक नियंत्रण हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के साथ-साथ पानी के नीचे नेविगेशन डिवाइस भी शामिल हैं। संचार प्रणालियों में एक ध्वनिक मॉडेम, पानी के नीचे टेलीफोन और सतह संचार के लिए अति उच्च आवृति तरंगे (वीएचएफ) शामिल हैं।

पानी के भीतर रोशनी और कैमरों पर विशेष ध्यान

पनडुब्बी के अंदर, मानव जीवन-रक्षक प्रणालियों, विभिन्न पर्यावरणीय तथा महत्वपूर्ण मापदंडों की क्षमता के लाभ के लिए नेविगेशन जॉयस्टिक, साथ ही पनडुब्बी के बाहर विभिन्न समुद्र विज्ञान सेंसर, पानी के भीतर प्रकाश व्यवस्था और कैमरों पर विशेष ध्यान दिया गया है। इन सभी उप-प्रणालियों को स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया है और वर्तमान में इनका परीक्षण किया जा रहा हैं। अपनी बाहरी संरचना के भीतर सभी प्रणालियों की निर्बाध कार्यक्षमता को सुनिश्चित करने के लिए, 500 मीटर की परिचालन सीमा में शुष्क परीक्षणों की एक व्यापक श्रृंखला के सफल समापन के बाद, मत्स्य 6000 पनडुब्बी को 27 जनवरी से 12 फरवरी, 2025 के दौरान चेन्नई के पास कट्टपल्ली पोर्ट पर स्थित एलएंडटी शिपबिल्डिंग सुविधा में पानी के अंदर परीक्षण करने के लिए ले जाया गया।

परीक्षण में सभी जांच सफल

इन परीक्षणों का उद्देश्य कई महत्वपूर्ण मापदंडों पर मत्स्य 6000 की क्षमता का सावधानीपूर्वक आकलन करना था। मूल्यांकन के दौरान बिजली और नियंत्रण नेटवर्क की मजबूती, पनडुब्बी की स्थिरता, मानव सहायता और सुरक्षा प्रणाली और आगे तथा पीछे की गति पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अतिरिक्त, नेविगेशन और संचार क्षमताओं की जांच की गई। वैज्ञानिक पेलोड, जिसमें कई परिष्कृत समुद्र विज्ञान सेंसर शामिल थे, का पूरी तरह से परीक्षण किया गया और कार्यक्षमता की पुष्टि की गई। इस प्रदर्शन चरण में पनडुब्बी का पांच बार मानव सहित और पांच बार मानव रहित समुद्र की गहराई में जाना शामिल रहा।

खबर संक्षेप

समलैंगिक इमाम की गोली मारकर हत्या

केपटाउन। दुनिया के पहले घोषित समलैंगिक इमाम मुहसिन हेंड्रिक्स की शनिवार को दक्षिण अफ्रीका में

गोली मारकर हत्या कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक अन्य व्यक्ति के साथ कार से जा रहे थे, उसी वक्त उन पर हमला किया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इमाम की हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। जिस वक्त हेनिड्रक्स पर हमला किया गया वो एक समलैंगिक विवाह समारोह से लौट रहे थे। 57 साल के मुहसिन हेंड्रिक्स का जन्म दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में हुआ था।

सोने की खदान ढही 48 की मौत

माली। अफ्रीका महाद्वीप के देश माली में अवैध सोने की खदान ढहने से कम से कम 48 लोगों की

मौत हो गई। मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं हैं। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार हादसे की वजह से कई लोग पानी में गिर गए। माली अफ्रीका के सबसे ज्यादा सोना खनन करने वाले देशों में शामिल हैं। अक्सर अवैध रूप से सोना खोजने की तलाश में लोग हादसे का शिकार हो जाते हैं। जनवरी में दक्षिणी माली में एक सोने की खदान में भूस्खलन से कम से कम 10 लोग मारे गए थे ।

भारत ने खूब बेचे स्मार्टफोन 140 प्रतिशत बढ़ा निर्यात

नई दिल्ली। जनवरी में भारत का स्मार्टफोन निर्यात पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 140

प्रतिशत बढ़ा है। इंडस्ट्री एस्टिमेट के मुताबिक निर्यात से 25,000 करोड़ रुपए (3 बिलियन डॉलर) की रिकॉर्ड कमाई हुई है और इसकी एक अहम वजह एप्पल और सैमसंग जैसी टॉप टेक्नोलॉजी कंपनियों का अपनी सप्लाई चेन से विदेशों में शिपमेंट बढ़ाना रहा। स्मार्टफोन के नेतृत्व में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स सामान निर्यात में हाल के वर्षों में सरकार की उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की बदौलत तेजी आई है।

प्रदर्शनों के दौरान अत्याचार 41 पूर्व अधिकारी गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश में पुलिस ने 41 पूर्व अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। पूर्व अधिकारी छात्रों के नेतृत्व

वाले आंदोलन के दौरान अत्याचार करने के आरोपी 1,059 पूर्व पुलिसकर्मियों में शामिल हैं। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार इस आंदोलन की वजह से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिर गई थी और उन्हें देश से जाना पड़ा था। आरक्षण प्रणाली के खिलाफ छात्रों के भेदभाव विरोधी प्रदर्शन ने एक आंदोलन का रूप ले लिया था और हसीना की सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया था।

दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर होगी चर्चा

यूक्रेन जंग पर रूस-अमेरिका में आज हाई लेवल मीटिंग संभव, रूस ने पुष्टि की

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

यूरोपीय देश संघर्षविराम से जुड़ी अमेरिका तथा रूस के बीच चल रही बैठकों में सम्मिलित नहीं किए जाएंगे। इस बात से यूक्रेन तथा उसका साथ दे रहे यूरोपीय देशों को बेचैनी होनी स्वाभाविक है

यूक्रेन जंग के समाधान के लिए रूस और अमेरिका के बीच आज मंगलवार को सऊदी अरब में हाई लेवल मीटिंग हो सकती है। इसमें 2 रूसी अधिकारी शामिल होंगे। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने पुष्टि की है।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और पुतिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव सऊदी की राजधानी रियाद के लिए रवाना हुए। इस बीच खबर आ रही है कि इस शांति वार्ता के लिए यूक्रेन को नहीं बुलाया है। वहीं अमेरिका की तरफ से विदेश मंत्री मार्को रुबियो और यूक्रेन और रूस के लिए वाशिंगटन के विशेष दूत कीथ केलॉग इसमें शामिल होंगे। रुबियो सोमवार दोपहर को रियाद पहुंच चुके हैं। रुबियो अमेरिकी डेलिगेशन की अगुआई करेंगे। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार इस बैठक में अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकर माइकल वॉल्ट्ज और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ भी शामिल होंगे।

- बैठक में राष्ट्रीय सलाहकार माइकल भी शामिल होंगे
- पुतिन के विदेश मंत्री लावरोव रियाद के लिए रवाना
- वाशिंगटन के विशेष दूत केलॉग बैठक में शामिल होंगे

ट्रंप बोले- यूक्रेन जंग खत्म करना चाहते हैं पुतिन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को एक बयान में कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन यूक्रेन जंग को खत्म करना चाहते हैं। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि अभी समय तय नहीं हुआ है, लेकिन वो जल्द पुतिन से मुलाकात करेंगे। इससे पहले ट्रंप ने 11 फरवरी को फोन पर पुतिन के साथ बात की थी। इस दौरान दोनों के बीच जंग खत्म करने पर चर्चा हुई थी। दोनों ने तकरीबन डेढ़ घंटे तक बात की थी। ट्रंप ने बताया था कि वे सउदी अरब में पुतिन से मुलाकात कर सकते हैं।

दावा- मीटिंग में जेलेंस्की को नहीं बुलाया

यूक्रेन जंग पर शांति वार्ता के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को नहीं बुलाया गया है। इससे पहले अमेरिका के विशेष दूत कीथ केलॉग ने यूक्रेन के शामिल होने की बात कही थी। मीडिया के मुताबिक यूक्रेन को अभी तक वार्ता के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है। यूरोपीय देशों के नेताओं को भी इस वार्ता में शामिल होने के लिए नहीं बुलाया गया है।

गाजा युद्ध विराम समझौते पर चर्चा के लिए इजराइली टीम जाएगी काहिरा : नेतन्याहू

जेरूसलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि गाजा युद्ध विराम समझौते पर चर्चा के लिए एक वार्ता दल सोमवार को मिस्र की राजधानी काहिरा जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, नेतन्याहू ने अमेरिका के मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ के साथ फोन पर बात की, जिसके बाद उन्होंने एक इजरायली वार्ता दल को काहिरा के लिए रवाना होने का निर्देश दिया। बता दें मिस्र, कतर, संयुक्त राज्य अमेरिका की मध्यस्थता में समझौता हुआ है।

टीम सबसे पहले 'समझौते के पहले चरण को जारी रखने' पर चर्चा करेगी

बयान में कहा गया कि टीम सबसे पहले 'समझौते के पहले चरण को जारी रखने' पर चर्चा करेगी।' इसके मुताबिक सोमवार को होने वाली इजरायली सुरक्षा कैबिनेट की बैठक के बाद उन्हें 'दूसरे चरण के संबंध में वार्ता जारी रखने के निर्देश प्राप्त होंगे। गौरतलब हो, इजराइल और हमास को फरवरी की शुरुआत में दूसरे चरण पर बातचीत शुरू करनी थी। हमास ने 4 फरवरी को एक बयान में कहा कि उसने अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों के साथ चर्चा शुरू कर दी है, जबकि नेतन्याहू के प्रवक्ता ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि इजराइल ने अभी तक दूसरे चरण पर बातचीत शुरू नहीं की है।

मौलाना काशिफ अली को घर के बाहर मारी गोली

भारत के मोस्ट वांटेड आतंकी हाफिज सईद के साले की पाकिस्तान में हत्या

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

हाफिज सईद के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के राजनीतिक विंग के नेता मौलाना काशिफ अली की पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गोली मारकर हत्या कर दी गई है।

मीडिया को मिली जानकारी मुताबिक, काशिफ अली भारत के सबसे मोस्ट वांटेड आतंकी हाफिज सईद का साला था। पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग के नेता काशिफ अली को पख्तूनख्वा प्रांत के स्वाबी में उनके घर के दरवाजे पर गोली मारी गई। अज्ञात हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद मोटरसाइकिल पर सवार होकर भाग निकले। पीएमएमएल की स्थापना हाफिज सईद ने की थी। इसे लश्कर-ए-तैयबा की राजनीतिक शाखा के रूप में देखा जाता है। मौलाना काशिफ को हाफिज सईद का दाहिना हाथ समझा जाता था। पीएमएमल के प्रवक्ता ने काशिफ अली की मौत को आतंकवादी घटना बताया है। काशिफ अली की हत्या ने पाकिस्तान में सनसनी फैला दी है।

पाकिस्तान में भारत के दुश्मनों की हत्या

पिछले एक महीने में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकी मारे जा चुके हैं। इनमें दो की मौत सड़क दुर्घटना में हुई है। ये पहली बार नहीं है, जब पाकिस्तान में शीर्ष आतंकियों की अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी गई है। बीते कुछ सालों में पाकिस्तान के अंदर कई भारत विरोधी आतंकी अज्ञात बंदूकधारियों के हाथों मारे जा चुके हैं। द गार्डियन की रिपोर्ट में बताया गया था कि 20 से ज्यादा ऐसे आतंकियों की हत्या हुई है, जो भारत विरोधी समझे जाते थे।

गोलियां दागकर फरार हुए आरोपी

लश्कर-ए-तैयबा के खूंखार आतंकी और पॉलिटिकल चीफ मौलाना काशिफ अली की पाकिस्तान में हत्या कर दी गई है। बता दे कि काशिफ अली को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वाबी जिले में उसके ही घर के बाहर मौत के घाट उतार दिया गया। काशिफ अली, पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग राजनीतिक पार्टी का नेता भी था। इस पार्टी का सीधा संबंध लश्कर-ए-तैयबा से था। जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल पर कुछ अज्ञात हमलावर आए और काशिफ अली को उसके घर के बाहर ही गोलियों से भून दिया। इसके बाद वो अज्ञात हमलावर वहाँ से फरार हो गए।

भारत-ओमान संबंधों को बताया खास

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा- दोनों देशों के बीच और मजबूत होंगे रिश्ते

एजेंसी ▶▶ मस्कट

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ओमान दौरे पर हैं। सोमवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ओमान में आयोजित हो रहे आठवें हिंद महासागर सम्मेलन को संबोधति किया। डॉ. जयशंकर ने भारत और ओमान के कूटनीतिक संबंधों के 70 साल पूरे होने के अवसर पर एक लोगो भी लॉन्च किया। दोनों देशों की साझा विरासत पर एक किताब का विमोचन भी किया। वही विदेश मंत्री ने ओमान के विदेश मंत्री सैयद बद्र अलबुसैदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने पर बात की गई। विदेश मंत्री ने ओमान की सरकार को हिंद महासागर सम्मेलन आयोजित करने के लिए सराहा।

क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने पर फोकस

विदेश मंत्रालय ने बयान में बताया विदेश मंत्री आठवें हिंद महासागर सम्मेलन में उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। अपने संबोधन में विदेश मंत्री भारत के समर्पण को रेखांकित करेंगे, जिसमें क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने और स्थिर और समृद्ध हिंद महासागर क्षेत्र की बात कही गई है। विदेश मंत्री ने ओमान के विदेश मंत्री सैयद बद्र अलबुसैदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इन बैठकों में दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने पर बात की गई। विदेश मंत्री ने ओमान की सरकार को हिंद महासागर सम्मेलन आयोजित करने के लिए सराहा।

विभिन्न देशों के विदेश मंत्रियों से की मुलाकात

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ओमान के विदेश मंत्री के साथ मिलकर 'मांडवी टू मस्कट: भारतीय समुदाय और भारत और ओमान का साझा इतिहास' नामक किताब का विमोचन किया। इस किताब में ओमान में भारतीय मूल के लोगों के योगदान और सदियों पुराने दोनों देशों के लोगों के संबंधों पर प्रकाश डाला गया है। हिंद महासागर सम्मेलन से इतर डॉ. जयशंकर ने ब्रुनेई, बांग्लादेश, ईरान, भूटान, श्रीलंका, मालदीव और मॉरीशस, नेपाल के विदेश मंत्रियों से भी द्विपक्षीय मुलाकात की। इन बैठकों में क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर आपसी सहयोग और हिंद महासागर में समन्वय और सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

सेबू में सांस्कृतिक शिखर सम्मेलन का आयोजन

भारत और फिलीपींस के राजनयिक रिश्तों की स्थापना के 75 साल पूरे

एजेंसी ▶▶ सेबू

दक्षिण फिलीपींस के सेबू शहर में 'भारत-फिलीपींस सांस्कृतिक और शैक्षिक आदान-प्रदान शिखर सम्मेलन' आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भारत और फिलीपींस के राजनयिक रिश्तों की स्थापना के 75 साल पूरे होने पर किया गया। तमिल संत और कवि तिरुवल्लुवर की एक प्रतिमा का अनावरण किया गया। राजदूत हर्ष कुमार जैन ने शनिवार को सेबू के गुल्लास कॉलेज ऑफ मेडिसिन (जीसीएम) में तमिल संत और कवि तिरुवल्लुवर की प्रतिमा का अनावरण किया।

कार्यक्रम में भारत और फिलीपींस के विशिष्ट अतिथि शामिल हुए

शाम को भारतीय और फिलिपिनो सांस्कृतिक दलों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं और गणमान्य व्यक्तियों ने लोगों को संबोधित किया। कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति ग्लोरिया मैकापगल अरोयो, केंद्रीय, प्रांतीय और शहरी सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, राजनयिक, भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य, भारत और फिलीपींस के अन्य विशिष्ट अतिथि शामिल हुए।

5 देशों के राजदूतों को परिचय पत्र सौंपे

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से नई दिल्ली में कंबोडिया की राजदूत रथ मैनी ने परिचय पत्र प्राप्त किया। इस मौके पर पांच अन्य देशों को भी पत्र प्रदान किए गए।

योग के प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले होंगे पुरस्कृत

प्रधानमंत्री योग पुरस्कार 2025 के लिए नामांकन शुरू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आयुष मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के 2025 के संस्करण (आईडीवाई 2025) के लिए प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री योग पुरस्कारों के लिए नामांकन शुरू करने की घोषणा की है। पुरस्कार उन लोगों और संगठनों दिया जाता है जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग के प्रचार-प्रसार और विकास में महत्वपूर्ण और निरंतर योगदान दिया है। आयुष मंत्रालय आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी सहित चिकित्सा और कल्याण की पारंपरिक प्रणालियों को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

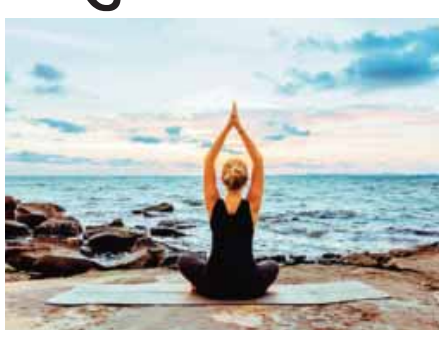

25 लाख रुपए के पुरस्कार से नावाजा जाएगा

आयुष के अनुसार ये पुरस्कार राष्ट्रीय व्यक्ति, राष्ट्रीय संगठन, अंतर्राष्ट्रीय व्यक्ति और अंतर्राष्ट्रीय संगठन श्रेणियों में प्रदान किए जाएंगे, जिसके तहत प्रत्येक विजेता को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और 25 लाख रुपये के नकद पुरस्कार से नवाजा जाएगा। प्रधानमंत्री योग पुरस्कारों का उद्देश्य समाज पर योग के गहन प्रभाव को सम्मानित करने के लिए स्थापित, इस क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान का जश्न मनाने, रोगों की रोकथाम, स्वास्थ्य संवर्धन और जीवनशैली से संबंधित विकारों के प्रबंधन में योग की भूमिका को सुदृढ़ करना है।

निर्णायक मंडल में विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियां शामिल होंगी

आपको बता दें, यह लिंक आयुष मंत्रालय की वेबसाइट और इसके स्वायत्त निकायों की वेबसाइटों पर भी उपलब्ध होगा। संस्थाएं सीधे आवेदन कर सकती हैं या किसी प्रमुख योग संगठन द्वारा नामांकित हो सकती हैं। प्रत्येक आवेदक/नामांकित व्यक्ति प्रति वर्ष केवल एक श्रेणी (राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय) के लिए आवेदन कर सकता है। आयुष मंत्रालय द्वारा गठित स्क्रीनिंग कमेटी सभी आवेदनों की समीक्षा करेगी मूल्यांकन करने वाले निर्णायक मंडल को प्रत्येक पुरस्कार श्रेणी में अधिकतम 50 नामों की सिफारिश करेगी। निर्णायक मंडल में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल होंगी।

प्रणालियों को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए समर्पित

आयुष मंत्रालय आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी सहित चिकित्सा और कल्याण की हमारी पारंपरिक प्रणालियों को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत ने ग्रहण कराई शपथ

हाई कोर्ट में न्यायमूर्ति आशीष श्रोती ने संभाला पदभार

जबलपुर। हाई कोर्ट में सोमवार को नव नियुक्त न्यायमूर्ति आशीष श्रोती ने पदभार संभाल लिया। इससे पूर्व गरिमामय समारोह में शपथ ग्रहण की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व प्रशासनिक न्यायाधीश संजीव सचदेवा सहित अन्य न्यायमूर्ति मंचासीन थे।

सर्वप्रथम रजिस्ट्रार जनरल धरमिंदर सिंह ने नियुक्ति-पत्र का वाचन किया। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत ने विधिवत शपथ ग्रहण कराई। महाधिवक्ता कार्यालय से अतरिक्त महाधिवक्ता जान्हवी पंडित, केन्द्र शासन की ओर से उप महान्यायवादी पुष्पेंद्र कुमार यादव, एमपी स्टेट बार काउंसिल के चेयरमैन राधेलाल गुप्ता, हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, जबलपुर के अध्यक्ष धन्य कुमार जैन, हाई कोर्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता संजय अग्रवाल, सीनियर एडवोकेट काउंसिल की अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा मेनन सहित अन्य ने नव नियुक्त न्यायमूर्ति आशीष श्रोती के व्यक्तित्व-कृतित्व को रेखांकित किया। साथ ही न्याय-जगत में नव प्रतिमान दर्ज करने की अपेक्षा सहित शुभाकांक्षाएं अभिव्यक्त कीं।

न्यायदान बड़ी जिम्मेदारी : सीजे कैत

मुख्य न्यायाधीश कैत ने कहा कि नव नियुक्त न्यायमूर्ति श्रोती के कांधों पर बड़ी जिम्मेदारी आई है। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि वे विधि के ज्ञान का सदुपयोग कर नव कीर्तिमान दर्ज करेंगे। कोई कोर-कसर शेष नहीं रखूंगा : न्यायमूर्ति श्रोती नव नियुक्त न्यायमूर्ति श्रोती ने कहा कि जो जिम्मेदारी सौंपी गइ्र है, उसे पूर्ण मनायोग से पूर्ण करूंगा। कोई कोर-कसर शेष नहीं रखूंगा। सहज, सुलभ व त्वरित न्यायदान प्रणाली की दिशा में नवाचार मेरी वरीयता होगी।

हाई कोर्ट में पदस्थ जजों की संख्या हुई 34

वर्तमान में हाई कोर्ट में जजों के कुल स्वीकृत 53 पदों के मुकाबले 33 जज पदस्थ हैं। अब एक इजाफे के साथ यह संख्या 34 हो गई है। इस तरह कुल रिक्त पद 20 से घटकर 19 हो गए हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि निकट भविष्य में नई नियुक्तियों के साथ यह अंतर और कम हो जाएगा।

गुरु तेगबहादुर खालसा कॉलेज ने ग्राम गंगई में लगाया विशेष शिविर

जबलपुर। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के अंतर्गत ग्राम गंगई में सात दिवसीय (10 से 16 फरवरी तक) विशेष शिविर आयोजित किया, जिसमें महाविद्यालय के 50 विद्यार्थियों ने स्वयं सेवक के रूप में कार्य किया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण विकास, स्वच्छता, स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना था। 16 फरवरी को इस विशेष शिविर का समापन समारोह प्राचार्य डॉ. आरएस चंडोक के मार्गदर्शन में उत्साह से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एनएसएस जिला संयोजक डॉ. आनंद सिंह राणा, ग्राम सरपंच जानकीबाई राजपूत तथा वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. रोहित वर्मा, डॉ. संजय गुप्ता व डॉ. प्रवीण मानकर उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी आसिफ बेग ने सात दिवसीय शिविर की गतिविधियों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. आनंद सिंह राणा ने स्वयं सेवकों के कार्यों को सराहा।समापन समारोह में स्वयं सेवकों ने शिविर के दौरान प्राप्त अपने अनुभव साझा किए तथा स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण के तहत पौधारोपण किया। शिक्षा जागरूकता के अंतर्गत ग्राम के बच्चों एवं महिलाओं की साक्षरता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस शिविर के दौरान स्वयं सेवकों ने नुक्कड़ नाटक, गीत एवं अन्य प्रेरणाप्रद प्रस्तुतियां दी। अतिथियों ने सभी स्वयंसेवकों को मैडल से सम्मानित किया गया।

खटवानी सुजुकी में लॉंच हुई न्यू एक्सेस 125

जबलपुर। भारत की सबसे ज्यादा लोकप्रिय 125 सीसी फेमिली स्कूटर एक्सेस 125 के नए अवतार की लॉंचिंग जबलपुर के अधिकृत डीलर खटवानी सुजुकी में उत्तर मध्य क्षेत्र के विधायक अभिलाष पांडे द्वारा की गई। नई डिलाइन, ज्यादा बड़ी डिक्की, ज्यादा माइलेज और ज्यादा फीचर्स वाली नई एक्सेस 125 की पहले ही दिन 101 डिलीवरी खटवानी सुजुकी द्वारा की गई। ऑल न्यू सुजुकी एक्सेस 125 की विशेषता बताते हुए खटवानी सुजुकी के डायरेक्टर रोहित खटवानी ने बताया कि ऑल न्यू एक्सेस 125 में पिकअप भी, माइलेज भी शानदार गुणवत्ता के साथ आधुनिक तकनीक युक्त ऑल न्यू इंजन शांत स्टार्ट के लिए ओवररनिंग क्लच से रोलर टाइप वन-वे क्लच में बदलाव, कम आरपीएम पर ज्यादा टॉर्क 10 Nm@5500 rpms से बढ़ाकर 10.2 Nm@5000 rpm कर दिया गया है, बेहतर माइलेज दक्षता में अब 1.4% की वृद्धि हुई। सुजुकी मोटरसाइकल के एरिया मैनेजर (सेल्स) मयंक सोनी ने बताया कि अपडेट किया गया डिजिटल कंसोल जिसमें कैलेंडर अलर्ट और बारिश अलर्ट दिया गया है, नया राइड कनेक्ट एप्लीकेशन मौसम अपडेट, दस्तावेजों के लिए डिजिटल वॉलेट, आवधिक वाहन सेवा अलर्ट, ईंधन की खपत और नवीनीकरण अलर्ट दिया गया है।

सैनिक अस्पताल जबलपुर ने सूर्य ट्रॉफी जीती

सर्वश्रेष्ठ जोनल अस्पताल का मिला खिताब

जबलपुर।

मुख्यालय मध्य भारत एरिया के अधीनस्थ सैनिक अस्पताल जबलपुर को प्रतिष्ठित सूर्या ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है, जो सशत्र बलों और समुदाय के भीतर स्वास्थ्य सेवाओं, रोगियों की देखभाल और चिकित्सा नवाचार में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता को मान्यता देता है ।

यह पुरस्कार लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता, जीओसी-इन-सी सेंट्रल कमांड द्वारा ब्रिगेडियर पवन शर्मा, कमांडेंट, सैनिक अस्पताल जबलपुर और यूनिट के सूबेदार मेजर अशीम साहा को बरेली में आयोजित एक शानदार सेंट्रल कमांड अलंकरण समारोह के दौरान प्रदान किया गया । यह पुरस्कार सैनिक अस्पताल जबलपुर के सैन्य कर्मियों, दिग्गजों और नागरिकों को आपात स्थिति के दौरान शीर्ष स्तरीय चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए अटूट समर्पण का प्रमाण है । अस्पताल का मूल्यांकन स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, रोगियों की संतुष्टि, नवाचार, बुनियादी ढांचे और क्षेत्र के स्वास्थ्य सेवा परिद्रश्य पर समग्र प्रभाव सहित प्रमुख मानदंडों के आधार पर किया गया था। लेफ्टिनेंट जनरल पी एस शेखावत, जनरल अफसर कमांडिंग, मध्य भारत एरिया ने इस महत्वपूर्ण पुरस्कार के लिए सैन्य अस्पताल, जबलपुर को बधाई दी।

निःशुल्क नेत्र शिविर 22 को

जबलपुर। साकेतवासी नृसिंहपीठाधीश्वर महंत रामचंद्रदास की स्मृति मे निःशुल्क नेत्र शिविर आगामी 22 फरवरी को सुबह 9 बजे से स्वामी नरसिंह देवाचार्य के सानिध्य में नरसिंह मन्दिर में आयोजित किया गया। शिविर में नगर के ख्यातिलब्ध नेत्र चिकित्सक राष्ट्र भक्त समाजसेवी डा पवन स्थापक और उनकी टीम अपनी सेवाएं देगी। शिविर का लाभ उठाने की अपील श्याम साहनी,अशोक मनोध्या, गुलशन मखीजा, लकी भाटिया, हैप्पी परमार , हरकेश ठाकुर सहित नरसिंह मंदिर गीता धाम भक्त परिवार,सनातन धर्म महासभा जबलपुर ने की है।

वीर अब्दुल हमीद का नाम हटाकर पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय लिख दिया! जताई आपत्ति

जबलपुर। सांसद प्रतिनिधि, पूर्व पार्षद सैय्यद ताहिर अली ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि शिक्षा विभाग धामूपुर स्थित परमवीर चक्र विजेता, बलिदानी शहीद अब्दुल हमीद के नाम पर बने विद्यालय का नाम बदल दिया गया। इसी प्रायमरी स्कूल में शहीद अब्दुल हमीद ने शिक्षा प्राप्त की, इस स्कूल का नाम बदल जाने से देश स्तब्ध है उनके परिवार के लोगों ने इस पर आपत्ति जताई है, बताया गया 1965 के भारत- पाकिस्तान के युद्ध में अमेरिका के अजेय समझे जाने वाले सात पैटर्न टैंकों को ध्वस्त किया था वीर अब्दुल हमीद ने, प्रायमरी स्कूल 5वीं तक की शिक्षा इसी स्कूल में प्राप्त की, 1982 में गांव उच्च प्राथमिक विद्यालय की स्थापना की गई, 2019 में प्राथमिक और जूनियर स्कूलों को मिलाकर कंपोजिट विद्यालय बना दिया गया। जनपद के 16 ब्लॉकों में पीएमश्री के दो-दो विद्यालय चयनित किए गए थे जिसमें धामूपुर के वीर अब्दुल हमीद विद्यालय को 2023 में चुना गया था, इसी साल जनवरी में पीएमश्री के चयनित विद्यालयों की रंग-पुताई हुई और अभी कुछ दिन पूर्व स्कूल के द्वार पर वीर अब्दुल हमीद का नाम हटा कर पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय धामूपुर लिख दिया गया जो कि बहुत शर्मनाक बात है। ताहिर अली ने कहा कि परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद के नाम पर बने विद्यालय का नाम बदल देना अगर इस बात पर देश भक्तों को बुरा नहीं लग रहा है, तो समझ लो उनकी देश भक्ति पर सवाल उठता है? मैं उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार से निवेदन करता हूँ कि जल्द से जल्द इस निर्णय को वापस लेकर इस विद्यालय का नाम अब्दुल हमीद के नाम पर फिर से किया जाए।

संकुल प्राचार्य पनागर ने नियमित शिक्षिका को सेवानिवृत्त बताते किया वेतन से वंचित

जबलपुर। संकुल प्राचार्य पनागर द्वारा शिक्षक की जन्म तारीख में गलत जानकारी फीड करके कलावती यादव को जुलाई 2024 से सेवानिवृत्त बताते हुए वेतन से वंचित कर दिया गया। प्रमुख पेंशनर्स एसोसियेशन ने बताया कि कलावती यादव, सहायक शिक्षिका को माध्यमिक शाला रिछाई जबलपुर में नियमित रूप से कार्यरत रहने के उपरांत भी जुलाई 2024 से वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा है, जिससे संबंधित शिक्षिका को वेतन के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। शिक्षिका द्वारा बताया गया कि उन्होंने वेतन के लिए निरंतर अपने संकुल प्राचार्य पनागर से बार-बार अनुरोध किया, लेकिन वेतन का भुगतान नहीं हो पा रहा है तथा जन्मतिथि सुधार के लिए अब यह कहा जा रहा है कि जब तक मप्र शासन स्तर पर ऑनलाइन इसका सुधार नहीं होगा, तब तक वेतन संबंधित को प्राप्त नहीं होगा। संगठन ने जबलपुर जिला के शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी का ध्यान आकर्षित कराया है कि इस प्रकरण को त्वरित गति से निराकृत कराते हुए कार्यरत शिक्षिका को यथाशीघ्र जुलाई 2024 से वेतन भत्ते का भुगतान कराया जाए तथा इस गंभीर प्रकरण में जो भी दोषी हैं उनके विरुद्ध तत्काल निलंबन की कार्यवाही की जाए।

संत नामदेव सामुदायिक भवन में सामूहिक सुहागल कार्यक्रम सम्पन्न

जबलपुर। संत नामदेव सामुदायिक भवन त्रिमूर्ति नगर दमोहनाका जबलपुर में महिला मंडल अध्यक्ष सविता नामदेव के द्वारा 17 फरवरी सोमवार को सामूहिक सुहागल कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें नगर की 101 मातृ शक्तियों द्वारा बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया। कार्यक्रम में विधि-विधान से पूजन अर्चन के साथ भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया। संत नामदेव समाज समिति अध्यक्ष सुधीर नामदेव द्वारा सभी मातृशक्तियों का आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला मंडल के साथ-साथ समाज के वरिष्ठ गिरधारी लाल नामदेव, ओमप्रकाश नामदेव, संदीप कौशल, अजय क्षत्री, अनुराग नामदेव, अनुराग घुरादिया आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

हिंदू महिला को भगा ले गया असलम खान!

हिन्दू धर्मसेना ने तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग

जबलपुर। यादव कॉलोनी, जबलपुर निवासी हिंदू महिला श्रीमती आरती बर्मन, जो दो बच्चों की मां हैं, को असलम खान (निवासी अलीगढ़, उत्तर प्रदेश) द्वारा बहला-फुसलाकर भगाने की घटना सामने आई है। इस गंभीर मामले में पीड़ित परिवार न्याय के लिए भटक रहा है, लेकिन क्षेत्रीय प्रशासन से कोई सहयोग नहीं मिल रहा है। इस मामलें में पीड़ित पति राजेश बर्मन को अपने साथ ले जाकर यादव कालोनी पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया गया, लेकिन पुलिस चौकी से थाने और थाने से चौकी घुमाती रही। इसके बाद हिन्दू धर्मसेना ने मामलें में संज्ञान लेकर पुलिस अधीक्षक के नाम एक ज्ञापन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप शेंडे को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि अब तक परिवार को यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि उनकी लिखित शिकायत पर एफआईआर दर्ज हुई है या नहीं।

ज्ञापन में मांग की गई है कि तत्काल एफआईआर दर्ज कर दोषी असलम खान के खिलाफ लव जिहाद की कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। आरती बर्मन को शीघ्र खोजकर सुरक्षित उनके परिवार को सौंपा जाए। पीड़ित परिवार को परेशान करने के बजाय न्याय दिलाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं।

हिन्दू धर्म सेना के प्रदेश अध्यक्ष योगेश अग्रवाल ने कहा - अगर प्रशासन ने जल्द कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, तो हिंदू धर्म सेना और समाज के अन्य जागरूक नागरिक इस मामले में बड़ा जन आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष योगेश अग्रवाल, प्रदेश संयोजक अर्पित सिंह ठाकुर, नीरज राजपूत, राजकुमार शर्मा, अधि. मोहित अग्रवाल, आदि उपस्थित रहे।

इनोवेशन डिज़ाइन एंड एंटर प्रेन्योरशिप बूट कैंप का दूसरा चरण ज्ञान गंगा संस्थान में सम्पन्न

जबलपुर। ज्ञान गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज में आयोजित "इनोवेशन डिज़ाइन एंड एंटर प्रेन्योरशिप बूट कैंप" के दूसरे चरण का उद्घाटन समारोह शानदार तरीके से हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन एआईसीटीई और शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल द्वारा प्रायोजित किया गया है। इस अवसर पर सभी मेहमानों और प्रतिभागियों का स्वागत प्राचार्य डॉ. रविंद्र वी. क्षीरसागर ने किया और बूट कैंप के उद्देश्य और थीम पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आशीष दुबे, सांसद जबलपुर थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज के युवा भारत के भविष्य हैं और इस बूट कैंप के माध्यम से छात्र अपनी नवाचारों को प्रदर्शित कर सकते हैं। इस मौके पर जबलपुर नगर निगम के महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नु' ने सभी युवा प्रतिभागियों को बधाई दी और कहा कि ये युवा अपने स्टार्टअप्स के माध्यम से नौकरियां पैदा करेंगे। डॉ. राजनीत जैन सचिव ज्ञान गंगा ग्रुप ने कहा कि यह बूट कैंप छात्रों को सही दिशा देगा, ताकि वे उद्यमी बन सकें। इस कार्यक्रम में डॉ. पंकज गोयल, इंजीनियर अपूर्व सिंघई, इंजीनियर विशेष जैन, डॉ. अशोक वर्मा (SPOC), डॉ. कीर्ति विश्वकर्मा, डॉ. रुचि पांडे, डॉ. मनप्रीत कौर, डॉ. नरेंद्र शुक्ला, डॉ. रितु आहलुवालिया, डॉ. प्रीति राय, डॉ. टी.के. मिश्रा, प्रो. अनुभव राय, प्रो. प्रज्ञान जैन, प्रो. राजीव चौहान, डॉ. भवना जैन, प्रो. याशा दुबे, प्रो. वेदांत श्रीवास्तव, प्रो. विजय कर्माकर, डॉ. मेघना उतमल, डॉ. सुमित नेमा, प्रोफेसर सौरभ जैन, डॉ. सुयश दुबे, डॉ. मेघा वर्मा, डॉ. प्रदीप गोल्हानी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों और छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया और इसे सफल बनाया।

श्रीकृष्ण के अवतार लेते ही श्रोता भक्ति में हुए लीन

जबलपुर। श्रीमद् भागवत साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ का भव्य और दिव्य आयोजन मां नर्मदा के दक्षिण में स्थित चरगवां ग्राम पंचायत परासिया में किया जा रहा है। दिनांक 13 फरवरी से कथा व्यास पूज्य गुरुदेव पं. ब्रह्मानंद तिवारी के मुखारबिंद से भगवान की लीलाओं का श्रीवचन सुनने का अवसर सभी भक्तों को प्राप्त हो रहा है। आज भागवत कथा के चतुर्थ दिवस भगवान श्री कृष्ण के जन्म अवतार के भक्तिमय वर्णन ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य यजमान डेलन प्रसाद पटेल, गयाप्रसाद गैनाबाई पटेल, लेखराम गुड्डीबाई पटेल, केवल प्रसाद ताराबाई पटेल एवं अजय रागिनी पटेल (सरपंच), दिलीप अंजली पटेल ने स्वागत वंदन किया। इस अवसर पर लक्ष्मीकांत शुक्ला 'बबुआ भैया' (महामंत्री म.प्र. कांग्रेस कमेटी), राम पटेल (प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा बीजेपी), ठाकुर विक्रम सिंह (पूर्व जनपद अध्यक्ष पाटन), चन्द्र किरण गोस्वामी (अध्यक्ष जनपद पंचायत जबलपुर), मुन्नीबाई उइके (सदस्य जिला पंचायत जबलपुर), मुकेश पटेल (मालगुजार पड़रिया), प्रकाश शुक्ला, संतोष चौकसे (ब्लाक अध्यक्ष कांग्रेस-बरगी), कमला पटेल (सरपंच चौरई), विकास

लम्हेटा पुल के लिए 416वां ज्ञापन आज

जबलपुर। जबलपुर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा महाकुंभ का आयोजन हुआ जिसमें लाखों की संख्या में नर्मदा भक्तों ने पंचकोषी परिक्रमा की। लम्हेटाघाट सरस्वती घाट का पुल शीघ्र बने 25 हजार नर्मदा भक्तों के हस्ताक्षर का ज्ञापन 18 फरवरी सुबह 11:00 बजे 416 वा ज्ञापन संभुक्त कार्यालय में अभय वर्मा एवं कलेक्टर दीपक सक्सेना को दिया जाएगा जिसकी प्रतिलिपि कैबिनेट मंत्री पी डब्लू डी राकेश सिंह मुख्यमंत्री मोहन यादव को दी जाएगी। उपस्थिति की अपील नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल डॉ शिवशंकर पटेल पं मनमोहन दुबे श्याम मनोहर पटेल विनोद दीवान मनोज गुलाब बनी सुरेश विश्वकर्मा कैलाश विश्वकर्मा मोहित तिवारी ने की।

लेनार्ड स्कूलः 12वीं के छात्रों का विदाई समारोह संपन्न

जबलपुर।

लेनार्ड एचएस स्कूल सिविल लाइन के कक्षा 12वीं के वाणिज्य, गणित विज्ञान, आईपी, कला के छात्रों के लिए फेयरवल समारोह आयोजित किया गया। समारोह की शुरुआत में रेनु गुप्ता और सुजाता एंथोनी ने कक्षा 12वीं के छात्रों का तिलक लगाकर और उन पर गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा करके गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित अतिथियों का गुलदस्ता से स्वागत किया गया। समारोह के दौरान उपस्थित छात्रों ने सक्रिय रूप से बड़ी संख्या में भाग लिया, लड़कियों के लिए म्यूजिकल चेयर और सभी के लिए एलिमिनेशन डांस, कुछ ऐसे खेल थे जिनका छात्रों ने भरपूर आनंद लिया। समारोह के दौरान कई विद्यार्थियों ने बचपन से स्कूल में होने की अपनी यादों को व्यक्त किया और अपने शिक्षकों की प्रशंसा की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मिस्टर लेनार्ड और मिस लेनार्ड 2025 की प्रतियोगिता थी। प्रतियोगिता के लिए उपस्थित निर्णायकों में राजेन्द्र रायकवार, मिस लतीशा किम और मिस पूजा विश्वकर्मा थीं। मिस्टर लेनार्ड 2025 को मास्टर कृष पांडे 12वीं मैथ्स ने जीता और मिस लेनार्ड 2025 का ताज मिस पवनी 12वीं कामर्स ने जीता।

प्रिंसिपल एलजी लोबो ने अपने भाषण में छात्रों को जीवन में प्रगति करने और अपने भविष्य के प्रयासों में स्कूल के शिक्षकों द्वारा सिखाए गए नैतिक मूल्यों और नैतिकता को ध्यान में रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि लियोनार्ड में आपके शिक्षकों ने आपको अपनी जड़ें दी हैं, अब अपने पंख फैलाएं और उड़ें। उन्होंने सभी छात्रों को उनकी आने वाली 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं भी दी। इसके बाद बच्चों को उनके स्कूली जीवन की याद में स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम का समापन खेलों के विजेताओं के जलपान और पुरस्कार वितरण के साथ हुआ।

डाक्यूमेंट गुम सूचना

मै, ललित कोहली पिता स्व. किशनलाल कोहली उम्र करीब 62 वर्ष, निवासी मं. नं. 1311 गौशाला आम्बेडकर वार्ड रांझी, तहसील व थाना- रांझी, जबलपुर म.प्र. का शपथ पूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ यह कि, मैं उपरोक्त पते पर निवास करता हूँ। यह कि दिनांक 10.02.2025 को मैं अपने घर से मस्ताना चौक रांझी, फोटो कापी कराने के लिए गया था पन्नी के बैग में मेरे रिलायंस इंड्रस्ट्रीज के शेयर सर्टीफिकेट जो कि मेरे पिता स्व. किशलाल कोहली एंव माता स्व. मोतियारानी कोहली के नाम के दस्तावेज एवं अन्य कुछ आवश्यक दस्तावेज रखे हुए थे जो कि पन्नी का बैग रास्ते में गिर गया है। काफी खोजने के पश्चात प्राप्त नहीं हो सका। उक्त दस्तावेजों का किसी के द्वारा दुरूपयोग न किया जा सके इसलिए उक्त दस्तावेजों के गिर जाने (गुम हो जाने की सूचना संबंधित थाना प्रभारी, रांझी को माध्यम से दी जा रही है।

शपथकर्ता

नाम सुधार सूचना

मैं कशिश बुधरानी उम्र लगभग 32 वर्ष पिता स्व. श्री मोहनलाल मेलवानी निवासी- म.नं.513, शांति नगर, गली नं. 14, राजीव गांधी वार्ड, जिला-जबलपुर (म.प्र.) शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूँ कि :- यह कि मैं उक्त पते की स्थायी निवासी हूँ। मेरा आधार नं.8374 0271 5071 एवं पासपोर्ट नं. U1552906 है। यह कि विवाह के पूर्व मेरा नाम नेहा मेलवानी पिता स्व. श्री मोहन लाल मेलवानी निवासी - म.नं. 92, संत कवरराम वार्ड, खेबर लाईन, पुरानी कटनी म.प्र. है। मेरा विवाह श्री विनय कुमार बुधरानी पिता श्री राजकुमार बुधरानी निवासी म.नं.513, शांति नगर, गली नं. 14, राजीव गांधी वार्ड, जिला-जबलपुर (म.प्र.) के साथ दिनांक 17.01.2020 को संपन्न हुई है। विवाह पश्चात मेरा नाम मेरे आधार कार्ड में कशिश बुधरानी दर्ज है। जो कि सत्य एवं सही है। यह कि मुझे वर्तमान में श्रीमती कशिश बुधरानी पति श्री विनय कुमार बुधरानी के नाम से जाना एवं पहचाना जावे। जिस वास्ते यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

दिनांक-17/02/2025

शपथकर्ता

खुशहाल मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश में उद्योग लगाने और उसके संचालन के लिए बुनियादी ढांचा बेहद मजबूत और सुगम

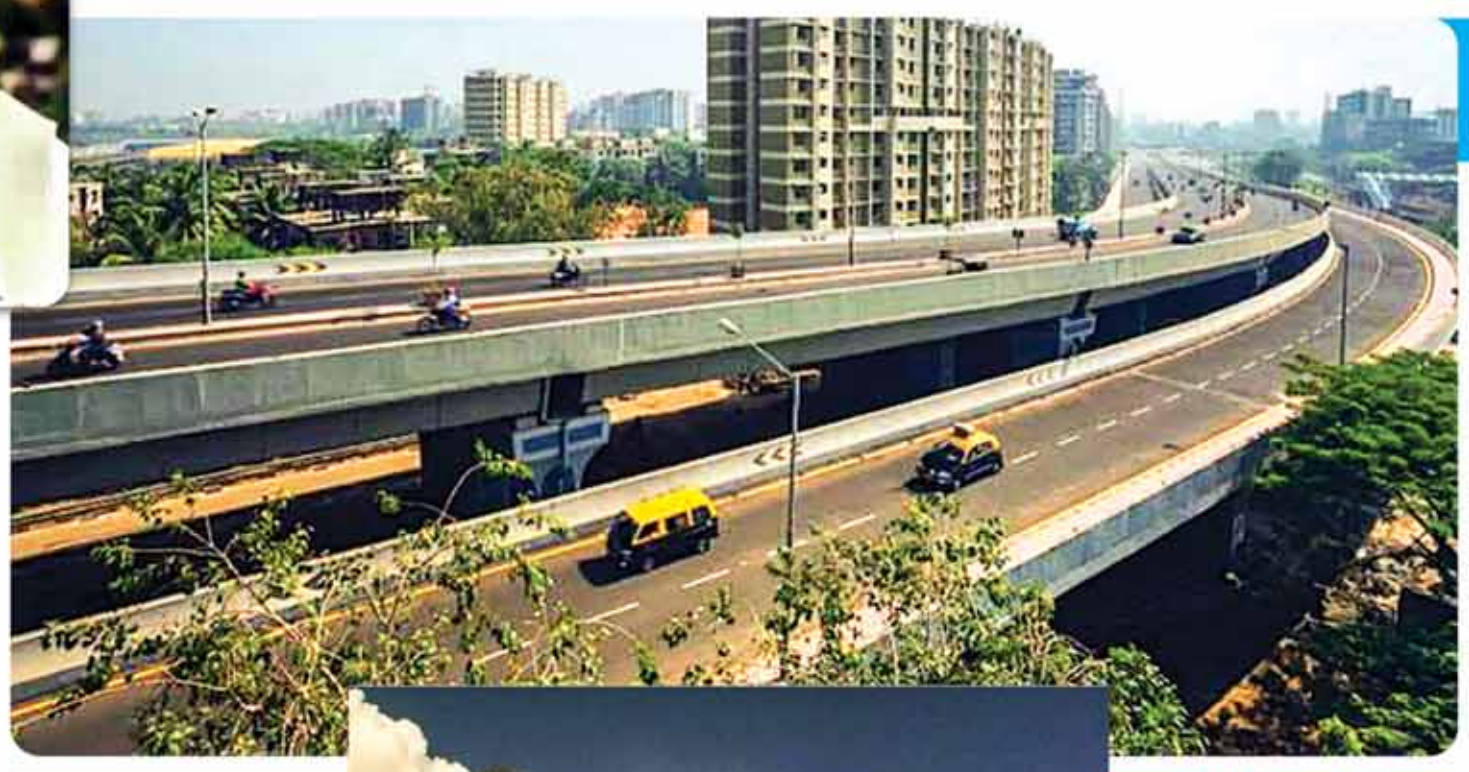

वो सबकुछ मौजूद है जो उद्योगों के लिए जरूरी है

- मध्यप्रदेश में 3 लाख किलोमीटर से अधिक फैला हुआ विस्तृत सड़क नेटवर्क है। यहां 5 वाणिज्यिक हवाई अड्डे और 26 हवाई पट्टियों की व्यवस्था है।
- प्रदेश में 1.25 लाख एकड़ से अधिक औद्योगिक भूमि उपलब्ध है। इसके साथ 112 विकसित या विकासशील औद्योगिक क्षेत्र और 14 ग्रीनफील्ड साइट्स मौजूद हैं।
- राज्य जल-आपूर्ति के क्षेत्र में भी अग्रणी है। यहां 1,000 एमसीएम से अधिक प्रचुर औद्योगिक जल आपूर्ति की उपलब्धता है।
- प्रदेश में प्रतिस्पर्धी टैरिफ के साथ 24गुणा7 स्थिर बिजली आपूर्ति की जाती है।चुनिंदा औद्योगिक क्षेत्रों के लिए राज्य सरकार विशेष सुविधा भी देती है।
- मध्यप्रदेश में प्रमुख औद्योगिक केंद्रों के पास आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, ग्लोबल स्किल पार्क, आईटीआई और मेगा आईटीआई की उपस्थिति है।
- राज्य खाद्यान्न, दलहन, तिलहन, सब्जियों और फलों का अग्रणी उत्पादक है।

मध्यप्रदेश में विश्व की बड़ी-बड़ी कंपनियां, बिजनेस लीडर्स, उद्योगपति, निवेशक और विशेषज्ञ, यह सभी एक मंच पर साथ आ रहे हैं। यह मंच है वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन (ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट यानी जीआईएस)। राज्य में निवेश के अनंत अवसरों को प्रदर्शित करने वाला यह महासम्मेलन 24 एवं 25 फरवरी 2025 को राज्य की राजधानी भोपाल में आयोजित हो रहा है। भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए दृढ़संकल्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आयोजन का शुभारंभ करेंगे। प्रदेश के विकास को नई उंचाईयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश निवेश की अनंत संभावनाओं के साथ निवेशकों को आकर्षित करने के लिए तैयार है। देश के मध्य में स्थित मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण राज्य है। यह क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का दूसरा और जनसंख्या के हिसाब से पांचवा सबसे बड़ा राज्य है।

मध्य प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस कार्यक्रम एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य व्यापार संचालन और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाना है। यह कार्यक्रम नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाता है और आर्थिक विकास को बढ़ाने के लिए आने वाली बाधाओं को कम करता है। प्रमुख सुधारों में ऑनलाइन पंजीकरण, लाइसेंसिंग और परमिट अनुमोदन जैसी व्यावसायिक प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण शामिल है। इससे उद्यमियों के लिए समय और लागत में काफी कमी आई है। राज्य ने निवेशकों के विश्वास को बढ़ाने के लिए समयबद्ध और पारदर्शी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करते हुए, क्लीयरेंस और अनुमोदन को सुव्यवस्थित करने के लिए इन्वेस्ट एमपी सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया है।

लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग

राज्य में 40 एमएमटी की भंडारण क्षमता और 13.2 एमएमटी की कोल्ड स्टोरेज क्षमता उपलब्ध है। मध्यप्रदेश स्टील साइलो के निर्माण में अग्रणी राज्य है। इंदौर और भोपाल में आगामी मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क इस क्षेत्र में विकास को नया आयाम देगा।

वस्त्र और परिधान

भारत के जैविक कपास उत्पादन में43% और विश्व के जैविक कपास उत्पादन में24% हिस्सेदारी मध्यप्रदेश की है। मध्य प्रदेश में 60 से ज्यादा बड़ी कपड़ा मिलें और हजारों करघे संचालित हैं। इंदौर में रेडीमेड गारमेंट और अपैरल क्लस्टर में 1,200 से अधिक इकाइयाँ हैं। मध्य प्रदेश चंदेरी, टसर महेश्वरी, बाघ प्रिंट, हैंड-ब्लॉक प्रिंट, बाटिक प्रिंट आदि जैसे पारंपरिक वस्त्रों का घर है।

ऑटोमोबाइल उद्योग में मजबूत

मध्यप्रदेश के इंदौर, भोपाल, पीथमपुर और देवास भारत के प्रमुख ऑटो क्लस्टर हैं।प्रदेश में 2800 से अधिक इंजीनियरिंग निर्माता और 10 से ज्यादा मूल उपकरण निर्माता हैं। प्रदेश का नेटरेक्स एशिया का सबसे लंबा हाई-स्पीड टेस्ट ट्रैक, जिसकी लंबाई 11.3 किमी है। यहां 14 टेस्ट ट्रैक और 5 ऑटो विशिष्ट प्रयोगशालाएँ हैं। 4,500 हेक्टेयर पीथमपुर ऑटो क्लस्टर में 25,000 से ज्यादा लोग कार्यरत हैं।

कृषि, खाद्य एवं दुग्ध प्रसंस्करण में अग्रणी

प्रदेश दलहन और मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है। खाद्यान्न और फूलों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। राज्य जैविक फसल उत्पादन में अग्रणी है।यहां 11 कृषि जलवायु क्षेत्र हैं।खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 70 से ज्यादा बड़ी और 3800 से भी अधिक एमएसएमई इकाइयाँ कार्यरत हैं।

फार्मास्युटिकल्स, चिकित्सा उपकरण एवं स्वास्थ्य सेवा

राज्य में 270 से अधिक फार्मा इकाइयाँ मौजूद हैं। फार्मा सेक्टर में 1,00,000 से अधिक लोग कार्यरत हैं। बड़ी संख्या में डब्ल्यूएचओ-जीएमपी, यूएसएफडीए अनुपालन इकाइयाँ मौजूद हैं। राज्य ने वित्त वर्ष 2022 में 10,770 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की फार्मास्युटिकल्स का निर्यात किया। प्रदेश से संयुक्त राज्य अमेरिका, यूके, रूस, नीदरलैंड, जर्मनी और ब्राजील सहित 150 से ज्यादा देशों को निर्यात होता है। 20 से अधिक मेडिकल डिवाइस इकाइयाँ और 250 से ज्यादा इकाइयाँ मेडिकल डिवाइस के पुर्जे बनाती हैं। उज्जैन की विक्रम उद्योगपुरी में 360 एकड़ में मेडिकल डिवाइस पार्क फैला हुआ है।

सूचना प्रौद्योगिकी एवं पर्यटन

मध्यप्रदेश में 4 आईटी एसईजेड, 10 आईटी पार्क, 2 ईएमसी क्लस्टर और 150 से ज्यादा ईएसडीएम इकाइयाँ मौजूद हैं। प्रदेश में 2500 से अधिक डीपीआईआईटी पंजीकृत स्टार्टअप है, जिनमें से 280 से अधिक आईटी-सेवा आधारित स्टार्टअप हैं। राज्य में आईआईटी, आईआईएम और 330 से भी ज्यादा तकनीकी संस्थान और आईटीआई की उपस्थिति के साथ अत्यधिक कुशल प्रतिभा पूल की उपलब्धता है। मध्यप्रदेश भारत का टाइगर राज्य है। यहां 11 राष्ट्रीय उद्यान और 6 वन्य अभयारण्यों सहित 24 वन्यजीव अभयारण्य हैं। 3 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (सांची, खजुराहो और भीमबेटका) और उज्जैन, ओंकारेश्वर, अमरकंटक जैसे कई अन्य महत्वपूर्ण विरासत स्थल हैं।

रोजगार और उद्योग का हब बन रहा मध्य प्रदेश

पीएम मोदी की नीतियों को अपनाने में अग्रणी है मध्य प्रदेश की मोहन सरकर

केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों को मप्र की मोहन सरकार ने बड़ी कुशलता के साथ अपनाया है। उन पर अमल करके राज्य को खुशहाल बनाया जा रहा है। अब रोजगार और उद्योग का बड़ा हब बन रहा है। डॉ.मोहन यादव सरकार के डबल इंजन से खुशहाली और उन्नति के पथ पर मप्र लगातार दौड़ रहा है, लेकिन अब तीसरा नई ऊर्जा वाला इंजन (बजट) प्रदेश को मिला है, इससे विकास की गति तीन गुना हो जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का आम बजट पेश करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उद्योग जगत से लेकर किसान और युवाओं तक जो अभूतपूर्व सौगातें दी हैं, उसका मध्यप्रदेश में भी खासा प्रभाव दिखाई देगा।

विशेष रूप से 24 एवं 25 फरवरी को भोपाल में आयोजित होने जा रहे ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट 2025 को लेकर निवेश की संभावनाओं को काफी मजबूती मिली है। बजट में जो घोषणाएं हैं, उससे न केवल उद्योग जगत सशक्त होगा, बल्कि रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। यह सुखद संयोग है कि फरवरी माह के पहले दिन केंद्र सरकार द्वारा आम बजट पेश किया गया है, और इसी माह 24 और 25 तारीख को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अथक प्रयासों से निवेश की अनंत संभावनाओं वाले इस महासम्मेलन को लेकर उद्योग जगत में पहले से ही उत्साह है और अब केंद्र सरकार की उद्योग जगत के हितों में की गई घोषणाओं से इस समिट की सफलता कई गुना बढ़ी है।

लघु खनिजों समेत खनन सेक्टर को फायदा

बजट में केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि निवेश हमारी सरकार का तीसरा इंजन है। ग्रीन एनर्जी और ईवी तकनीक को ज्यादा बढ़ावा दिया जाएगा। इस क्षेत्र में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य है। अब देश में राज्य खनन सूचकांक की स्थापना होगी। इससे लघु खनिजों समेत खनन सेक्टर को फायदा होगा। खनन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश निवेशकों की पहली पसंद है। खनन को लेकर निवेशकों का एक सम्मेलन भोपाल में पहले आयोजित किया जा चुका है, जिसमें 20,000 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आए थे।

अक्षय ऊर्जा में मप्र में हो रहे नवाचार

अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए विशेष प्रकार की आरई नीति वाला पहला राज्य है। प्रदेश के सांची को नेट जीरो कार्बन अवधारणा पर मध्य प्रदेश के पहले सौर शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है।नर्मदापुरम में विद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों के लिए समर्पित विनिर्माण क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। लगभग 62 गीगावाट की सौर ऊर्जा क्षमता और 11 गीगावाट की पवन ऊर्जा क्षमता के साथ प्रचुर प्राकृतिक संसाधन प्रदेश में उपलब्ध हैं। मध्य प्रदेश में 2,750 मेगावाट (2.75 गीगावाट) की कुल क्षमता वाले 5 बड़े सौर संयंत्र हैं।

भगवान बुद्ध से जुड़े स्थान हो रहे विकसित

देश के शीर्ष 50 टूरिज्म स्पॉट को राज्यों की सहायता से और विकसित किया जाएगा। भगवान बुद्ध से जुड़े स्थान विकसित हो रहे हैं। मध्यप्रदेश में सांची बौद्ध अनुयायियों के लिए धार्मिक पर्यटन का विशिष्ट स्थल है। पर्यटन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश के बढ़ते कदम का लाभ बजट में की गई उस घोषणा से मिलेगा, जिसमें कहा गया है कि मेडिकल टूरिज्म के लिए वीजा नियमों को आसान किया जाएगा।

20 हजार करोड़ किए गए आवंटित

मध्यप्रदेश का इंदौर स्टार्टअप के क्षेत्र में अग्रणी स्थान रखता है। इनोवेटिव्स के लिए बजट में 20 हजार करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। नेक्स्ट जनरेशन के स्टार्टअप के लिए डीप टेक फंड पर विचार किया जाना मध्यप्रदेश के युवाओं को नए अवसर दे रहा है। स्टार्टअप के लिए लोन 10 करोड़ से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए किया गया है। गारंटी फीस में भी कमी होगी। एक्सीलेंस फॉर आर्टिफिशियल फॉर एआई के लिए 500 करोड़ रुपए का ऐलान स्वागत योग्य है।

आर्थिक प्रगति ही प्राथमिकता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने आर्थिक प्रगति को प्राथमिकता में रखा है, उसे मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सतत आगे बढ़ा रहे हैं। केंद्र सरकार के बजट में उद्योग जगत सहित युवाओं और किसानों को सौगातें मिली हैं। मध्यप्रदेश में आयोजित होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 की संभावनाओं को आम बजट ने और अधिक विस्तार दिया है। मध्यप्रदेश की निवेश अनुकूल नीतियों और बेहतरीन वातावरण को इस बजट में जो ऊर्जा दी है, वह आने वाले समिट में स्पष्ट दिखाई देगा।

चंद्रमौली शुक्ला, एमडी, एमपीआईडीसी

किसानों को राहतः केसीसी से 5 लाख का कर्ज

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेशकों की प्राथमिकता में कृषि क्षेत्र भी है। केंद्रीय बजट में अगले 6 साल मसूर, तुअर जैसी दालों की पैदावार बढ़ाने के लिए फोकस किया गया है। कपास की पैदावार बढ़ाने के लिए 5 साल का मिशन, इससे देश का कपड़ा उद्योग मजबूत बनेगा। किसान क्रेडिट कार्ड पर कर्ज की लिमिट 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख होगी। इन सौगातों का सीधा लाभ मध्यप्रदेश के किसानों के साथ कृषि और कृषि प्रसंस्करण के क्षेत्र में निवेश करने वालों को मिलेगा। आम बजट में उद्योगों के लिए जो घोषणाएं की गई हैं, वह मध्यप्रदेश में मौजूदा कंपनियों के साथ आने वाले निवेशकों के लिए भी सौगात है। छोटे उद्योगों को विशेष क्रेडिट कार्ड दिए जाएंगे। पहले साल 10 लाख कार्ड जारी होंगे। एमएसएमई के लिए लोन गारंटी कवर 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़, 1.5 लाख करोड़ तक का कर्ज मिलेगा।

D-16116/24

शिबाम शहर में मिट्टी के बने हैं सारे घर, 6-7 मंज़िला इमारतें भी!

लंदन। अगर हम आपसे कहें कि दुनिया का ऐसा कौन सा शहर है जहां सभी बहुमंजिला इमारतें मिट्टी से बनी हुई हैं, तो क्या आप जवाब दे पाएंगे? शायद आपको कल्पना भी नहीं कि ऐसा भी शहर हो सकता है, जहां पर 6 मंजिला और 7 मंजिला इमारतें भी बनाने में भी सीमेंट नहीं, बल्कि मिट्टी का इस्तेमाल ही किया जाता हो। ये शहर है मिडल ईस्ट सिटी यमन में। यमन के हद्रामौत क्षेत्र में स्थित शिबाम शहर वो जगह है, जहां के सभी घर मिट्टी के बने हैं। इस शहर को 'रेगिस्तान का मैनहट्टन' भी कहा जाता है।

डिजाइन भी बहुत आकर्षक

यह शहर लगभग 1700 साल पुराना है और 1982 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी थी। भले ही ये सुनने में अविश्वसनीय लगे, लेकिन यहां मिट्टी से बनी कई बहुमंजिला इमारतें हैं। शिबाम में इमारतें न केवल ऊंची हैं, बल्कि उनका डिजाइन भी बहुत आकर्षक है। शहर की सुरक्षा का भी पूरा ख्याल रखा गया है।

मानव सभ्यता का एक अनूठा उदाहरण

शहर एक आयताकार ग्रिड में व्यवस्थित है और एक दीवार से सिक्योर किया गया है। यह प्रणाली निवासियों को दुश्मन के हमलों से बचाती है। मिट्टी से बनी इन गगनचुम्बी इमारतों को देखकर कोई भी आश्चर्यचकित रह जाएगा. शिबाम सिर्फ एक शहर नहीं है, बल्कि ये मानव सभ्यता का एक अनूठा उदाहरण भी है। वर्तमान में इस शहर में लगभग सात हजार लोग रहते हैं।

मोनालिसा बनाने वाले ने 1495 में बनाई थी रहस्यमयी पेंटिंग

लंदन। मशहूर इतालवी कलाकार, वैज्ञानिक, इंजीनियर और आविष्कारक लियोनार्डो दा विंची की नोटबुक्स में कई रहस्यमयी स्केच और डिज़ाइन भरे पड़े हैं, जिनमें से कुछ ने इतिहासकारों और वैज्ञानिकों को वर्षों तक चौंकाया है। हाल ही में वैज्ञानिकों ने उनकी एक बेहद रोचक ड्राइंग के पीछे छिपे रहस्य का खुलासा किया है।

मिलान के स्फोर्जा किले के नीचे खुफिया सुरंगों का पता चला है, जिनका जिक्र दा विंची ने 1495 के आसपास अपने स्केच में किया था। ये सुरंगें किले के नीचे छिपी हुई थीं और इतिहासकार अब तक इनके अस्तित्व को लेकर अनिश्चित थे। हालांकि, अब रिसर्चर्स ने आधुनिक तकनीक की मदद से इनका पता लगाया है और यह तस्दीक की है कि ये सुरंगें हकीकत में मौजूद हैं। इस खोज को अंजाम देने के लिए मिलान की पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने किले के अधिकारियों और इंजीनियरिंग कंपनी के साथ मिलकर काम किया। उन्होंने किले की पूरी संरचना का डिजिटल स्कैन तैयार किया और उन हिस्सों को भी दर्ज किया जो 500 से ज्यादा वर्षों से छिपे हुए थे।

किले का बचा हुआ है सिर्फ छठा हिस्सा

स्फोर्जा किले का निर्माण 1358 में शुरू हुआ था, लेकिन यह समय-समय पर नष्ट हुआ और फिर दोबारा बनाया गया। आज सिर्फ किले का छठा हिस्सा ही बचा हुआ है। 1400 के दशक में इसे नष्ट किए जाने के बाद, मिलान के ड्यूक फ्रांसेस्को स्फोर्जा ने इसके पुनर्निर्माण का आदेश दिया. जब उनकी मृत्यु 1466 में हुई तो उनके बेटे लुडोविको स्फोर्जा ने इस परियोजना को आगे बढ़ाया और लियोनार्डो दा विंची जैसे महान कलाकारों को किले की सजावट और निर्माण में शामिल किया।

स्केच में दर्ज की थी सुरंगों की सटीक जानकारी : दा विंची ने इस दौरान कई चित्र और डिजाइन बनाए, जिनमें किले की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण स्केच शामिल थे। उनके बनाए डिजाइन में खुफिया सुरंगों का जिक्र था, लेकिन लंबे समय तक ये सुरंगें किले में कहीं भी दिखाई नहीं दीं। चूंकि दा विंची अपनी सटीकता पहचाने जाते थे, इसलिए यह रहस्य बना रहा कि उन्होंने अपनी ड्राइंग में ऐसी संरचनाएं क्यों शामिल की थीं जो वास्तव में हैं ही नहीं, लेकिन अब इस के बाद साबित होता है कि उन्होंने किले के अंदर छिपी हुई सुरंगों की सटीक जानकारी अपने स्केच में दर्ज की थी।

विज्ञान

जेडब्ल्यूएसटी ने कैद किया अंतरिक्ष का रोमांच

ब्रह्मांड में नया जीवन? वैज्ञानिकों ने पहली बार देखा नवजात ग्रह

एजेंसी ▶▶ न्यूयार्क

हमारी आकाशगंगा में अनगिनत तारे और ग्रह हैं। लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि एक नया ग्रह कैसे जन्म लेता है? वैज्ञानिक लंबे समय से इस सवाल का जवाब ढूंढ रहे थे और अब उन्हें पहली बार इसका सीधा सबूत मिला है। नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST) ने अंतरिक्ष में एक ऐसा ही तारा देखा है। जिसके चारों ओर नए ग्रह बन रहे हैं। यह खोज ग्रहों के जन्म की अब तक की सबसे साफ तस्वीरें लेकर आई है। जिससे विज्ञान की इस अनसुलझी गुत्थी को हल करने में मदद मिलेगी।

पीडीएस 70: जहां नए ग्रह ले रहे आकार

370 प्रकाशवर्ष दूर स्थित पीडीएस 70 नाम का तारा वैज्ञानिकों के लिए बेहद खास है। यह एक युवा तारा है जिसके चारों ओर गैस और धूल का घना बादल घूम रहा है। इसी बादल के बीच से नए ग्रह उभर रहे हैं। वैज्ञानिकों ने पहले ही इसके दो ग्रहों- पीडीएस 70बी और पीडीएस 70सी की खोज कर ली थी. अब जेडब्ल्यूएसटी की नई तस्वीरों से संकेत मिला है कि शायद यहां तीसरा ग्रह भी बन रहा है!

पहली बार कब देखा गया था ग्रह?

2018 में यूरोपियन सदर्न ऑब्जर्वेटरी के 'वेरी लार्ज टेलीस्कोप' ने पहली बार पीडीएस 70बी नामक नवजात ग्रह की सीधी तस्वीर ली थी। यह एक बड़ी उपलब्धि थी। क्योंकि, इससे पहले वैज्ञानिकों ने कभी भी किसी बनने वाले ग्रह को प्रत्यक्ष रूप से नहीं देखा था। इस खोज के बाद खगोलविदों ने इस ग्रह प्रणाली का और गहराई से अध्ययन करना शुरू किया।

ग्रह बनने की इस प्रक्रिया को देखना कितना रोमांचक!

खगोलविदों के लिए यह खोज बेहद रोमांचक है, क्योंकि यह पहली बार है जब किसी ग्रह को जन्म लेते हुए देखा गया है। वैज्ञानिक डग जॉनस्टोन कहते हैं कि यह ऐसा है। जैसे हम अपनी आंखों के सामने एक नया सौर मंडल बनते हुए देख रहे हैं! अब वैज्ञानिक इस प्रणाली पर और शोध करेंगे, ताकि यह पता लगाया जा सके कि तीसरा ग्रह वाकई मौजूद है या नहीं। अगर यह सच साबित हुआ तो यह हमारी आकाशगंगा को समझने में एक बड़ा कदम होगा।

कैसे करता है जेडब्ल्यूटी इतनी शानदार खोजें?

जेडब्ल्यूटी के पास एक खास तकनीक है जिसे 'एपर्चर मास्किंग इंटरफेरोमेट्री' कहा जाता है। यह टेलीस्कोप को बेहद साफ और हाई-रिजॉल्यूशन वाली तस्वीरें लेने में मदद करती है। इसकी मदद से वैज्ञानिक उन चीजों को भी देख सकते हैं जो सामान्य टेलीस्कोप नहीं पकड़ पाते।

पीडीएस 70 तारा कितना पुराना है?

पीडीएस 70 एक बहुत युवा तारा है, जिसकी उम्र मात्र 54 लाख साल है। यह अभी भी बड़ा और मजबूत बनने की प्रक्रिया में है। इसे पूरी तरह से स्थिर होने और सूर्य जैसा बनने में करोड़ों साल और लगेंगे। 2024 में वैज्ञानिकों ने तीसरे ग्रह की संभावना जताई थी। लेकिन, वे पूरी तरह से सुनिश्चित नहीं थे। अब जेडब्ल्यूयूटी ने इस संभावना को और मजबूत किया है, लेकिन अभी भी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। अगर यह सच में ग्रह निकला तो यह हमारे लिए बहुत बड़ी खोज होगी।

ग्रहों के चारों ओर गैस और धूल का घेरा

जेडब्ल्यूटी की तस्वीरों से पता चला कि पीडीएस 70बी और पीडीएस 70सी ग्रहों के चारों ओर गैस और धूल का एक घना घेरा मौजूद है। इसका मतलब यह है कि ये ग्रह अभी भी बन रहे हैं। ऐसा ही कुछ अरबों साल पहले हमारे सौर मंडल में भी हुआ होगा जब पृथ्वी और अन्य ग्रह बने थे।

तीसरा ग्रह भी हो सकता है मौजूद!

अब जेडब्ल्यूटी ने और भी साफ तस्वीरें ली हैं जिससे पता चला कि पीडीएस 70 के आसपास केवल दो नहीं, बल्कि तीन ग्रह हो सकते हैं। वैज्ञानिकों को वहां कुछ ऐसा दिखा जो या तो एक तीसरा ग्रह हो सकता है या फिर धूल और गैस का घना गुच्छा। अगर यह सच में एक ग्रह निकला तो यह हमारे ब्रह्मांड को समझने के लिए एक नई दिशा खोल सकता है।

हजारों साल पुरानी ममीज से अब भी आती है खुशबू

एजेंसी ▶▶ काहिरा

जब कोई ममी के बारे में सोचता है तो दिमाग में पहली तस्वीर एक लाश की उभरती है, जिसमें सड़ने और गलने की गंध आ रही होगी। लेकिन, हाल ही में किए गए शोध में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि 5000 साल तक ताबूत में रखे रहने के बाद भी प्राचीन मिस्र की ममी से अभी भी अच्छी खुशबू आती है। नौ ममी की जांच के दौरान शोधकर्ताओं ने पाया कि उनकी गंध की तीव्रता में अंतर था, लेकिन सभी की खुशबू को 'लकड़ी जैसी', 'मसालेदार' और 'मीठी' बताया गया है। इसमें संभवतः शव को संरक्षित करने की प्रक्रिया के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले पाइन और जुनिपर रेजिन से निकलने वाले फूलों की गंध होती है।

- वैज्ञानिकों ने खोला रहस्य, कैसे आत्मा को भेजा जाता था

लैब में गंध को फिर से बना रहे वैज्ञानिक : शोधकर्ताओं का कहना है कि गंध की संरचना को रासायनिक रूप से फिर से बनाने से दूसरों को ममी की गंध का अनुभव करने का मौका मिलेगा और यह बताने में मदद मिलेगी कि अंदर के शव कब सड़ने लगे हैं। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनलब हेरिटेज में शोध निदेशक और रिसर्च टीम का नेतृत्व करने वाली सेसिलिया बेम्बिब्रे ने बताया कि 'हम ममी को सूंघने के अनुभव को साझा करना चाहते हैं। इसलिए हम काहिरा में मिस्र के संग्रहालय में प्रस्तुत करने के लिए गंध का पुनर्निर्माण कर रहे हैं।'

बिना ममी को नुकसान पहुंचाए लिया गया सैंपल

जर्नल ऑफ द अमेरिकन केमिकल सोसाइटी में प्रकाशित लेख में बताया गया है कि ममी के अंदर बिना कोई हस्तक्षेप किए नमूना हासिल किया गया। इसके लिए शोधकर्ताओं ने एक छोटी ट्यूब डालकर ऐसा किया ताकि वे बिना कोई फिजिकल सैंपल किए गंध को माप सकें। बेम्बिब्रे ने बताया कि हेरिटेज वैज्ञानिक हमेशा नई जानकारी की खोज के लिए गैर-विनाशकारी तरीके खोजने की कोशिश कर रहे हैं।

प्राचीन मिस्रवासियों का दूसरी दुनिया का विश्वास

प्राचीन मिस्र के लोग शव को ममीकरण करने के दौरान शरीर पर सुगंधित लेप लगाते थे। उनका मानना था कि ममी बनाने के दौरान रखी गई चीजें व्यक्ति की आत्मा के साथ परलोक में जाती हैं। यही वजह है कि ममीकरण के दौरान फेराओ (राजा) और कुलीन वर्ग के सदस्यों को तेल, मोम और बाम से सजाया जाता था। बेम्बिब्रे ने कहा कि फिल्मों और किताबों में ममी की गंध को सूंघने वालों के साथ भयानक चीजें होती हैं।

राशिफल

मेष शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। आय वृद्धि के साधन विकसित होंगे।

वृष व्यर्थ के क्रोध से बचें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। खानपान के प्रति सचेत रहें। मन में निराशा एवं

सिंह शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कन्या क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। व्यर्थ के ववादों से बचने का प्रयास

तुला पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृश्चिक घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

धनु पिता का साथ रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन सम्भव है। लंबे समय से रुके हुए काम बनने की उम्मीद है।

कुंभ परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। वाहन के रख-रखाव एवं वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। शिक्षा में सुधार होगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी।

मीन वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। मित्र के सहयोग से आय वृद्धि के स्रोत विकसित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में अशांति रहेगी।

एआई तकनीक के उपकरण से गूंगी को मिली आवाज, फिर बैन ने छीन ली

एजेंसी ▶▶ लंदन

आमतौर पर लोग सोचते हैं कि एआई जैसी तकनीकें इंसान के लिए सुविधाएं बढ़ाने का जरिया होती हैं। लेकिन, इससे वैज्ञानिक कई तरह की सेहत संबंधी समस्याएं भी सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसी ही एक तकनीक से एक गूंगी महिला को बोलने के काबिल बनाया गया था। वह एआई के जरिए लोगों से बात भी करने लगी थी। लेकिन, जल्दी ही उसके उपकरण उपयोग पर बैन लगा दिया गया और महिला को समझ में ही नहीं आया कि उससे गलती क्या हो गई थी।

एक तंत्रिका विकार की समस्या

यूके की जॉयसी एसर मोटर न्यूरॉन विकार से ग्रसित थीं। इसमें तंत्रिका कोशिकाएं मांसपेशियों पर काबू खो देती हैं। इसे वजह से वे अपने गले को हिला डुला तो सकती थीं।

लेकिन, वे बोल या कुछ निकल नहीं पाती थीं। इसी कारण से उन्होंने इलेवन लैब्स का बनाया हुआ हाई टेक एआई उपकरण का इस्तेमाल किया।

फिर दिखने लगीं खामियां

लेकिन, उनका यह टूल बहुत ही जल्दी अपनी कमियां उजागर करने लगा। वे खुल कर उसके जरिए बात नहीं कर पा रहीं। उन्होंने खुद ही तय कर लिया था कि टूल का इस्तेमाल बार-बार नहीं करेंगी। जल्द ही उन्हें आधिकारिक चेतावनी मिल गई, क्योंकि उनकी बातचीत में आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल होने लगा था। जबकि जॉयसी को लग रहा कि वे सामान्य तौर से ही ब्रिटिश अनौपचारिक शब्दों को उपयोग कर रहीं थीं।

जंगल में रहने वाला लड़का पहली बार आया बाहर, नहीं रास आई दुनिया

ब्राजीलिया। आज भी बहुत सी ऐसी जनजातियां हैं, जो जंगलों में रहती हैं। इन जनजाति के लोग, शहर या सभ्यता से दूर रहना पसंद करते हैं। इस वजह से जब ये ग्रामीण या शहरी इंसानों से मिलते हैं, तो बिल्कुल हैरान-परेशान नजर आते हैं। हाल ही में ब्राजील में एक जनजाति का लड़का जंगल से बाहर आ गया और एक गांव में पहुंच गया। गांव वालों ने उसे लाइटर से आग जलाना सिखाया। हालांकि, वो लड़का 24 घंटे में ही अपने घर लौट गया। 13-14 फरवरी के रोज ब्राजील के बेला रोसा इलाके में एक हैरान करने वाली घटना घटी। अमेजन के जंगलों के पास पुरूष नाम की नदी बहती है। नदी के पास ही एक ग्रामीण बस्ती है। वहां अचानक एक लड़का जंगलों से निकलकर आ गया। वो लड़का एक जनजाति का सदस्य था जो जंगलों में एकांत में रहती है और सभ्यता से कभी नहीं मिलती-जुलती। लड़का पहली बार ग्रामीण इलाके में पहुंचा था।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

आवश्यकता
आवश्यकता है- पैसिल, पेन, रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें:- 8981475043, 8017271898 (रायपुर /21 /फरवरी 25)

अब आप पायेंगे अपना सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी
प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ
सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 इंच लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

शब्द पहेली - 5782

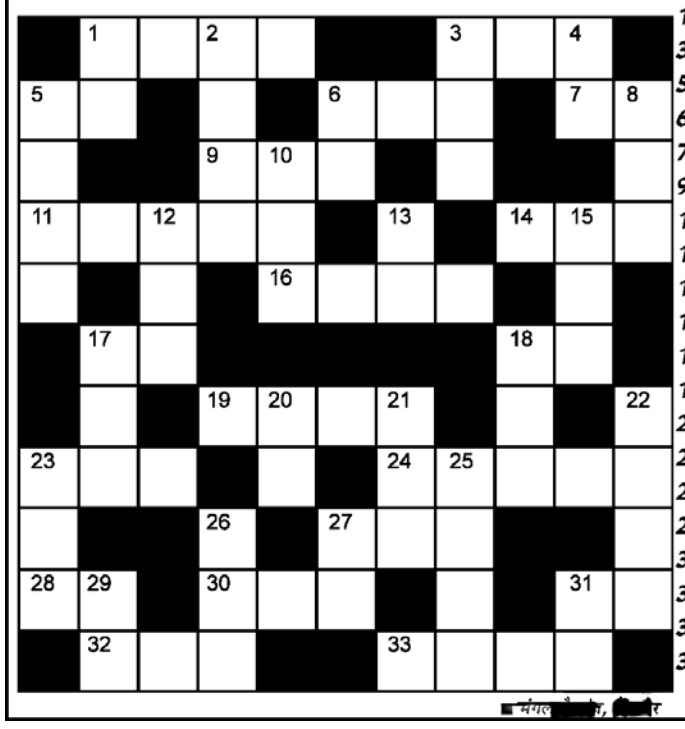

बाएँ से दाए
1. असभ्यता, मूर्खता-4
3. निर्भय, बहादुर-3
5. प्याला-2
6. सहारा, शरण-3
7. मां का भाई-2
9. साठ वर्ष की अवधि-3
11. परतंत्रता, गुलामी-5
14. दानव, दैत्य-3
16. लूटपाट-4
17. वाद्य यंत्र-2
18. परछाई, छाया-2
19. आदत, स्वभाव(उर्दू-4)
23. जंगल, वन-3
24. सेंधमार-5
27. गजल लिखने वाला-3
28. मोटा आटा, सूजी-2
30. गुलिस्तां, बाग-3
31. एक ग्रह, शनिश्चर-2
32. दबाना, कुचलना-3
33. रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे
1. मंत्रों का पाठ-2
2. उद्देश्यहीन-4
3. अनूठा, अनोखा-3
4. लक्ष्मी, कमला-2
5. खीजना, रोना-4
6. एक पौधा, अकुवा, आकड़ा-2
8. दक्ष, होशियार-3
10. जमीकंद, एक सब्जी-3
12. धैर्य, संयम-3
13. अस्थमा-2
15. एक गायिका-3
17. वर्षा ऋतु-3
18. महोदय-3
20. पैंदा, तला-2
21. पुत्र, बेटा-3
22. अवमानना-4
23. नास्तिक (उर्दू-3)
25. करामात-4
26. प्रतिज्ञा-3
27. ठाठ-बाट-2
29. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31. तीर, बाण-2

शब्द पहेली - 5781 का हल

■	अ	स	ह	यो	ग	■	अ	दा	ब	त
र	क्स	■	रा	■	ग	रु	ड़	■	न	र
ख	■	स	ना	त	न	■	ना	म	■	क
र	फ्ता	र	■	■	चुं	गी	■	त	म	स
खा	■	मा	■	चा	बी	■	सी	■	ही	■
व	ल	या	का	र	■	प	रा	या	प	न
■	क	■	या	■	का	ल	■	द	■	क
द	वा	त	■	भ	ला	■	■	गा	य	ब
र	■	र	ज	■	बा	जी	ग	र	■	ज
क	र	■	ल	ह	जा	■	जं	■	खा	न
ना	जा	य	ज	■	र	धु	ना	य	क	■

सूडोकु नवताल - 5792

मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5791 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

खबर संक्षेप

स्वितोलिना का दुबई में जीत से आगाज

दुबई। दो बार की पूर्व चैंपियन एलिना स्वितोलिना ने पिछली उपविजेता रूस की अन्ना कालिंस्काया को दुबई चैंपियनशिप के पहले दौर में 6-1, 6-2 से हरा दिया। पिछले साल कालिंस्काया क्वालीफाइंग दौर के जरिए पहुंची थी और लगातार तीन शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ियों को हराया था जिसमें नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियाटेक शामिल है। इस बार हालांकि वह यूक्रेन की स्वितोलिना के सामने टिक नहीं सकी। पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन एम्मा राडूकानू ने मारिया सक्कारी को 6-4, 6-2 से मात दी। अब वह 14वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा से खेलेगी।

जीव लीजेंड्स टूर पर 19वें स्थान पर रहे

मारबेला। भारत के अनुभवी गोल्फर जीव मिल्खा सिंह रविवार को यहां 2025 लीजेंड्स टूर की मारबेला स्टेस्योर प्रतियोगिता में

संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर रहे। जीव ने अंतिम दौर में 71 का स्कोर बनाया। उन्होंने चार बर्डी की लेकिन एक बोगी और एक डबल बोगी भी कर गए। उन्होंने कुल तीन अंडर के स्कोर से शीर्ष 20 में जगह बनाई। जीव ने पहले दो दौर में 68 और 73 का स्कोर बनाया था।साइमन ग्रिफिथ्स ने कुल 15 अंडर के स्कोर के साथ लीजेंड्स टूर का सत्र का पहला टूर्नामेंट जीता।

गुलमर्ग में खेलो इंडिया शीतकालीन खेल रद्द

गुलमर्ग। पांचवें खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का शनिवार से यहां शुरू होने वाला दूसरा सत्र क्षेत्र में पर्याप्त बर्फबारी नहीं होने के कारण स्थगित कर दिया गया।

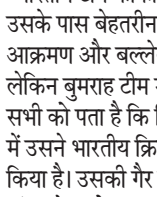

इसकी नई तारीखों का ऐलान मौसम में सुधार होने पर किया जाएगा। खेल मंत्रालय ने बताया, 'खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का जम्मू कश्मीर चरण स्थगित कर दिया गया है।'गुलमर्ग में अल्पाइन स्कीइंग, नोर्डिक स्कीइंग, स्की पर्वतारोहण और स्नोबोर्डिंग स्पर्धाएं होनी थी। पहला चरण लेह में 23 से 27 जनवरी के बीच खेला गया जिसमें आइस हॉकी और आइस स्केटिंग स्पर्धाएं हुई थी।

बुमराह की गैर मौजूदगी से उम्मीदें जगीः कायेस

नई दिल्ली। बांग्लादेश के पूर्व सलामी बल्लेबाज इमरुल कायेस ने कहा है कि जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में उनकी टीम के पास 20

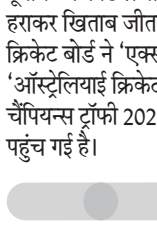

फरवरी को चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में भारत के तेज आक्रमण को दबाव में लाने का मौका होगा। कायेस ने कहा, 'भारतीय टीम काफी मजबूत है और उसके पास बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण और बल्लेबाजी क्रम है। लेकिन बुमराह टीम में नहीं है। हम सभी को पता है कि पिछले दो साल में उसने भारतीय क्रिकेट के लिए क्या किया है। उसकी गैर मौजूदगी से बांग्लादेश को फायदा मिलेगा।'

पाकिस्तान पहुंची ऑस्ट्रेलियाई टीम

लाहौर। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए सोमवार को पाकिस्तान पहुंच गई। टूर्नामेंट की शुरुआत

बुधवार को कराची में मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले से होगी। पाकिस्तान गत चैंपियन भी है जिसने 2017 इंग्लैंड में आयोजित टूर्नामेंट के पिछले सत्र में भारत को हराकर खिताब जीता था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 'एक्स' पर लिखा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी 2025 के लिए लाहौर पहुंच गई है।

19 फरवरी से टूर्नामेंट का आगाज : 20 को भारत का पहला मैच

चैंपियंस ट्रॉफी : बुमराह के बिना भारत की उम्मीदें शमी के जादू पर, पाक में नहीं लगा भारत का झंडा

एजेंसी ▸▸ बेंगलुरु

मोहम्मद शमी के दाहिने हाथ में जादूगर सा फन है और अपनी कलाई के झटके से वह दुनिया के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों को चकमा दे सकते हैं लेकिन क्या वह इस जादू से भारत को बारह साल बाद आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में मदद कर सकते हैं ?

प्रशंसकों को उम्मीद है कि शमी इस टूर्नामेंट में भारत को जसप्रीत बुमराह की कमी महसूस नहीं होने देंगे। बुमराह चोट के कारण टीम से बाहर हैं। वैसे शमी की तैयारियों को लेकर काफी चिंताएं भी हैं। भारतीय टीम को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ 20 फरवरी को पहला मैच खेलना है। चौतीस वर्ष के शमी चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। उन्होंने विभिन्न स्तरों और अलग अलग प्रारूप में कुछ मैच खेले हैं लेकिन बड़े टूर्नामेंट में अपेक्षाओं पर खरे उतरने का दबाव अलग होता है। ऐसे में बुमराह की गैर मौजूदगी में उन पर दबाव और बढ़ जाएगा। चैंपियंस ट्रॉफी में शमी के साझेदार अर्शदीप सिंह होंगे लेकिन वह बुमराह की श्रेणी के गेंदबाज नहीं हैं।

नई गेंद से करना होगा कमाल

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज लक्ष्मीपति बालाजी का मानना है कि शमी के पास काफी अनुभव है और वह इस चुनौती का सामना कर लेंगे। बालाजी ने कहा, 'उसने 2019 वनडे विश्व कप और पिछले विश्व कप (2023) में बुमराह से बेहतर गेंदबाजी की थी। बुमराह विभिन्न प्रारूपों में चैंपियन गेंदबाज है लेकिन शमी के पास अनुभव है और बुमराह के आने से पहले भारत के आक्रमण की जिम्मेदारी उसी पर थी। अगर भारत को अच्छा प्रदर्शन करना है तो शमी को नई गेंद से कमाल करना होगा। पहले छह ओवर में नई गेंद से प्रदर्शन भारत के लिए काफी मायने रखेगा। अगर वह शुरुआती कामयाबी दिला सका तो भारत का मनोबल काफी बढ़ेगा।' शमी की जिम्मेदारी विकेट लेना ही नहीं बल्कि अर्शदीप और हर्षित राणा जैसे गेंदबाजों का मागदर्शन करने की भी होगी।

पाकिस्तान की शर्मनाक हरकत

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी को होने जा रही है। ओपनिंग मैच में मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड आमने-सामने होंगे। भारत अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगा। टूर्नामेंट का मेजबान पाकिस्तान हो और कोई विवाद न हो, ऐसा हो ही नहीं सकता। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें फैंस द्वारा दावा किया गया है कि कराची स्टेडियम में भारतीय झंडे को नहीं लगाया गया है। आईसीसी के नियमों के मुताबिक, कोई भी देश अगर बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है तो उसे सभी हिस्सा लेने वाले देशों के झंडे लगाने होते हैं। हालांकि, कराची में आठ देशों के इस टूर्नामेंट के सात देशों के झंडे लगे दिख रहे हैं।

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल

मालेवार और शोरे की फिफ्टी विदर्भ के 5 विकेट पर 308 रन

एजेंसी ▸▸ नागपुर

दानिश मालेवार के 79 रन और सलामी बल्लेबाज ध्रुव शोरे के 74 रन की मदद से मेजबान विदर्भ ने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के पहले दिन गत चैंपियन मुंबई के खिलाफ पांच विकेट पर 308 रन बना लिए। टेस्ट टीम मे जगह बनाने का दावा फिर पुख्ता करने वाले करुण नायर ने 45 रन बनाए। वह शिवम दुबे की गेंद पर विकेट के पीछे लपके जाने के फैसले से खुश नहीं थे हालांकि उन्होंने डीआरएस लिया।

दो बार की चैंपियन टीम के लिए बड़ी साझेदारियां नहीं बन सकी लेकिन पहले दिन 88 ओवर में 300 रन का आंकड़ा पार कर लिया। मुंबई ने 13 नोबॉल डाली। बाएं हाथ के स्पिनर शम्स मुलानी ने 18 ओवर में 44 रन देकर दो विकेट लिए। दुबे ने नौ ओवर में 35 रन देकर दो विकेट चटकाए और उनमें से एक में सूर्यकुमार यादव ने स्लिप में डाइव लगाकर शानदार कैच लपका।

मुंबई को और सफलताएं नहीं मिल सकी क्योंकि नयी गेंद संभालने वाले शार्दुल ठाकुर और मोहित अवस्थी विकेट लेने में नाकाम रहे। ठाकुर ने 14 ओवर में 57 और मोहित ने 61 रन दिए। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर यश राठौड़ 47 और कप्तान अक्षय वाडकर 13 रन बनाकर खेल रहे थे।

गुजरात के बेबी का नाबाद अर्धशतक

अहमदाबाद। अनुभवी सचिन बेबी के नाबाद अर्धशतक से गुजरात ने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के पहले दिन सोमवार को यहां गुजरात के खिलाफ धीमी बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 206 रन बनाए। बाएं हाथ के 36 वर्षीय बल्लेबाज सचिन बेबी ने 193 गेंद में आठ चौकों की मदद से नाबाद 69 रन बनाए जिससे केरल ने पहली बार फाइनल में जगह बनाने की उम्मीद जीवंत रखी। सचिन बेबी को मोहम्मद अजहरुद्दीन के रूप में उम्दा जोड़ीदार मिला जो 66 गेंद में तीन चौकों की मदद से 30 रन बनाकर खेल रहे हैं। दोनों पांचवें विकेट के लि 49 रन की अटूट साझेदारी कर चुके हैं।

टी20 ब्लास्ट और काउंटी चैंपियनशिप में दिखाएंगे जलवा

विलियमसन ने मिडिलसेक्स से दो साल का किया अनुबंध

एजेंसी ▸▸ लंदन

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने टी20 ब्लास्ट और काउंटी चैंपियनशिप में खेलने के लिए मिडिलसेक्स क्रिकेट के साथ दो साल का अनुबंध किया है जबकि वह इस साल द हंड्रेड में लंदन स्पिरिट की कप्तानी भी करेंगे।

आधुनिक समय के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक माने जाने वाले विलियमसन इससे पहले ग्लुसेस्टरशर (2011-2012) और यॉर्कशर (2013-2018) के लिए खेल चुके हैं। वह सत्र के दूसरे भाग में मिडिलसेक्स के 14 टी20 ब्लास्ट ग्रुप

मुकाबलों में से कम से कम 10 और कम से कम पांच काउंटी चैंपियनशिप मुकाबलों के लिए उपलब्ध रहेंगे। विलियमसन ने कहा, 'मैंने अतीत में थोड़ा काउंटी क्रिकेट खेला है लेकिन पिछले कई वर्षों से नहीं खेला है इसलिए जब मिडिलसेक्स के साथ यह अवसर आया तो यह वास्तव में रोमांचक संभावना थी।' न्यूजीलैंड के लिए सभी प्रारूपों में विलियमसन ने 47 शतक सहित 18,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए हैं।

भारत का दबदबा : 20 साल में बनाए 6000 से अधिक रन

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा रहा है। 1998 से 2017 के बीच इस आईसीसी टूर्नामेंट के 8 संस्करणों में 13 टीमें खेली हैं। रन बनाने के मामले में भारत सबसे आगे है। भारत ने 29 मैच की 28 पारियों में 41.87 के औसत से 6156 रन बनाए हैं। इंग्लैंड ने 25 मैच की 25 पारियों में 32.63 के औसत से 5907 रन बनाए हैं। श्रीलंका ने 27 मैच की 27 पारियों में 32.15 के औसत से 5884 रन बनाए हैं।

खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगे 1,476 पैरा एथलीट

चेन्नई। भारत के लगभग 1,500 पैरा एथलीट मंगलवार से यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शुरू हो रही 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगे। चेन्नई पहली बार इस चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा जिसमें 30 टीम के रिकॉर्ड 1,476 पैरा एथलीट 155 स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगे जिससे यह देश के सबसे बड़े पैरा एथलेटिक्स आयोजनों में से एक होगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रमुख एथलीटों में सुमित अंतिल (भाला फेंक), मनोज सबापति (व्हीलचेयर रेसिंग), मनोज सिंगराज (गोला फेंक), मरियप्पन थंगावेलु (ऊंची कूद), मुथु राजा (गोला फेंक), होकाटो सेमा (गोला फेंक), नवदीप सिंह (भाला फेंक), और योगेश कथुनिया (चक्का फेंक) शामिल हैं। भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झझारिया ने कहा, 'हमें विश्वास है कि चेन्नई में होने वाली यह चैंपियनशिप भारत में पैरा एथलेटिक प्रतियोगिताओं के लिए नए मानक स्थापित करेगी।'

राष्ट्रमंडल खेल ओलंपिक की मेजबानी के लिए सही कदम

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेल महासंघ की सीईओ कैटी सेडलेर ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी ओलंपिक 2036 की मेजबानी के भारत के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में सही कदम होगा। उन्होंने कहा, 'ओलंपिक की मेजबानी अतुल्य उपलब्धि होगी और भारत में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन इस लक्ष्य को पाने की दिशा में सही कदम होगा।'

सीजीएफ और भारतीय ओलंपिक संघ के बीच राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी की संभावना पर अनौपचारिक बातचीत के बाद उनका बयान आया है। सेडलेर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत निकट भविष्य में ओलंपिक में शीर्ष दस टीमों में होगा। उन्होंने कहा, 'सही नेतृत्व, बुनियादी ढांचा और जुनून के दम पर भारत ओलंपिक में शीर्ष दस देशों में शामिल होने की दहलीज पर है। देश की छवि बनाने में खेलों की भूमिका अहम है और खेल महाशक्ति के रूप में पहचान मिलने से विश्व स्तर पर देश का दबदबा बढता है।'

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : ईएल-85-24; दिनांक 14.02.2025; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन हेतु विद्युत ठेकेदारी का वैध लाइसेंस रखने वाले तथा नीचे वर्णित कार्य सम्पन्न करने में आर्थिक रूप से सक्षम प्रतिष्ठित निविदादाताओं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम साथ में उसका स्थान:** आसनसोल मंडल : आसनसोल मंडल के तहत विभिन्न रेलवे स्टेशनों में रखरखाव मुक्त अर्थ पिट व्यवस्था के प्रावधान के साथ विभिन्न सेवा भवनों, सब-स्टेशन, यार्ड, रेलवे कॉलोनी, कोचिंग कॉमप्लेक्स, लोको शेड में पुरानी अर्थिंग के प्रतिस्थापन सहित अन्य विद्युतीय कार्य (चरण-1)। **निविदा मूल्य:** रु. 4,16,74,348.23; **बयाना राशि:** रु. 3,58,400; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **कार्य समापन अवधि:** 09 महीने। **बंद एवं खुलने की तारीख एवं समय:** 10.03.2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। (ASN-333/2024-25)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.) लोककर्म विभाग
तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनाक	कार्य का नाम	कार्य समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई. एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	PRO-570 17/02/25 2025_UAD_402703_1	संभाग क्र. 14 अंतर्गत पंडित मोतीलाल नेहरू वार्ड में रामनगर कॉलोनी में संजीवनी अस्पताल की ओर नाली निर्माण कार्य। (तृतीय निविदा आमंत्रण)	3 माह रू. 4.23 लाख	2000/- 4233/-	24/02/2025

नोट - निविदा से संबधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा ।
कार्यपालन यंत्री
संभाग क्रं. 14 ,नगर निगम जबलपुर

कार्यालय वनमंडलाधिकारी पश्चिम बैतूल (सा.) वनमंडल
07141-234708 (कार्यालय), मोबाईल नं. - 9424790500
E- Mail- dfotwbetul@mp.gov.in
क्रमांक/स्टोर/2025/25 बैतूल, दिनांक-13/2/2025
-:: निविदा विज्ञप्ति सूचना ::-
समस्त प्रदायकाताओं को सूचित किया जाता है कि बैतूल जिले के पश्चिम बैतूल (सा.) वनमण्डल के अंतर्गत विभागीय हेतु Trap Cage क्रय किया जाना है। उक्त सामग्री के लिये निविदा आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के लिये आवेदन Online माध्यम से बेबसाईट https://gem.gov.in द्वारा ही स्वीकार किया जावेगा । विवरण निम्नानुार है ।
BID NO: GEM/2025/B/5944436
Items: Trap Cage for forest Department Use
Start Date : 13-02-2025 6:18 PM
End Date : 27-02-2025 7:00 PM
(वरूण यादव) (भा.व.से.)
वनमंडलाधिकारी,
पश्चिम बैतूल (सा.) वनमंडल
G-23155/24 दुर्घटना से दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ / स) संभाग क्र 1 जबलपुर
निविदा सूचना क्र 30 वर्ष 2024-25 टेन्डर लिपिक निविदा सूचना जबलपुर दिनांक 11/02/2025
निम्नलिखित कार्यो हेतु ई टेन्डरिंग के माध्यम से निर्मलिखित कार्यो की निविदायें आमंत्रित की जाती है। कार्यो का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाईड पर आनलाईन भुगतान कर वेबसाईड के माध्यम से प्राप्त किये जा सकते है ।

क्र.	ई टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम		ठेके की अनु. राशि (रू. लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मुल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ई एम डी, टेन्डर फीस एवं निविदा से संबंदित अन्य अभिलेख जमा करने हेतु
1	2025_PWDRB_402052_pack1	मुख्यालय सेक्शन मुख्यालय उपसंभाग कमांक 3 जबलपुर अंतर्गत स्वशासी आयुर्वेदिक महाविद्यालय गीताधाम रोड, जबलपुर के आई.पी.डी भवन, बॉयस हॉस्टल में वाटर प्रूफिग का कार्य एवं ओ. पी. डी. भवन में शेड एवं अन्य कार्य।	द्वितीय	16.45	33000	2000	04 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
2	2025_PWDRB_402053_pack1	माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के बिल्डिंग कैम्पस में विभिन्न कार्य।	द्वितीय	19.80	40000	2000	04 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
3	2025_PWDRB_402054_pack1	मुख्यालय क्र. 3 के अंतर्गत एम. एम. व्ही. सेक्शन के अंतर्गत एन.सी.सी. भवन में डब्ल्यू. सी. एवं बाथरूम का निर्माण कार्य।	द्वितीय	19.95	40000	2000	04 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
4	2025_PWDRB_402055_pack1	डिपोजिट मद के अंतर्गत मान. उच्च न्यायालय के कंडोमेनियम भवन के क्लब हाऊस में पेवर ब्लॉक एवं अन्य कार्य।	प्रथम	19.98	40000	2000	04 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
5	2025_PWDRB_402056_pack1	डिपोजिट मद के अंतर्गत डी. एन. एल. यू कॉलेज में हॉल, किचिन एवं स्टोर रूम का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार एवं अन्य कार्य।	प्रथम	19.96	40000	2000	04 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
6	2025_PWDRB_402057_pack1	डिपोजिट मद के अंतर्गत डी. एन. एल. यू कॉलेज में डब्ल्यू.सी एवं बाथरूम तथा अन्य कार्य का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार का कार्य।	प्रथम	19.97	40000	2000	04 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
7	2025_PWDRB_402059_pack1	डिपोजिट मद के अंतर्गत साईस कॉलेज जबलपुर में एम. एम. व्ही. उपखण्ड के अंतर्गत विकलांगों के लिये। डब्ल्यू. सी. एवं बाथरूम तथा अन्य कार्य ।	प्रथम	18.75	40000	2000	04 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
8	2025_PWDRB_402061_pack1	मुख्यालय उपसंभाग क्र. 1 के अंतर्गत गांधीग्राम से मालहा मार्ग एवं कूड़ा से मण्डला मार्ग का निर्माण कार्य ।	प्रथम	211.59	211600	15000	04 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
9	2025_PWDRB_402062_pack1	डिपॉजिट मंद के अंतर्गत भारतीय खेल प्राधिकरण रानीताल जबलपुर में आर. सी. सी. सीढ़ी (इमरजेंसी एक्सिट) का. निर्माण कार्य ।	प्रथम	8.30	17000	2000	04 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
10	2025_PWDRB_402063_pack1	पड़रिया से पड़वार मार्ग चैनेज 7100 से 10600 तक कुल लंबाई 3.50 कि.मी. का निर्माण कार्य ।	प्रथम	376.79	376790	15000	12 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
11	2025_PWDRB_402064_pack1	मुख्यालय उपसंभाग क्र. 3 के अंतर्गत डुमना एयरपोर्ट में व्ही. व्ही.आई.पी. लॉज भवन का निर्माण कार्य ।	प्रथम	207.51	207510	15000	15 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
		कुल योग		939.05				

टीप:- (1) निविदा प्रपत्र कय करने की अंतिम तिथि 04/03 / 2025 17.30 बजे तक है। अन्य तिथियाँ एवं विस्तृत विवरण व संशोधन आनलाईन वेब साईड www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन का पुन: प्रकाशन नही कराया जावेगा। संशोधन सूचना कार्यालय के सूचना पटन पर देखी जा सकती है।
कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ / स)
संभाग क्र 1 जबलपुर
G-23164/24 दुर्घटना से दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

नियमानुसार प्रतिबंधित है रेलवे लाइन से इतने करीब किसी भी तरह का निर्माण

कूटरचित दस्तावेज बनाने व धोखाधड़ी का आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध करें

- प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी कोर्ट ने ओमती पुलिस को दिया आदेश
- रेलवे लाइन से 100 फीट की दूरी पर तीन मंजिला निर्माण का मामला

हरिभूमि जबलपुर।

प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी शुभांगी पालो की अदालत ने कूटरचित दस्तावेजों निर्माण के विरुद्ध धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं के अंतर्गत आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध करने का आदेश दिया है। यह जिम्मेदारी ओमती पुलिस को सौंपी गई है। अभियोग पत्र प्रस्तुति के लिए 21 मार्च की तिथि नियत की गई है।

परिवादी न्यू कंचनपुर, अधारताल निवासी प्रदीप नारायण खरे की ओर से अधिवक्ता संदेश दीक्षित ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि अजय कुमार गुप्ता सहित अन्य ने मनमाने तरीके से चिल्ड्रन पैलेस स्कूल, न्यू कंचनपुर की इमारत को तीन मंजिला रूप दे दिया है। यह भवन रेलवे लाइन से महज 100 फीट की दूरी पर स्थित है। नियमानुसार रेलवे लाइन से इतने करीब निर्माण प्रतिबंधित है। इसके बावजूद मनमानी की गई है। तीसरी मंजिल अवैध तरीके से मनाने के साथ की छत डाली जा रही है। इससे स्कूल के बच्चों के जीवन पर संकट की आशंका पैदा हो गई है। नगर निगम में शिकायत के बाद स्वीकृत नक्शा व रजिस्ट्री की प्रति प्रस्तुत की गई। जिसका अवलोकन करने पर पाया गया कि वे कूटरचित व असत्य हैं। मनमाने निर्माण का विरोध करने पर अजय कुमार गुप्ता स्कूल संचालक व प्राचार्य सहित अन्य ने परिवादी पर हमला तक कर दिया। पुलिस में शिकायत के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसीलिए कोर्ट आना पड़ा। कोर्ट ने ओमती टीआई से प्रतिवेदन तलब किया था। जिसके अनुसार जब ट्रेन गुजरती है तो स्कूल की इमारत में कंपन होता है। अदालत ने प्रथमदृष्ट्या संज्ञेय अपराध का प्रकरण पाते हुए अजय कुमार गुप्ता के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध करने के निर्देश दे दिए।

हाई कोर्ट ने कर्मचारी चयन बोर्ड को दिए निर्देश

माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा में उर्दू विषय को शामिल करने पर निर्णय लें

जबलपुर। हाई कोर्ट ने कर्मचारी चयन बोर्ड को माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा में उर्दू विषय को शामिल करने पर निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने बोर्ड को निर्देश दिया है कि निर्णय लेकर याचिकाकर्ताओं को अवगत कराएं। यदि याचिकाकर्ता सरकार के निर्णय से संतुष्ट न हों तो वे उचित फोरम में शिकायत करने स्वतंत्र होंगे।

याचिकाकर्ता सिवनी निवासी फातिमा अंजुम सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता आकाश सिंघई ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा 2024 में उर्दू विषय के शिक्षक पद को शामिल नहीं किया गया है, जबकि पद खाली हैं। याचिकाकर्ताओं ने इसके पहले 2018 से 2023 की चयन परीक्षाओं में उर्दू विषय लेकर परीक्षा दी थी। उर्दू विषय को छोड़कर सभी विषय विज्ञापित किए गए हैं। याचिकाकर्ताओं ने इस संबंध में 21 जनवरी को बोर्ड को अभ्यावेदन दिया था। जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो याचिका दायर की गई।

तकनीक सीखने चेन्नई जाएगा जबलपुर फैक्ट्री का दल

व्हीएफजे में युद्धक टैंक की मरम्मत परियोजना हुई शुरु

हरिभूमि जबलपुर।

भारतीय सेना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जबलपुर स्थित वाहन निर्माणी (वीएफजे) में युद्धक टैंक टी-72 की मरम्मत और ओवरहालिंग (एमआरओ) परियोजना शुरू की गई है। इस परियोजना के तहत, वीएफजे के एक दल को टैंक निर्माण की तकनीकों को सीखने के लिए हैवी व्हीकल फैक्ट्री (एचवीएफ) अवाडी (तमिल नाडू) भेजा गया है। इस दल में एक जूनियर वर्कशॉप मेनेजर (जेडब्लयूएम), चार चार्जमैन और लगभग 17 औद्योगिक कर्मचारी शामिल हैं।

वीएफजे, जो पहले से ही सेना के परिवहन वाहनों का निर्माण करती रही है, अब खुले बाजार की चुनौतियों का सामना कर रही है। इसलिए, फैक्टरी ने सारंग तोप के अपग्रेडेशन के बाद अब टी-72 और टी-80 टैंकों की मरम्मत पर ध्यान केंद्रित किया है। चेन्नई स्थित अवाडी फैक्ट्री के बाद, जबलपुर को टैंकों की मरम्मत के लिए चुना गया है।

गौरतलब है कि चेन्नई स्थित निर्माणी पहले से ही सेना के लिए तोप और T-टैंकों की मरम्मत और ओवरहालिंग करती रही है। लेकिन कार्य की अधिकता के कारण अब यह कार्य वीएफजे के जिम्मे आ गया है। एमआरओ परियोजना के तहत, टैंकों के संपूर्ण मेंटनेंस का कार्य वीएफजे में होगा। इसके लिए, वीएफजे में आधुनिक प्लांट का निर्माण जारी है, साथ ही टैंक के लिए टेस्टिंग ट्रैक की व्यवस्था की जा रही है, जहां मरम्मत और रिपेयरिंग के बाद टैंक की गुणवत्ता की जांच की जाएगी।

अंतरिम आदेश : नगर निगम सहित अन्य को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने पुरुषार्थी हाउसिंग सोसायटी में सभी व्यावसायिक निर्माणों पर लगाई रोक

हरिभूमि जबलपुर।

सुप्रीम कोर्ट ने पुरषार्थी हाउसिंग कोआपरेटिव सोसायटी, जबलपुर में सभी व्यावसायिक निर्माण कार्यों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह अंतरिम आदेश तब आया जब सोसायटी द्वारा अपनी आवासीय सीमा में अवैध व्यावसायिक गतिविधियों और निर्माण के विरुद्ध दायर याचिका पर हाई कोर्ट द्वारा दिया गया अंतरिम संरक्षणात्मक आदेश बाद में निरस्त कर दिया गया था।

दरअसल, पुरषार्थी हाउसिंग सोसायटी ने जबलपुर नगर निगम द्वारा आवासीय क्षेत्र में व्यावसायिक निर्माण की स्वीकृति दिए जाने के विरुद्ध हाई कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की थी। हाई कोर्ट ने सोसायटी के पक्ष में एक अंतरिम आदेश पारित करते हुए स्पष्ट किया था कि सोसायटी में कोई नया व्यावसायिक निर्माण नहीं किया जाएगा। लेकिन प्लाट नंबर 12 के मालिक द्वारा दायर आवेदन पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने यह अंतरिम आदेश निरस्त कर दिया। इस निर्णय से असंतुष्ट होकर सोसायटी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सोसायटी की ओर से अधिवक्ता अमित साहनी ने सुप्रीम कोर्ट में तर्क दिया कि आवासीय क्षेत्र में व्यावसायिक निर्माण पूर्ण रूप से अवैध है और नगर निगम ने नियमों का उल्लंघन करते हुए स्वीकृति प्रदान की है। सुप्रीम कोर्ट ने न केवल व्यावसायिक निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी, बल्कि जबलपुर नगर निगम से यह स्पष्ट करने को कहा कि प्लाट के लिए व्यावसायिक लेआउट की स्वीकृति किस आधार पर दी गई। क्या इस स्वीकृति से पहले सोसायटी से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम के रवैये पर कड़ी आपत्ति जताई और आवासीय सोसाइटी पर हो रहे चार मंजिला व्यावसायिक निर्माण को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 14 फरवरी, 2025 को नगर निगम व अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। उल्लेखनीय है कि हाई कोर्ट में इस संबंध में दायर मूल रिट याचिका अभी भी लंबित है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल अंतरिम राहत देते हुए व्यावसायिक निर्माण पर रोक लगा दी है।

अधिवक्ता अधिनियम संशोधन विधेयक का करेंगे विरोध

जबलपुर। मध्य प्रदेश जूनियर लायर्स एसोसिएशन ने प्रस्तावित अधिवक्ता अधिनियम संशोधन विधेयक का विरोध करने का निर्णय लिया है। इस सिलसिले में विधि भवन के बेसमेंट में आवश्यक बैठक आहूत की गई। इस दौरान संशोधन विधेयक के मूलभूत प्रविधानों पर वाद-विवाद-संवाद को गति दी गई। अधिवक्ता अपूर्व त्रिवेदी, शुभम अग्रवाल, ऋषभ दुबे, शुभम मिश्रा, विनीत टहनगुरिया ने अधिवक्ता समुदाय के हितों के विपरीत संशोधन के बिंदुओं का विरोध किया। संरक्षक आशीष त्रिवेदी, प्रशांत अवस्थी, असीम त्रिवेदी अधिवक्ता विरोधी कदम का हर संभव विरोध करने का संकल्प लिया। अधिवक्ता अजय द्विवेदी, संजय शर्मा, जयंत पटेल, आशीष तिवारी, पंकज तिवारी, एसएस ठाकुर, ब्रजेश दुबे, निर्देश पटेल, ऋषि चौकसे व शुभम पाटकर ने भी विरोध का स्वर बुलंद किया।

सारनाथ एक्सप्रेस हुई डायवर्ट यात्रियों ने किया हंगामा

जबलपुर। प्रयागराज महाकुंभ में बढ़े श्रद्धालुओं और ट्रेनों में जगह न मिल पाने के बीच ट्रेनों के रूट बदलने से अब यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। सोमवार 17 फरवरी की सुबह दुर्ग से चलकर कटनी होते हुए प्रयागराज के रास्ते बनारस होते हुए छपरा जाने वाली सारनाथ एक्सप्रेस के रूट में अचानक परिवर्तन कर दिया गया। ट्रेन मुख्य स्टेशन की जगह मुड़वारा स्टेशन पहुंची तो यात्रियों ने हंगामा मचाना शुरू कर दिया। सुबह कटनी स्टेशन से रिजर्वेशन कराकर यात्रा कर रहे लोगों के मोबाइल पर मैसेज आया और ट्रेन को मुड़वारा से बीना होते हुए कानपुर से बनारस रवाना करने की सूचना दी गई। ट्रेन में प्रयागराज जाने के लिए छत्तीसगढ़ से आए हजारों श्रद्धालु भड़क गए और उन्होंने हंगामा करना शुरू कर दिया व नारेबाजी शुरू कर दी। रेल पुलिस व अधिकारियों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया।

यात्रियों ने कई बार चैन पुलिंग कर रोकी ट्रेन

मुड़वारा रेलवे स्टेशन पर अफरा तफरी का माहौल बना था और लोग नारेबाजी कर रहे थे इसी बीच ट्रेन को ग्रीन सिग्नल दे दिया गया, लेकिन यात्रियों ने जंजीर खींचते हुए ट्रेन रोक दी। यात्रियों को बताया गया कि प्रयागराज में भीड़ की वजह से सारनाथ एक्सप्रेस का मार्ग बदल दिया गया, जिससे यात्री खासे परेशान हुए।

गोंदिया-बरौनी ट्रेन का भी बदला रूट

सारनाथ एक्सप्रेस के बाद गोंदिया- बरौनी एक्सप्रेस को भी मुख्य स्टेशन कटनी ले जाने की जगह मुड़वारा स्टेशन भेजा गया। इसमें भी प्रयागराज जाने वाले यात्री बड़ी संख्या में सवार थे। उन्हें भी मैसेज के माध्यम से ट्रेन के मुड़वारा होते हुए बीना- कानपुर से रवाना करने की सूचना दी गई थी। इसके चलते यात्री परेशान रहे और प्रयागराज जाने के लिए मुख्य स्टेशन पहुंचे। जिसके चलते कटनी जंक्शन में भी यात्रियों का दबाव एकदम से बढ़ गया और रेल पुलिस के साथ-साथ कोतवाली पुलिस को भी मोर्चा संभालना पड़ा।

3 दिन से इस मुगालते में थी कि पति सो रहे है

मानसिक विक्षिप्त महिला मृत पति को जिंदा समझती रही

जबलपुर। गोराबाजार क्षेत्र में एक चौकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक महिला तीन दिन तक अपने मृत पति के साथ इस उम्मीद में रही कि वह सो रहे हैं। घटना का खुलासा रविवार देर रात हुआ, जब मृतक के छोटे भाई ने घर पहुंचकर इस हृदयविदारक सच का पता लगाया।

गोराबाजार पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोराबाजार थाना क्षेत्र स्थित कृष्णा होम्स निवासी 55 वर्षीय रमेश कुमार वाल्मीक अपनी पत्नी ललिता के साथ रहते थे। रमेश कैंट बोर्ड में सफाई कर्मचारी के रूप में काम करते थे और पिछले कुछ सालों से हार्ट की बीमारी से भी पीड़ित थे। 13 फरवरी को वह काम से घर लौटे थे, और बिस्तर में लेट गए। इसके बाद वह बिस्तर से उठे नहीं, लेकिन उनकी पत्नी ललिता ने यह समझा कि वह सो रहे हैं।

रमेश के छोटे भाई सोम वाल्मीक, जो गोराबाजार में रहते हैं, अपने भाई से एक-दो दिन से संपर्क नहीं कर पाए थे, जिससे वह चिंतित हो गए। सोम ने सोचा कि शायद कोई परेशानी हो सकती है, इस कारण वह अपने भाई से मिलने के लिए उनके घर पहुंचे। जब उन्होंने ललिता से पूछा कि रमेश ड्यूटी पर क्यों नहीं गए और फोन क्यों बंद है, तो ललिता ने जवाब दिया कि वह तो सो रहे हैं।

ललिता ने यह भी कहा कि उसने एक-दो बार उन्हें जगाने की कोशिश की थी, लेकिन वह नहीं उठे। इसके बाद सोम कमरे में गए और जब उन्होंने रमेश को उठाने की कोशिश की, तो यह पाया कि वह मृत हो चुके थे। मृतक के शरीर की हालत भी बिगड़ने लगी थी और शव सड़ने लगा था।

पुलिस को सूचना मिलने के बाद जांच शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि रमेश की पत्नी मानसिक रूप से बीमार हैं और इस कारण वह अपने पति की मौत को समझ नहीं पाई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, और रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा होगा।

रमेश कुमार के दो छोटे भाई हैं, जो गोराबाजार में रहते हैं, और उनका कोई संतान नहीं था। वह अक्सर काम से पहले अपने भाइयों से बातचीत करते थे, लेकिन अब तक के जांच में यह पता चला कि वह 13 फरवरी के बाद से अपनी पत्नी के साथ घर में ही थे।

बाईक रोड डिवाईडर से भिड़ने पर हुआ हादसा

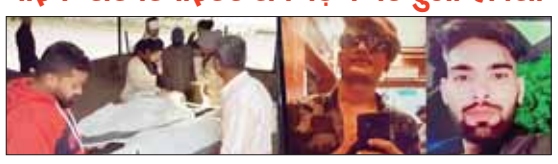

सूपाताल में सड़क दुर्घटना में 2 युवकों की मौत

जबलपुर। गढ़ा थाना अतंर्गत सूपाताल रामायण मंदिर के पास रविवार की देर रात 12.30 बजे एक सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस को रोड डिवाईडर में रगड़ के निशान मिलें है। बाईक खुद डिवाईडर से टकराई है या पीछे से किसी वाहन ने टक्कर मारी है यह अभी जांच का विषय है। पुलिस मर्ग कायम कर मामलें की जांच कर रही है।

घटना के संबंध में गढ़ा थाना प्रभारी प्रशांत शर्मा ने ईएमएस को बताया कि रविवार की देर रात 12.30 बजे मदनमहल से गढ़ा तरफ आ रही एक एंवेजर मोटरसायकिल के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा, जहां वाहन क्षतिग्रस्त हालत में पड़ा था और वहीं दो युवक लहूलुहान अवस्था में पड़े थे। पुलिस ने तत्काल 108 एंबुलेंस से घायलों को मेडीकल अस्पताल पहुंचाया, चिकित्सकों ने जांच उपरांत दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचना मदनमहल निवासी 19 वर्षीय बादल सोंधिया और गढ़ा निवासी योगेश झारिया के रुप में हुई। दोनों मृतको के शव का सोमवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को कफन दफन के लिए सौंपे। पुलिस के मुताबिक घटना स्थल पर रोड डिवाईडर पर लंबी रगड़ के निशान मिलें है। बाईक खुद रोड डिवाईडर से टकराई या पीछे से किसी वाहन के टक्कर लगने से यह हादसा हुआ, इसकी जांच की जा रही है। आसपास में लगे सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले जा रहे है। फिलहाल मर्ग कायम कर मामलें की जांच की जा रही है।

पमरे जोन ऑटोमैटिक सिग्नल से हुआ लैस, दो रेलवे स्टेशन के बीच चल सकेंगी आधा दर्जन ट्रेनें

जल्द ही मंडल के इटारसी- मानिकपुर के बीच होगा ट्रायल

हरिभूमि, जबलपुर

पश्चिम मध्य रेलवे जीएम शोभना बंदोपाध्याय के मार्गदर्शन में पमरे जोन यात्रियों की सुविधा में वृद्धि को लेकर लगातार तेज गति से काम कर रहा है। इसी के तहत ट्रेनों की संख्या और गति बढ़ाने के लिए रेलवे ट्रैक का विस्तार करने के साथ आधुनिक सिग्नल लगाए जा रहे हैं।

पमरे जोन के अधिकांश सेक्शन व क्षेत्र में यह सिग्नल लगाए जा चुके हैं। इसी के तहत भोपाल व जबलपुर मंडल के इटारसी-मानिकपुर तक लगभग 510 किमी लंबे रेलवे ट्रैक पर आटोमैटिक सिग्नल सिस्टम लगाए जाएंगे। इन सिग्नलों की मदद से दो रेलवे स्टेशन के बीच एक साथ चार से पांच ट्रेनें चलाना आसान होगा। वर्तमान में मैन्युअल और पूर्ण ब्लॉक सिग्नल सिस्टम लगाए गए हैं, जिससे दो स्टेशनों के बीच दो ट्रेनें ही

चलाई जा सकती हैं, पर आटोमैटिक सिग्नल की मदद से ट्रेनों की संख्या और गति, दोनों में इजाफा होगा।

उल्लेखनीय है कि इटारसी-मानिकपुर सेक्शन के अधिकांश क्षेत्र इस सिस्टम से लैस हो गए हैं। इसको लेकर जल्द ही पमरे जोन की ओर से ट्रायल कर ट्रेन की दूरी व अंतर और स्पीड को लेकर ट्रायल किया जाएगा। इसके बाद इस सेक्शन यानी दो स्टेशन के बीद दो से अधिक ट्रेनें दौड़ सकेगी। साथ ही इनकी स्पीड भी बढ़ाने से यात्रियों का सफर कम समय में पूरा हो सकेगा।

दोगुनी हो सकेगी ट्रेनों की संख्या

रेलवे सूत्रों के अनुसार आटोमैटिक सिग्नल सिस्टम पमरे जोन के सभी सेक्शन पर लगाने के बाद यात्री ट्रेनों में इजाफा हो सकेगा। अभी जहां करीब 400 से 450 ट्रेनें हाल्ट लेकर चलती हैं, तो वहीं इस सिस्टम के बाद यह संख्या 700 से 800 तक हो जाएगी। इससे अधिक से अधिक यात्रियों को कंफर्म सीट मिल सकेगी।

ट्रेनों की बढ़ेगी स्पीड

पमरे जोन के इटारसी से मानिकपुर के बीच आटोमैटिक सिग्नल सिस्टम लगाए जा रहे हैं। इन्हें लगाने का काम जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। इनकी मदद से ट्रेनों की संख्या और गति बढ़ेगी। रेलवे अधिक से अधिक यात्री ट्रेन चलाने में सक्षम होगा।

हर्षित श्रीवास्तव, सीपीआरओ, पमरे जोन

जबलपुर और उज्जैन में बनेगा चिड़ियाघर-सह-रेस्क्यू सेंटर

हरिभूमि, जबलपुर

प्रदेश के उज्जैन एवं जबलपुर में अगले वित्त वर्ष में चिड़ियाघर बनाए जाएंगे। इसकी मंजूरी राज्य सरकार से मिल गई है।

जबलपुर वनमंडल के परिक्षेत्र जबलपुर में स्थित संग्राम सागर क्षेत्र में चिड़ियाघर सह रेस्क्यू सेंटर बनेगा, जबकि उज्जैन में महाकाल मंदिर से 10 किमी दूर वनक्षेत्र में करीब ढाई सौ हैक्टेयर में चिड़ियाघर बनाया जाएगा। जबलपुर में यह जू मदन महल पहाड़ी एरिया के 215 हैक्टेयर क्षेत्र में प्रस्तावित है, जिसमें 148 हैक्टेयर क्षेत्र वन विभाग का एवं 67 हैक्टेयर क्षेत्र जबलपुर स्मार्ट सिटी के आधिपत्य वाला है। इस चिडियाघर को बनाने में करीब सौ करोड़ रुपयों का व्यय आएगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव घोषणा कर चुके हैं कि सभी संभागीय मुख्यालयों में रेस्क्यु सेंटर बनाए जाएंगे। इसी क्रम में प्रारंभिक चरण में जबलपुर और उज्जैन में चिड़ियाघर सह रेस्क्यू सेंटर का निर्माण प्रस्तावित है।

साल में दो बार की जाती है गणना, इसके बाद 29 अप्रैल से होगी

पूरे प्रदेश में शुरु हुई गिद्धों की गणना

हरिभूमि, जबलपुर

मप्र में गिद्धों की संख्या और उनकी स्थिति का आकलन करने के लिए गिद्ध गणना वर्ष 2024-25 पूरे प्रदेश में 17 फरवरी से प्रारंभ हो गई जो दो चरणों में की जाएगी। गिद्धों के आंकलन की गणना वर्ष में दो बार की जाती है।

शीतकालीन गिद्ध गणना 17, 18 एवं 19 फरवरी को होगी और ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना 29 अप्रैल को की जाएगी। शीतकालीन गिद्ध गणना सुबह 7 बजे से 8 बजे तक होगी। ऐसे स्थान जहां पर ऊंची चट्टान है, उन स्थानों पर

केवल बैठे हुए गिद्ध ही गिनेंगे

अधिकतम 9 बजे तक गणना की जा सकती है। केवल बैठे हुए गिद्धों की गणना की जाएगी। गिद्ध गणना वर्ष 2024-25 के लिए 11 मास्टर ट्रेनर की ओर से 16 वन वृत्त में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 27, 29 एवं 31 जनवरी को किया गया। प्रशिक्षण में 900 से अधिक वन अधिकारी-कर्मचारियों, गिद्ध विशेषज्ञों और पक्षी प्रेमियों ने भाग लिया। प्रदेश में गिद्धों के संरक्षण से संबंधित गतिविधियों के अनुश्रवण के लिए एवं गिद्ध गणना वर्ष 2024-25 की पद्धति पर विचार करने के लिए, तकनीकी सलाहकार समिति की बैठक 20 जनवरी को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव) की अध्यक्षता में की गई। गिद्ध की गणना के लिए प्रपत्र 1, 2, एवं 3 का उपयोग किया जाएगा और सम्पूर्ण जानकारी डिवीजन स्तर पर प्रपत्र-3 में कार्यालय दिवस में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव) को एवं वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल को ई-मेल के माध्यम से भेजी जाएगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No. : MPHIN/2008/24240